{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 28 जनवरी 2026
कृष्ण शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 126
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	81,857.48
निफ्टी	-	25,175.40
सोना	-	1,61,950
चांदी	-	3,70,000
डॉलर	-	91.53

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

यूजीसी के नए नियमों का देशभर में विरोध

दिल्ली हेडक्कार्टर की सुरक्षा बढ़ी, यूपी में सवर्ण सांसदों को चूडियां भेजीं, सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा

नई दिल्ली। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। नई दिल्ली में यूजीसी हेडक्कार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और कई संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूडियां भेजी हैं। यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा कि चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा। वहीं, पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के विधायक बेटे प्रतीक ने लिखा कि समाज के एक वर्ग को ऐतिहासिक अपराधी बताकर वर्तमान में प्रतिशोध का शिकार बनाया जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका

यूजीसी)के हाल में जारी नियमों को चुनौती देने के लिए सुप्रीम में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन नियमों में जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा अपनाई गई है और संस्थागत सुरक्षा से कुछ श्रेणियों को बाहर कर दिया गया है। याचिका में केंद्र सरकार और यूजीसी को अंतरिम निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन नियमों के तहत बनाए गए समान अवसर केंद्र और समानता समिति बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध हों। याचिका में कहा गया है कि यूजीसी के हाल में अधिसूचित उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026 का नियम 3 (सी) गैर-समावेशी है और जो छात्र एवं शिक्षक आरक्षित श्रेणियों के नहीं हैं, उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। विनीत जिंदल द्वारा दाखिल याचिका में इन विनियमों की इन आधार पर आलोचना की गई है कि जाति आधारित भेदभाव को सख्ती से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में परिभाषित किया गया है।

यूजीसी के नए नियमों इसलिए विरोध

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026 । इसके तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर एससी,एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

दोष और भेदभाव कैसे होगा तय-प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने यूजीसी के इन नियमों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कैंपस में किसी भी तरह का जाति आधारित भेदभाव गलत है और भारत में कई छात्रों ने इसके गंभीर परिणाम पहले ही झेले हैं, लेकिन क्या कानून समावेशी नहीं होना चाहिए और सभी को सुरक्षा की गारंटी नहीं देनी चाहिए? कानून के लागू करने में यह भेदभाव क्यों? उन्होंने आगे इन नियमों के दुरुपयोग से बचाव के प्रावधानों की कमी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि झूठे मामलों की स्थिति में क्या होगा? प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि दोष कैसे तय किया जाएगा? भेदभाव को कैसे परिभाषित किया जाएगा- शब्दों से, व्यवहार से या धारणा से? कानून को लागू करने की प्रक्रिया सभी के लिए साफ, स्पष्ट और निष्पक्ष होनी चाहिए। इसलिए कैंपस में नकारात्मक माहौल बनाने के बजाय मैं आग्रह करती हूं कि यूजीसी की अधिसूचना को या तो वापस लिया जाए या जरूरत के अनुसार उसमें संशोधन किया जाए।

पंडित और ठाकुरों के खिलाफ मुकादमें होंगे- राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भी यूजीसी कानून का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इससे समुदायों में दुश्मनी और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यूजीसी का नया एक्ट एससी-एसटी की तरह है और अब ओबीसी के लोग भी मुकदमा लिखवा सकेंगे, राकेश टिकैत ने कहा कि जो पंडित जी, ठाकुर लोग हैं उन्हीं के खिलाफ मुकदमे होंगे। अब यह सरकार चाहती है कि देश धर्म और जातिवाद में बंटा रहे और मुकदमे चलते रहे।

धर्म-जाति के आधार पर भेदभाव स्वीकार नहीं- जितेंद्र सिंह

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि धर्म, जाति, लिंग और पृष्ठभूमि के आधार पर भेदभाव न सिर्फ शैक्षणिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में, बल्कि किसी भी सभ्य समाज में अस्वीकार्य है। यूजीसी द्वारा लागू किए गए उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले नियम, 2026/ छात्रों को आपस में बांटने और उन्हें एक-दूसरे का विरोधी बनाने की कोशिश लगते हैं। जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि यूजीसी के नए दिशानिर्देश केंद्र सरकार की मंशा को दिखाते हैं, जो छात्र विरोधी है और छात्रों को निशाना बनाकर उन्हें गुमराह करने के साथ-साथ हमारी शैक्षणिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश है।

सवर्ण समाज को कैसे मिलेगा इंसाफ- संजय सिंह

बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय सिंह ने भी यूजीसी के नए नियमों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात से शिक्षण संस्थानों में चिंता और आशंका का माहौल बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना संतुलित प्रतिनिधित्व के बनाई गई समितियां न्याय नहीं कर सकतीं। ऐसी समितियां सिर्फ औपचारिक निर्णय देती हैं, जिससे समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता। न्याय के पथ पर चलते हुए हर नागरिक के सम्मान और सुरक्षा की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनका कहना है कि निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की असमानता न रहे।

खास खबर

दो गोदामों में आग, 8 की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में सोमवार सुबह दो गोदामों में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई मजदूर लापता हैं। पुलिस के मुताबिक, आग सुबह करीब 3 बजे लगी। दमकल की 12 गाडियों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया। हालांकि गोदाम के कुछ हिस्सों में देर शाम तक धुआं और आग की लगी रही। शाम करीब 5 बजे तीन शव मिले। बाद में तलाशी के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। बारुईपुर पुलिस जिला एसपी शुभेंदु कुमार ने बताया कि सभी शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि पहचान संभव नहीं है।

ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़ा ने बाहर निकाला

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा से महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी को बाहर कर दिया गया है। इसकी पुष्टि अखाड़े की प्रमुख महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने वीडियो जारी कर किया। उन्होंने कहा कि अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक करके यह निर्णय लिया है। अब ममता कुलकर्णी से अखाड़े का कोई संबंध नहीं है। वह अखाड़े की अधिकारी या सदस्य नहीं हैं। हमारे अखाड़े में महिला भी हैं, पुरुष भी हैं और किन्नर भी हैं। हम किसी तरह का विवाद नहीं चाहते हैं। मौनी अमावस्या के दिन जिस तरह से बटुक ब्राह्मणों को शिखा पकडक़र पीटा गया, इससे हमारी भी नाराजगी है। 25 जनवरी (रविवार) को ममता कुलकर्णी (यामाई ममता नंद गिरि) ने अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर कहा था कि 10 में से 9 महामंडलेश्वर और तथाकथित शंकराचार्य झूठे हैं और उन्हें शून्य ज्ञान है।

नवसारी से आतंकी साजिश रच रहा फैयजान शेख गिरफ्तार

अहमदाबाद । गुजरात एटीए, ने आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नवसारी के चारपुल इलाके से फैयजान शेख नामक युवक को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों के संपर्क में था और गुजरात में अशांति फैलाने की साजिश रच रहा था। गिरफ्तार आरोपी फैयजान शेख मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है और पिछले कुछ समय से नवसारी में रह रहा था। वह सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए जैश-ए-मोहम्मद और अल-कायदा जैसे खतरनाक आतंकी संगठनों की कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हो चुका था। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह इन संगठनों के आकाओं के लगातार संपर्क में रहकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

कुछ ना कहना

उमा भारती ने अपनी ही सरकार को घेरा

शंकराचार्य कौन है, यह ब्यूरोक्रेसी तय नहीं करेगी

-शंकराचार्य का सबूत मांगकर प्रशासन ने मर्यादा तोड़ी

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर संगम स्नान से रोके जाने और शिष्यों के साथ हुई मारपीट के विरोध में धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को उमा भारती का साथ मिला है। उमा भारती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रयागराज प्रशासन को उसकी सीमा याद दिलाई है। उमा भारती ने शंकराचार्य की पहचान पर सवाल उठाने को धार्मिक और प्रशासनिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया। उमा भारती ने लिखा है कि मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा। किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के लिए शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच शुरू हुआ विवाद सरकार के लिए मुसीबत बन गया है। अब भाजपा की फायरब्रांड नेता उमा भारती ने भी शंकराचार्य का समर्थन किया है। उन्होंने कहा- शंकराचार्य का सबूत मांगकर प्रशासन ने अपनी मर्यादा तोड़ी। वहीं, बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे के बाद अविमुक्तेश्वरानंद ने सरकार पर हमला तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाई हिंदू-मुसलमान या अंग्रेज-भारतीय की नहीं, नकली और असली हिंदू के बीच है। मेरी सिटी मजिस्ट्रेट से फोन पर बात हुई। वह सनातन धर्म के अलंकार हैं। अफसर ने मुझसे कहा कि अत्याचारी सरकार का अंग होना मुझे भी पाप में डालेगा। इसलिए सरकार का अंग बनकर काम करना मुश्किल हो गया था। इधर, अयोध्या छावनी धाम के परमहंस महाराज ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद और सतुआ बाबा ने माघ मेले को बदनाम किया है। दोनों को माघ मेले में आने से पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर तो राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगना चाहिए। माघ मेला प्रशासन और अविमुक्तेश्वरानंद के बीच 10 दिन से विवाद चल रहा है। कम या खत्म होने की बजाय मामला बढ़ता जा रहा। प्रयागराज हाईकोर्ट के वकील भी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पोस्टर जारी करके कहा- असहमति हो सकती है। अपमान नहीं।

इस्तीफा देने वाले बरेली मजिस्ट्रेट सस्पेंड, जांच शुरू

बरेली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को शासन ने सस्पेंड कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, अब तक इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। माना जा रहा कि जांच पूरी होने के बाद ही सरकार इस्तीफा स्वीकार करेगी। फिलहाल, अग्निहोत्री को शामली अटैच कर दिया गया है। बरेली कमिश्नर को मामले की जांच सौंपी गई है। मजिस्ट्रेट से सरकारी गाड़ी वापस ले ली गई है। वह मंगलवार सुबह 11 बजे डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे, तो उन्हें अंदर जाने नहीं दिया गया। नाराज होकर वे कलेक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। देर रात शंकराचार्य ने सिटी मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की। उनसे कहा- पूरा सनातनी समाज आपसे प्रसन्न है। जो पद आपको सरकार ने दिया था, हम उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में आपको देंगे।

सुप्रीम कोर्ट में महाकाल मंदिर की वीआईपी दर्शन याचिका खारिज

महाकाल के सामने कोई वीआईपी नहीं

हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा,गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा कलेक्टर ही तय करेंगे

उज्जैन। उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में नेताओं और वीआईपी को प्रवेश देने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इससे पहले इस मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई हो चुकी थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही इंदौर हाईकोर्ट का फैसला महाकाल मंदिर समिति पर लागू रहेगा, जिसमें उज्जैन कलेक्टर को यह अधिकार दिया गया था कि वे तय करें कि कौन वीआईपी है और कौन नहीं।

दरअसल, महाकाल मंदिर में आम श्रद्धालुओं के गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगाए जाने के बाद इंदौर के अधिवक्ता चर्चित शास्त्री और दर्पण अवस्थी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि देशभर से लाखों श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें गर्भगृह के बाहर से ही दर्शन करने पड़ते हैं, जबकि नेता और प्रभावशाली लोग आसानी से गर्भगृह में प्रवेश कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंगलवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा और याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा।

गर्भगृह में प्रवेश का फैसला फिलहाल कलेक्टर करेंगे

करीब छह महीने पहले इंदौर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने स्पष्ट किया था कि गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा, यह तय करने का अधिकार उज्जैन कलेक्टर के पास है। अदालत ने कहा कि यदि कलेक्टर किसी विशेष दिन किसी व्यक्ति को अनुमति देते हैं, तो उसे वीआईपी माना जाएगा।

संसद का बजट सत्र आज से...

29 जनवरी को आर्थिक सर्वे और 1 फरवरी को पेश होगा बजट, सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का हंगामा, सरकार पर 'सस्पेंस एंड स्टन' रणनीति का लगाया आरोप

नई दिल्ली। बजट सत्र के शुरू होने से पहले मंगलवार को सर्वदलीय बैठक हुई। सर्वदलीय बैठक के बाद किरेन रिजिजू ने बताया कि 29 जनवरी को आर्थिक सर्वे जारी किया जाएगा और 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। साथ ही उन्होंने विपक्ष दलों के सत्र के दौरान सहयोग की अपील की है। किरेन रिजिजू ने बताया कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने वीबी-जी-राम जी अधिनियम पर कहा कि जब राष्ट्र के समक्ष कानून आ जाता है, तो हमें उसका पालन करना पड़ता है। वहीं, इस अधिनियम पर चर्चा करने की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा कि हम पीछे मुडक़र अतीत में नहीं जा सकते, ऐसा संभव नहीं है। वहीं विपक्ष जी-राम जी पर चर्चा को लेकर हंगामा करने के मूड में।

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35 से अधिक पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि साल के पहले सेशन में राष्ट्रपति के भाषण के बाद सरकारी कामकाज शेयर किया जाता है। हमें लोगों के मुद्दे उठाने के लिए चुना गया है, हमें बोलने की आजादी है। लेकिन सुनना भी हमारी जिम्मेदारी है।

वीबी-जी-राम जी अधिनियम पर होगा हंगामा

संसद के बजट सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने केंद्र सरकार की विधायी कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला। विपक्षी नेताओं ने सरकार पर बिना सूचना के आखिरी वक्त में बिल पेश करने की 'सस्पेंस एंड स्टन' रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और विदेशी नीति, मुक्त व्यापार समझौतों, मनरेगा फंडिंग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की मांग की। साथ ही क्षेत्रीय दलों ने भी किसानों की समस्याओं, छापेमारी और जातिगत तनाव जैसे मुद्दे उठाए। सूत्रों ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार पर बिना किसी सूचना के आखिरी वक्त पर बिल पेश करने के लिए सस्पेंस और स्टन की रणनीति अपनाती है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विपक्षी सदस्यों को खाली दस्तावेज बांटे गए हैं, जो सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हैं, क्योंकि सरकार सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं कर रही है।

विदेश नीति पर होनी चाहिए बात

सीपीआई(एम) नेता ने कहा कि विदेशी नीति के मोर्चे पर भारत को जिस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उस पर संसद में बात होनी चाहिए। उन्होंने वेनेजुएला, फिलिस्तीन और ग्रीनलैंड की मौजूदा स्थितियों का जिक्र करते हुए सरकार से स्पष्ट रुख अपनाने को कहा। विपक्ष ने ये भी आरोप लगाया कि सरकार की 'सस्पेंस' वाली राजनीति और महत्वपूर्ण कार्यों को अंतिम समय तक गुप्त रखने की आदत अब बंद होनी चाहिए।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मदर ऑफ ऑल डील्स पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड डील (एफटीए) हो गया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के नेताओं ने 16वें भारत-ईयू समिट के दौरान इसका ऐलान किया। इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150 प्रतिशत टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30 प्रतिशत किया जाएगा।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि ईयू दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का करीब 25 प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं। डील के तहत भारत ने यूरोप से आने वाले कई उत्पादों पर भारी टैक्स खत्म या बहुत कम करने पर सहमति जताई है। इसमें रसायन, विमान, अंतरिक्ष से जुड़े उपकरण और मेडिकल मशीनें शामिल हैं। मेडिकल और सर्जिकल उपकरणों के करीब 90 प्रतिशत सामान अब टैक्स-फ्री होंगे। समझौते के बाद यूरोप से आने वाले खाद्य उत्पादों पर लगने वाला भारी शुल्क घटा दिया गया है। जैतून का तेल, मार्जरीन और दूसरे वनस्पति तेलों पर अब शून्य टैक्स लगेगा।

पांच दिवसीय वर्किंग की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली। देशभर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 27 जनवरी को कामकाज पूरी तरह से प्रभावित हो सकता है। बैंक कर्मचारी यूनियनों ने 5-डे वर्किंग यानी सप्ताह में केवल पांच दिन काम करने की अपनी लंबे समय से लंबित मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल की घोषणा 23 जनवरी को की गई थी, और यदि यह योजना के अनुसार सफल रहती है, तो आम नागरिकों और व्यापारिक लेन-देन पर इसका व्यापक असर पड़ना तय है।

यह हड़ताल इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि इसके चलते बैंकों में लगातार चार दिनों तक ताले लटके रह सकते हैं। 24 जनवरी को महीने का दूसरा शनिवार था, 25 जनवरी को रविवार और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय अवकाश के कारण बैंक पहले से ही बंद थे।

जिले भर में जगह जगह शान से लहराता तिरंगा प्यारा

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गणतंत्र दिवस की 77वी वर्षगांठ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 26 जनवरी को नगर में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. जहा गणतंत्र दिवस की 77वी वर्षगांठ पर नगर में जगह-जगह ध्वज फहराकर जन मन गण का गायन किया गया।जहां कलेक्टर मृणाल मीणा ने कलेक्टर कार्यालय में ध्वज फहराकर उपस्थित जनों के साथ तिरंगे झंडे को सलामी दी, तो वही जन गण मन के तुरंत बाद मेरा मध्यप्रदेश गीत का गायन पथक दल द्वारा किया गया।इसी तरह जिला एवं सत्र न्यायालय और बार कोर्ट रूम में जिला एवं सत्र मुख्य न्यायाधीश द्वारा ध्वज फहराया गया।जिसके पश्चात राष्ट्गान मे सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।जहा राष्ट्रगान के बाद सभी ने, तिरंगे, देश और गणतंत्र दिवस की शान में नारे लगाए। तो वहीं जिला पंचायत कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार ने ध्वज फहराया।जहां उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से जनगणमन का गायन कर तिरंगे झंडे को सलामी दी। इसी तरहा एसपी कार्यालय में ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई।इसी तरह नगर पालिका बालाघाट में नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती पारधी ने तिरंगा झंडा फहराया तो वही उपस्थित जनों ने राष्ट्गान के बाद तिरंगे, देश और गणतंत्र दिवस की शान में नारे लगाए। वही नगर के अन्य शासकीय , अशासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानो और विभिन्न चौक चौराहों में भी गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां विभाग प्रमुख ,मुख्य अतिथियों और गणमान्य नागरिकों द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई।तो वही सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन कर देश ,तिरंगे और गणतंत्र दिवस की शान मे नारे लगाए गए। तो वहीं कई शिक्षण संस्थाओं द्वारा नगर में रैली भी निकाली गई। वही नगर के अलग अलग स्थानों से बच्चो ने मुख्य समारोह के लिए रैली निकाली,जहा मुख्य समारोह में भाग लेने के बाद, अलग अलग स्थानों में भी गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर के विभिन्न स्थानों में सुबह से लेकर देर शाम तक जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर गणतंत्र दिवस समारोह का समापन किया गया। इस दौरान बच्चों से लेकर युवाओं, युवाओं से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह, उमंग और जोश नजर आया।जहां जगह-जगह कार्यक्रम के अंत में लोगों ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई देकर नगर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह पर आयोजित कार्यक्रम का समापन किया ।

मुलना स्टेडियम ग्राउंड में किया गया गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित तहसीलों व अन्य ग्रामीण अंचलों में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पूर्ण उत्साह उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह आकर्षण का केंद्र रहा।जहा मुख्य समारोह नगर के मुलना स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित किया गया।जहां कलेक्टर मृणाल मीणा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहरायकर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई।वहीं उपस्थितजनों द्वारा राष्ट्रीय गीत जन गण मन का गायन कर किया गया।जिसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया गया तो कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन कर कलेक्टर मृणाल मीणा ने परेड की सलामी ली।जहां हर साल की तरह इस साल भी जवानों द्वारा की गई सहर्ष हवाई फायरिंग, सलामी परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र बने रहे।जिसने हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया।कार्यक्रम में सांसद श्रीमती भारती पारधी, मध्यप्रदेश पिछडा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगर पालिका बालाघाट अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, गौरीशंकर बिसेन, बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक संजय सिंह, उप महानिरीक्षक विनीत जैन, पुलिस अधीक्षक आदित?य मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण, अपर कलेक्टर डी पी बर्मन, अन्य गणमान्य नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पत्रकार, छात्र-छात्रायें एवं बडी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

शासकीय भवनों में रोशनी के किए इन्हें किया गया पुरस्कृत

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों पर रात्री में की जाने वाली रोशनी के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय को प्रथम, जिला पंचायत कार्यालय बालाघाट को द्वितीय एवं एसडीएम कार्यालय बालाघाट को तृतीय पुरूस्कार प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सांदीपनि विद्यालय बालाघाट को प्रथम, एमएलबी को द्वितीय तथा माता सबुरी कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई को तृतीय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट को चतुर्थ एवं दादाबाडी स्कूल को पांचवा पुरुस्कार दिया गया।

परेड रही मुख्य समारोह में आकर्षण का केंद्र

देश के 77 वे गणतंत्र दिवस पर मुलना स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि के आगमन के साथ की गई।जहां कलेक्टर मृणाल मीणा ने राष्ट्रीय ध्वज फहरायकर तिरंगे झंडे को सलामी दी।जिसके उपरांत जन गण मन धुन का वादन किया गया।जिसके उपरांत कलेक्टर मीणा ने परेड में शामिल प्लाटून से परिचय प्राप्त किया।जिसके तुरंत बाद कलेक्टर मीणा ने जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया।वहीं शांति के संदेश के रूप में ग्राउंड के चारो ओर से हवा में गुब्बारे छोड़े गए।जिसके उपरांत प्रथम परेड कमांडर कमलेश परस्ते के मार्गदर्शन में परेड के पूर्व प्लाटून जवानों ने हवा में सहर्ष फायरिंग की, वही राष्ट्रगान धुन का वादन किया गया ।जिसके उपरांत प्रथम कमांडर अधिकारी कमलेश परस्ते के नेतृत्व में प्लाटून दल में शामिल हाक फोर्स, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जिला पुलिस बल, एनसीसी के केडेट्स, स्काउट के गाइड, राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों एवं शौर्या दल की सदस्यों द्वारा शानदार मार्चपास्ट किया गया और तिरंगे झंडे को सलामी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस के जवानों द्वारा हर्ष फायर किये गये। जिसके उपरांत कलेक्टर ने लोकतंत्र सेनानियों का पुष्प गुच्छ शाल श्रीफल भेट कर, सम्मान किया गया।जिसके उपरांत जिला पथक दल द्वारा मध्यप्रदेश गीत मेरा मध्यप्रदेश है का गायन किया गया।जिसके उपरांत विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने विभिन्न विभागों द्वारा झांकी का प्रदर्शन किया गया।वही कार्यक्रम के अंत में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

आयोजित कार्यक्रम के दौरान दादा बाडी स्कूल, शासकीय महारानी एमएलबी स्कूल, शासकीय उत्कृष्ट विघालय,शासकीय कन्या परिसर गोंगलई, और सीएम राईस स्कूल बालाघाट सहित अन्य विघालयो के विघार्थियों ने देश भक्ति गीतों पर रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर हर किसी को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया।

झांकियों के माध्यम से दी गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी

77 वे गणतंत्र दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए आकर्षक झांकियां निकाली गई।जिसमें वन विभाग, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, जिलापंचायत , महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी, आईटीआई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (मॉयल) द्वारा शासकीय योजनाओं पर आधारित आकर्षक झांकी निकाली गई। वन विभाग की झांकी में वनों एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला पंचायत की झांकी में स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन से सशक्त होती महिलाओं, एक बगिया मॉ के नाम योजना का प्रदर्शन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह रोकने का संदेश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की झांकी ने कन्या भ्रुण हत्या रोकने एवं सुरक्षित प्रसव का संदेश दिया गया। कृषि विभाग की झांकी में प्राकृतिक खेती को अपनाने का संदेश दिया गया। आईटीआई की झांकी में मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को बताया गया। पशुपालन विभाग की झांकी में उन्नत नस्ल के पशुपालन से दुग्ध उत्पादन को बढाने का संदेश दिया गया।

इन्हें किया गया पुरस्कृत

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में शानदार मार्च पास्ट के लिए जुनियर वर्ग में एमएलबी के स्काउट गाइड को प्रथम, एनसीसी जूनियर डिविजन ब्यावज एवं गर्ल्स को द्वितीय तथा एनसीसी सीनियर डिविजन पीजी कॉलेज बालाघाट को तृतीय पुरूस्कार दिया गया। सीनियर वर्ग में हाक फोर्स को प्रथम, 123वीं बटालियन सीआरपीएफ भरवेली को द्वितीय एवं 36-भारत रक्षित वाहिनी कनकी के जवानों को तृतीय पुरूस्कार दिया गया। झांकियों में जिला पंचायत की झांकी को प्रथम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की झांकी को द्वितीय तथा वन विभाग की झांकी को तृतीय पुरुस्कार दिया गया।

In The Court Of Additional Judge To I District Judge Waraseoni, Distt Court Balaghat

Presiding Officer: कविता इवनाती

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(MJC GW/0000001/2026)

रेखा तुरकने..................................वादी

Vs

सर्वसाधारण द्वारा मध्यप्रदेश शासन...........प्रतिवादी

Process Id-1/2026

पेशी तारीख =- 11/02/2026

प्रेषिती-

सर्वसाधारण द्वारा मध्यप्रदेश शासन पता- **निरंक**

यह कि प्रार्थी **रेखा तुरकने** ने आपके विरूद्ध **आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 (2) हिन्दू अप्राप्तव्ययता और संरक्षता अधिनियम 1956** के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें7

यह आन तारीख 23 **January** 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। के अति. न्यायाधीश 211-

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दे-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

पेंटिंग्स बनाकर दिया, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयव संगठन एप्को भोपाल के सहयोग से इको क्लब शासकीय हाईस्कूल पीपरझरी द्वारा प्रकृति में संनिहित मूल्यवान तत्वों के संरक्षण व बचाव हेतु जनसमुदाय में जागृति व चेतना फैलाने की दृष्टि से क्लब द्वारा पेंटिग्स (चित्रकला) प्रतियोगिता का 2 दिवसीय आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सीके मण्डलेकर के निर्देशन व इको क्लब प्रभारी अरुण कुमार गोंडाने के सानिध्य में किया गया। परिवेश में व्याप्त प्रकृति के महत्वपूर्ण घटक जैसे = जल, जंगल मृदा, जलीय, स्त्रोत, पहाड़ वन्य प्राणी, वायु व अन्य पर्यावरणीय घटकों के संरक्षण थीम पर आधारित प्रतिभागी छात्रों के द्वारा प्रेरक व आकर्षक चित्रकारी दिवार पर की गई, जो जनमानस को इन मूलभूत घटकों के संरक्षण का संदेश देती है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्राएँ क्रमशः मोसमी राहंगडाले, तनु कटरे, हिमानी बिसेन, पल्लवी सावनकर ,खनक राहंगडाले, रिया व अन्य को इस प्रतियोगिता में सहभागी होने के लिए प्रमाण पत्र वितरित किये गए। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण केएल पटले, यूएस लिल्हारे, एके वानखेड़े, मुकेश हरिनखेरे, आलोक बघेले, श्रीमती येड़े मैडम, बोपचे मैडम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

गणतंत्र दिवस पर ग्राम जागपुर में विभिन्न कार्यक्रमों की हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय से करीब 06 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत जागपुर में 26 जनवरी दिन सोमवार को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहां 77वे गणतंत्र दिवस के इस खास मौके पर गांव में वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुरूप समस्त ग्रामीणों द्वारा गांव में प्रभात फेरी निकाली गई। तो वहीं ग्राम पंचायत सरपंच ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान गीत ,संगीत, भाषण सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तो वही स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।इस दौरान देश के 77 वे गणतंत्र गणतंत्र दिवस की खास मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को विभिन्न पुरस्कार दिए गए, तो वहीं अंत मे मिष्ठान का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान पंचायत बॉडी के सरपंच, उपसरपंच समस्त पंचगण व ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शा.माध्य शाला गोंगलई का मामला,भीम आर्मी एकता मिशन जताई आपत्ति

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण के समय नहीं रखा गया डॉ. अम्बेडकर का छायाचित्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीम आर्मी एकता मिशन बालाघाट पदाधिकारियो द्वारा पिछले दिनों 23 जनवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया था,जिंसमे उन्होंने संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर का छायाचित्र 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा फहराते समय रखना अनिवार्य किए जाने की मांग की गई थी। लेकिन जिले के कई शासकीय अशासकीय संस्थाओं में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण के समय डॉ अंबेडकर का छायाचित्र नहीं रखा गया।जिस पर अपनी आपत्ति जताते हुए भीम आर्मी एकता मिशन बालाघाट द्वारा मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा गया है। जिसमें उन्होंने जिले भर में 26 जनवरी को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के वीडियो फुटेज मंगाकर जिन जगहों पर बाबा साहब अंबेडकर का छायाचित्र नहीं रखा गया है ,उन संस्थानों पर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। सौपे गए इस ज्ञापन के दौरान उन्होंने शासकीय माध्यमिक शाला गोंगलई में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को हुए आयोजन का हवाला देते हुए बताया कि उक्त स्कूल में भी ध्वजारोहण के समय डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का छायाचित्र नही रखा गया, जबकि उनके अलावा अन्य का छायाचित्र रख झंडा फहराया गया है।इस मामले पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने मामले को स्वत= संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। इस कार्यवाही के लिए भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा जिला प्रशासन को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है।जिसमें उन्होंने 10 दिनों के भीतर संबंधित प्राचार्य पर कार्यवाही न होने पर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है। इस दौरान भीम आर्मी एकता मिशन जिला उपाध्यक्ष संतोष गेड़ाम, राजेंद्र बोमरडे, मछेन्द्र बोमरडे, सौरभ सहारे, तारा खिब्रागड़े, प्रकाश बोरकर, दीपेश वहाने, अभिषेक वहाने,सिद्धार्थी बोरकर, अनामिका मेश्राम और आशा ताई पटले सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तो 10 दिन बाद करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव- गेड़ाम

जिला उपाध्यक्ष संतोष गेड़ाम ने बताया कि 3 दिन पूर्व ही ज्ञापन सौपकर इसकी सूचना दी गई थी कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सभी शासकीय व अशासकीय संस्थानों में झंडा फहराने के दौरान वह डॉ बाबासाहेब अंबेडकर का छायाचित्र रखना अनिवार्य किया जाए। इसके बावजूद भी जिले की कई जगहों पर इसे लागू नहीं किया गया। इससे अंबेडकरवादीयो और संविधान को मानने वालों को पीढा पहुंची है,हमारे साथ बड़ा छलावा किया जा रहा है।गोंगलई स्कूल में भी संविधान के रचयिता का छायाचित्र ध्वजारोहण के समय नहीं रखा गया,जबकि अन्य के चित्र रखे गए थे। हमारी मांग है कि प्रशासन ने इसका स्वत= संज्ञान लेना चाहिए। वहीं जिले भर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के वीडियो फुटेज मांगने चाहिए और जिन जगहों पर डॉ बाबासाहेब अंबेडकर का छायाचित्र ना रखा गया हो,उनके जिम्मेदारो पर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि 10 दिनों के भीतर जिला प्रशासन द्वारा गोंगलई शाला के प्राचार्य पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव पर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होंगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 28 जनवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर मृणाल मीणा ने किया ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 जनवरी को जिला मुख्यालय सहित अन्य

ग्रामीण अंचलों में देश का 77 वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जहां जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई। वहीं सामूहिक रूप से राष्ट्र गान जन गण मन का गायन कर गणतंत्र दिवस की शान में जोश और उमंग के साथ नारे लगाए गए।प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला कलेक्टर कार्यालय में आन बान और शान के साथ ध्वजारोहण किया गया।जहां कलेक्टर मृणाल मीणा ने ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी।वही उपस्थितजनों द्वारा सामुहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया गया।जिसके उपरांत पथक दल द्वारा मध्यप्रदेश गीत मेरा मध्यप्रदेश है का गायन किया गया। जिसके उपरांत उपस्थित जनों ने सभी को 77 वे गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी और उनके परिजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने कलेक्टर ने किए बदलाव

सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल एसडीएम कार्यालय किरनापुर में संलग्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए गए हैं। इसी क्रम में सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर के कार्यों में सहयोग प्रदान करने हेतु एसडीएम कार्यालय किरनापुर में संलग्न किया गया है।

कलेक्टर के चौखट पर पहुंची सरकारी शराब दुकान हटाने की गुहार

वार्ड 24 की महिलाओं ने कलेक्टर से की शराब दुकान की जगह बदलने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 24 की महिलाओं ने रहवासी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान के विरोध में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। लगभग दो दर्जन से अधिक महिलाएं एकजुट होकर अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं और शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किए जाने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि शराब दुकान खुलने के बाद वार्ड में असामाजिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। दुकान के आसपास दिनभर शराबियों की भीड़ लगी रहती है, जिससे क्षेत्र का वातावरण बिगड़ रहा है। नशे की हालत में लोगों द्वारा गाली-गलौज और आपसी विवाद की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले कुछ दिनों से शहर के वार्ड क्रमांक 24 में संचालित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर वार्डवासियों में लगातार नाराजगी बनी हुई है। इस संबंध में वार्डवासी पहले भी प्रशासन और पुलिस से आवेदन-निवेदन कर चुके हैं। हाल ही में वार्डवासियों का एक वीडियो वायरल होने के बाद कोतवाली पुलिस ने दो लोगों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें वार्ड में जुलूस निकालकर चेतावनी भी दी थी। इसी क्रम में 27 जनवरी को वार्ड क्रमांक 24 की दो दर्जन से अधिक महिलाएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किए जाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने पहुंचीं महिलाओं में किरणकला बिसेन, श्यामा हरिनखेडे और भूमिका मदनकर ने बताया कि शराब दुकान के संचालन के बाद से वार्ड की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है। शराब के नशे में लोग उनके घरों के सामने गाली-गलौज करते हैं, वहीं कई बार घरों में घुसने का प्रयास भी किया जाता है। इससे वार्ड में हर समय अशांति का माहौल बना रहता है। महिलाओं का कहना है कि नशे में धुत लोग देर रात तक हुड़दंग करते रहते हैं, जिससे महिलाएं और बच्चे भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। छोटे-छोटे बच्चे घर के बाहर नहीं खेल पा रहे हैं और कई बार महिलाएं घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस करती हैं। जब शराबियों को टोका जाता है, तो वे उल्टे गाली-गलौज और धमकी देने लगते हैं। एक महिला ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित शराब दुकान पहले वार्ड क्रमांक 32 में संचालित होती थी, जिसे जबरन वार्ड क्रमांक 24 में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि यह दुकान पहले यहां स्थायी रूप से कभी संचालित नहीं होती थी। महिलाओं ने प्रशासन से मांग की कि शराब दुकान को तत्काल रहवासी क्षेत्र से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जब तक दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं होता, तब तक वार्ड में नियमित पुलिस गश्त कराए जाने की मांग भी की गई, ताकि शांति व्यवस्था बनी रह सके।

आधा सैकड़ा से अधिक दरबारीटोला की महिलाएं पहुंची मुख्यालय, शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग

बिरसा क्षेत्र की लगभग आधा सैकड़ा से अधिक महिलाएं मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपने क्षेत्र में संचालित हो रही पक्की शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग की। महिलाओं ने बताया कि वे अपने क्षेत्र में नशामुक्ति अभियान चला रही हैं और कच्ची-पक्की शराब के सेवन को रोकने का प्रयास कर रही हैं, क्षेत्र में पक्की शराब की दुकान होने के कारण उनके अभियान का असर नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि उन्होंने कलेक्टर से इस दुकान का स्थान बदलने की मांग की। महिलाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने प्रशासन पर उनकी समस्याओं को गंभीरता से देखने का दबाव बढ़ा दिया। बिरसा क्षेत्र के दरबारीटोला की महिलाएं अपने गांव में शराब के बढ़ते प्रभाव के विरोध में सक्रिय हो उठी हैं। 27 जनवरी को लगभग आधा सैकड़ा से अधिक महिलाओं का एक समूह जिला मुख्यालय पहुंचा और उन्होंने शराब दुकान के स्थान को बदलने की मांग करते हुए अधिकारियों के समक्ष अपने विचार रखे। महिला प्रतिमा ने बताया कि पिछले कई महीनों से वे अपने क्षेत्र में अलग-अलग समूह बनाकर नशा मुक्ति और शराब बंदी को लेकर जागरूकता अभियान चला रही हैं। लेकिन दरबारी टोला में स्थित पक्की शराब की दुकान के कारण उनका अभियान गांव में अपेक्षित प्रभाव नहीं डाल पाया है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के चलते गांव में नशा मुक्ति अभियान सफल नहीं हो पा रहा है। हाल के समय में क्षेत्र में बच्चों तक के शराब सेवन की प्रवृत्ति बढ़ती दिखाई दे रही है, वहीं महिलाओं को पुरुष वर्ग से प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। उनका कहना है कि शराब के सेवन के कारण गांव का सामाजिक माहौल धीरे-धीरे बिगड़ता जा रहा है। महिलाओं ने अधिकारियों से आग्रह किया कि संबंधित विभाग उनके क्षेत्र की शराब दुकान का स्थानांतरण सुनिश्चित करे। उनका मानना है कि इससे न केवल गांव का माहौल सुधरेगा, बल्कि शराब से उत्पन्न होने वाले घरेलू विवाद और पारिवारिक समस्याओं पर भी रोक लग सकेगी।

एरियर भुगतान सहित विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थायी कर्मी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने प्रशासन से न्यूनतम वेतन का लाभ प्रदान करने के साथ-साथ समस्त अनुबंधित लाभ एवं एरियर राशि का भुगतान किए जाने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से देय लाभ नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि स्थायी और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को समान कार्य के अनुरूप वेतन और सुविधाएं मिलना आवश्यक है। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की कि उनकी समस्याओं पर शीघ्र विचार करते हुए न्यायोचित निर्णय लिया जाए और लंबित भुगतान जल्द से जल्द किया जाए।

27 जनवरी को जिले के लगभग एक दर्जन से अधिक स्थायी कर्मी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने लंबित एरियर भुगतान सहित अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस अवसर पर कर्मचारी गुलाबचंद

पटले ने बताया कि वे सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं और बीते कई वर्षों से एरियर सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके वेतन में विसंगति थी, जिसे लेकर उन्होंने न्यायालय की शरण ली थी। इस मामले में उच्च न्यायालय ने उनके पक्ष में आदेश भी पारित किया, बावजूद इसके संबंधित विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारी न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। गुलाबचंद पटले ने आरोप लगाया कि विभागीय स्तर से जो आवश्यक जानकारी वरिष्ठ कार्यालयों को भेजी जानी चाहिए, वह जानबूझकर मुख्यालय नहीं भेजी जा रही है। इसी कारण उनका एरियर भुगतान आज तक लंबित है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि जिला स्तर के अधिकारियों को निर्देशित कर उनकी सही एवं पूर्ण जानकारी उच्च कार्यालयों तक भेजी जाए, ताकि एरियर सहित अन्य देय राशि का भुगतान किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में इस तरह के लगभग 60 से 70 कर्मचारी ऐसे हैं, जो अब भी अपने एरियर भुगतान का इंतजार कर रहे हैं।

150 से अधिक दिनों से लंबित सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों की कलेक्टर ने समक्ष में की सुनवाई

तिरोडी तहसील के पटवारी को निलंबित करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की 100 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों का रेंडमली चयन कर उनकी समक्ष में सुनवाई की जा रही है। इस दौरान शिकायतकर्ता एवं संबंधित विभाग के अधिकारी को समक्ष में रखा जाता है। इसी कडी में कलेक्टर द्वारा 27 जनवरी को 150 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई।

परसवाडा तहसील के भुनेश कुमार द्वारा नक्शा बटांकन नही किये जाने की शिकायत की गई थी। समक्ष में संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से प्रकरण की वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई। इस दौरान पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा ऑनलाईन नक्शा बटांकन नही होने की बात कही गई। इस पर अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन एवं अधीक्षक भू-अभिलेख से इस संबंध में चर्चा के दौरान पटवारी एवं आरआई को शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए ऑनलाईन नक्शा बटांकन करने के निर्देश दिये गए और इस शिकायत को बंद कराया गया।

तिरोडी तहसील के गोकुल प्रसाद के

नामांतरण संबंधी प्रकरण का निराकरण नही होने पर सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई है। इस प्रकरण की समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि पटवारी तपेश मेश्राम द्वारा इसमें लापरवाही बरती गई है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने कटंगी एसडीएम को निर्देशित किया कि पटवारी तपेश मेश्राम को निलंबित किया जाए। बैहर तहसील के ग्राम बिरवा की पुष्पा तिवारी द्वारा सीमांकन के संबंध में सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज करायी गई थी। यह शिकायत पिछले 10 माह से निराकरण के लिए लंबित थी। इस पर समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने शिकायतकर्ता से दूरभाष पर चर्चा के उपरांत इस शिकायत को संतुष्टिपूर्वक बंद कराया गया है।

लामता पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

लामता तहसील के ग्राम टाकाबर्रा निवासी मोहन लिल्हारे द्वारा सीमांकन कराये जाने के लिए सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत लगभग 01 वर्ष से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि मोहन लिल्हारे द्वारा क्रय की गई जमीन का सीमांकन एवं नक्शा बटांकन नही हो रहा है। इस दौरान बताया गया कि भूमि के क्रय विक्रय की रजिस्ट्री के दौरान पटवारी का पर्चा लगवाया जाता है, जो कि भूमि की रजिस्ट्री के लिए आवश्यक नही है। शिकायतकर्ता से दूरभाष पर चर्चा के उपरांत इस शिकायत को बंद कराया गया। इस शिकायत की सुनवाई के दौरान पटवारी आयुषी ठाकरे के उपस्थित नही होने पर उसे कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए।

नायब तहसीलदार बिरसा की एक वेतनवृद्धि रोकने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश

बिरसा तहसील के ग्राम खुर्सीपार के रूपलाल वरकडे द्वारा उसकी जमीन पर सोहन पंद्रे द्वारा अतिक्रमण पर अवैध कब्जा किये जाने की सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत लगभग 02 वर्ष से निराकरण के लिए लंबित थी। इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान बिरसा के नायब तहसीलदार रतनसिंह धुर्वे की लापरवाही पायी गई। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने नायब तहसीलदार श्री धुर्वे की एक वेतनवृद्धि रोकने का प्रस्ताव आयुक्त जबलपुर संभाग को भेजने के निर्देश दिये है।

बैहर, परसवाड़ा और लांजी में वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन करने के आदेश

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 27 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन करने के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने राजस्व अनुभाग बैहर, परसवाडा एवं लांजी के एसडीएम को वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन करने की फाईल पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वन पट्टा के आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गए। लोकसेवा गारंण्टी अधिनियम के अंतर्गत समय सीमा में सेवा प्रदान नही करने वाले अधिकारियों पर लगाए गए जुर्माने की राशि जनवरी माह के वेतन से अनिवार्य रूप से काटने के निर्देश दिये गए।

बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को ऋण वितरण का कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि सभी 1700 युवाओं को इस योजना में ऋण दिलाए। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना गैस योजना के अंतर्गत बैहर, बिरसा एवं परसवाडा में 06 हजार महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा

गया है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए 31 जनवरी तक पात्र महिलाओं के आवेदन भरवाने के निर्देश दिये गए। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लगाये जा रहे शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिये गए। इस अभियान के अंतर्गत 20 विभागों की 106 सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिया जाना है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में 12 जनवरी से लगाये गए शिविरों में अब तक 16 हजार 600 आवेदन प्राप्त हो चुके है। कलेक्टर श्री मीना ने ग्राम पंचायतों में इस अभियान के अंतर्गत शिविर लगाकर उनमें हितलाभ का वितरण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री मीना ने स्वरोजगार योजनाओं एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं में ऋण वितरण के लक्ष्य को समय से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये और कहा कि बैंको की ओर से ऋण वितरण में कोई समस्या नही आना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे निर्धारित लक्ष्य से अधिक संख्या में बैंको को प्रकरण प्रेषित करे। उन्होंने अग्रणी बैंक प्रबंधक को बैंको से समन्वय कर ऋण वितरण कराने के निर्देश दिये। बैठक में जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि खैरलांजी तहसील के टुईयापार, सरण्डी एवं सिवनघाट में वैनगंगा नदी से रेत के अवैध खनन पर निगरानी रखे। मध्यप्रदेश की सीमा से रेत का खनन नही होना चाहिए। यदि महाराष्ट्र की सीमा से रेत का खनन हो रहा हो और मध्यप्रदेश की ओर से ट्रक या अन्य वाहन से रेत का परिवहन कर लाया जा रहा हो तो ऐसे वाहनों को जब्त करें।

बैठक में बी-01 वाचन के दौरान मृत व्यक्तियों की फौती दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि फौती दर्ज के प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान इनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि कोई भी शिकायत एल-01 अधिकारी द्वारा नाट अटेंडेंट नही पायी जानी चाहिए। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में सडको के गड्ढों की मरम्मत एवं सुधार के लिए लोकपथ एप्प का आमजन में प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये।

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर भटकते परिजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल बालाघाट में मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था को लेकर गंभीर अव्यवस्थाएँ सामने आ रही हैं। अस्पताल में उपचार के दौरान यदि किसी मरीज की मृत्यु हो जाती है, तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र जिला अस्पताल द्वारा ही जारी किया जाता है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु अस्पताल पहुँचने से पहले हो जाती है और उसका पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में किया जाता है, तो ऐसे मामलों में मृत्यु प्रमाण पत्र जिला अस्पताल से न देकर नगर पालिका बालाघाट द्वारा जारी किया जाता है।

इस प्रक्रिया के कारण मृतकों के परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शोक की स्थिति में परिजनों को नगर पालिका के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानी बढ़ जाती है। कई मामलों में प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कई दिन लग जाते हैं, जिससे अन्य आवश्यक शासकीय व सामाजिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। सबसे बड़ी परेशानी उन लोगों को होती है जो जिले के आखिरी छोर में रहते हैं और उन्हें जिला मुख्यालय बालाघाट आने के लिए 100-150 किलोमीटर का सफर करना पड़ता है। और उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटकना पड़ता है।परिजनों का कहना है कि जब पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में किया जाता है और मृत्यु की पुष्टि वहीं होती है, तो मृत्यु प्रमाण पत्र भी उसी अस्पताल से जारी किया जाना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था न केवल जटिल है, बल्कि संवेदनहीन भी प्रतीत होती है। जिले के ग्रामीण नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि या तो जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम वाले मामलों के लिए भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था की जाए, या फिर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतक के ग्राम की संबंधित ग्राम पंचायत को यह अधिकार दिया जाए कि वह सीधे मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए। दुर्घटना के मामले में घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना को मर्ग जांच के दौरान मृतक के परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करने के अधिकार देना चाहिए।जिससे परिजनों को अनावश्यक रूप से नगर पालिका कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।लोगों का यह भी कहना है कि जिस अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जाता है, उसी अस्पताल से मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना सबसे व्यावहारिक और मानवीय समाधान होगा। इससे न केवल प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि शोकाकुल परिवारों को समय पर आवश्यक दस्तावेज भी मिल सकेंगे।अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देता है और मृतकों के परिजनों को राहत देने के लिए व्यवस्था में कब सुधार करता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

जनपद पंचायत में जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी ने किया ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों सहित छात्र-छात्राओं का उत्साह देखने योग्य रहा। सुबह से ही नये-नये परिधानों में सजकर छात्र-छात्राएं अपनी शालाओं की ओर रवाना हुए, हर चौक पर देशभक्ति गीतों की गूंज ने सभी के मन में छुपे राष्ट्रप्रेम को जागृत किया। लालबर्रा नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय पर्व 77 वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति के साथ मनाया गया। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर सभी शासकीय कार्यालयों में कार्यालय प्रमुख, ग्राम पंचायतों में सरपंच व शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में प्राचार्यों के द्वारा प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया गया। जिसके बाद राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई व राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस कड़ी में जनपद पंचायत कार्यालय में 26 जनवरी को प्रात: 7.30 बजे जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी व अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा सर्वप्रथम भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब के छायाचित्र के समक्ष पूजन अर्चन कर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की पूजन अर्चन कर ध्वजारोहण कर उपस्थितजनों ने तिरंगे झंडे को सलामी दी एवं सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया। जिसके बाद जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। जनपद पंचायत कार्यालय में जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर सहित जनपद सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस स्टैण्ड में जनपद उपाध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

नगर मुख्यालय के हृदयस्थल बस स्टैण्ड स्थित गांधी मंच में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अपनी-अपनी शालाओं में ध्वजारोहण पश्चात सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के छात्र-छात्राओं की रैली ने देशप्रेम से ओतप्रोत नारों के साथ नगर की प्रमुख मार्गो का भ्रमण किया। जिसके पश्चात यह रैली बस स्टैण्ड परिसर पहुंची। जहां प्रात: 8.45 बजे जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल सहिइत अन्य जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठजनों के द्वारा भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब के छायाचित्र के समक्ष पूजन अर्चन कर माल्यार्पण किया। जिसके बाद जनपद पंचायत लालबर्रा उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के द्वारा तिरंगे झंडे की पूजा अर्चना के बाद ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई तत्पश्चात सामूहिक राष्ट्रगान व म.प्र. गान का गायन किया गया। वहीं इस अवसर पर सांदीपनी स्कूल की छात्रा ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुती दी।

सांदीपनी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल में 26 जनवरी को 77 वां गणतंत दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 7.30 बजे प्राचार्य सनत दुबे के द्वारा भारत माता, महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात तिरंगे झंडे की पूजन अर्चन कर ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी देकर सामूहिक राष्ट्रगान गाया है। जिसके बाद स्कूल से बैड-बाजे की धुन पर रैली निकाली गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भारत माता की जय सहित अन्य देशभक्ति नारे लगाते हुए नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण किया। जिसके बाद यह रैली स्कूल पहुंची तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाषण, गीत व नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वैदिक स्कूल की रैली ने दिया देशभक्ति का संदेश

नगर मुख्यालय स्थित वैदिक कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 7.30 बजे स्कूल के प्राचार्य टीके तुरकर के द्वारा ध्वजारोहरण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी गई। ध्वजारोहण के बाद स्कूल से झांकियों के साथ छात्र-छात्राओं की रैली निकाली गई और रैली नगर के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण किया। इस दौरान स्कूल के बच्चों की रैली आकर्षण का केन्द्र रही और सभी ने देशभक्ति का संदेश दिया।

पांढरवानी-लालबर्रा पंचायत में अनीस खान ने किया ध्वजारोहण

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के पंचायत भवन में 26 जनवरी को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल सहित वरिष्ठ गणमान्यजनों सहित पंचायतकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करने के पश्चात सरपंच अनीस खान के द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात उपस्थितजनों ने ध्वज को सलामी देकर देश के वीर-शहीदों व महापुरूषों को नमन कर राष्ट्रगान का गायन किया। जिसके बाद चांदनी चौक में प्रात: 7.45 बजे ग्राम पंचायत पांढरवानी के उपसरपंच राकेश अग्रवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच अनीस खान ने उपस्थितजनों को गणतंत्र दिवस पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल सहित पंचगण, गणमान्य नागरिक व पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

गांधी टेक में ब्लॉक अध्यक्ष मनीराम भोयर ने किया ध्वजारोहण

नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग थाने के सामने स्थित गांधी टेक में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 9 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों के द्वारा तिरंगे झंडे की पूजन अर्चन किया गया। तत्पश्चात नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्ष मनीराम भोयर के द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी देकर सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया गया। जिसके बाद कांग्रेस कमेटी प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी-कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में "अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण" कार्यक्रम का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत गत 27 दिसंबर से जारी 60 घंटे का "अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण" कार्यक्रम कम्प्यूटर टैली का 27 जनवरी को समापन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप एवं उद्यमिता की जानकारी देते हुए अपने स्वयं का स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु प्रेरित किया। टैली प्रशिक्षक हेमन्त मुदलियार ने अपने 30 दिवसीय अनुभवों को साझा किया और विद्यार्थियों से कहा कि अपने लक्ष्य की ओर आगे बढने के लिए मेहनत एवं एकाग्रता की आवश्यकता होती है तभी वे अपनी मंजिल को पा सकते है। सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षक श्रीमती ममता चौहान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 30 दिवसीय प्रशिक्षण बहुत अच्छा रहा, सभी विद्यार्थियों ने लग्न और मेहनत के साथ प्रशिक्षण को सीखा। उन्होने आजीविका मिशन के

उद्देश्य को बताया और वह किस तरह से महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है और आज के वर्तमान युग में सरकारी नौकरी मिल-पाना अत्यंत मुश्किल है। ऐसे समय में स्वरोजगार से महिलाऐं अपना जीवन यापन कर सकती हैं। प्रशिक्षिका नजमो निशा खान सभी प्रशिक्षिको की उज्वल भविष्य की कामना की। वहीं डॉ. संगीता मेश्राम ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे यहां से जो भी सीखे है उसे आगे भी निरंतर बनाये रखे जिससे वे उसे भूल नहीं पायेंगे। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान कौशल विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए जो कौशल सीखा है उसे अपने जीवन के व्यवहार में लाना आवश्यक तथा कार्यो को बेहतर तरिके से संपादित करने के लिए प्रेरित किया है। साथ ही यह भी कहा कि प्रशिक्षण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलाखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ आशीष बागडे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

लालबर्रा बौध्द संघ ने पांढरवानी सरपंच को सौंपा ज्ञापन

बस स्टैण्ड में संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब की आमदकद प्रतिमा लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के पदाधिकारी मंगलवार को पांढरवानी पंचायत पहुंचकर पांढरवानी सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर बस स्टैण्ड में संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की आमदकद प्रतिमा लगाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि लालबर्रा बस स्टैण्ड के समीप संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की जो प्रतिमा स्थल है। जिस स्थान पर पूर्व में प्रतिमा अनावरण करते समय आमदकद प्रतिमा नही बनने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में छोटी प्रतिमा विराजित की गई थी। गत 6 दिसंबर 2025 को बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर सार्वजनिक रूप से इस प्रस्ताव पर चर्चा कर डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था। जिसके फलस्वरूप लालबर्रा बौध्द संघ के द्वारा लालबर्रा के हृदय स्थल बस स्टैंड में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल में अब उनकी आमदकद प्रतिमा लगा रहे है। जिसके लिए जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को पांढरवानी पंचायत पहुंचकर भारतरत्न, संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की आमदकद प्रतिमा लगाने की मांग की है। जिस पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने उन्हे इस कार्य में पूरा सहयोग करने आश्वास्त किया है। इस अवसर पर जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

भीम आर्मी सामाजिक संगठन ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय पर्व पर नाथूराम गोड़से अमर रहे जैसे राष्ट्र विरोधी नारे लगाने वालों पर कार्यवाही की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की गरिमा को ठेस पहुंचाने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। 26 जनवरी के अवसर पर क्षेत्र के कुछ युवाओं द्वारा 'नाथूराम गोडसे अमर रहे' जैसे नारे लगाये जाने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। वहीं इस कृत्य को राष्ट्र विरोधी बताते हुए भीम आर्मी सामाजिक संगठन ने मंगलवार को थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर नाथूराम गोडसे अमर रहे जैसे राष्ट्र विरोधी नारे लगाने वालों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

भीम आर्मी ने की एफआईआर की मांग

जानकारी अनुसार गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जब पूरा देश संविधान और लोकतंत्र का जश्न मना रहा था। उसी दौरान लालबर्रा क्षेत्रांतर्गत के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे के समर्थन में नारेबाजी की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसे लेकर आम जनमानस में नाराजगी देखी जा रही है। वहीं इस नारे-बाजी कर वीडियो संज्ञान में आने के बाद भीम आर्मी सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों ने इस घटना की घोर निंदा की है और मंगलवार को संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय पर्व पर इस तरह की राष्ट्र विरोधी नारेबाजी करने वाले युवाओं को तत्काल चिन्हित कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। इस तरह से गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय महत्व के दिन इस प्रकार की नारेबाजी ने सामाजिक सद्भावना को प्रभावित किया है। वहीं ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के दिन ग्राम बघोली (लालबर्रा) के कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा सार्वजनिक रूप से "नाथूराम गोडसे अमर रहे" जैसे नारे लगाये गये। उक्त कृत्य को 8 से 9 लोगों ने चार पहिया वाहन में तिरंगा झंडा लगाकर किया है। जिससे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंची है एवं आम नागरिकों की भावनाएं आहत हुई है। यह घटना सार्वजनिक शांति भंग करने तथा विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य फैलाने की प्रवृत्ति को दर्शाती है। उक्त नारेबाजी से गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के दिन की गई है। जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित होने की प्रबल संभावना उत्पन्न हो रही है। वीडियों के अनुसार खुलेआम नारे और उकसाने की मंशा से लगाये गये है जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन रहा है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि राष्ट्र विरोधी लगाने लगाने वाले पर सख्त कार्यवाही करें। वहीं भीम आर्मी सामाजिक संगठन के पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि राष्ट्रीय पर्व पर इस तरह की हरकतें देश के गौरव और संविधान का अपमान हैं। वहीं पुलिस ने भीम आर्मी सामाजिक संगठन के शिकायत के बाद मामले की जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

कार्यवाही नही होने पर किया जायेगा आंदोलन - संजीव

दूरभाष पर चर्चा में भीम आर्मी सामाजिक संगठन जिला सचिव, तहसील प्रभारी संजीव राव ने बताया कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस का पर्व पूरा देश हर्षोल्लास के साथ मनाया है। इसी दौरान लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम बघोली के कुछ युवाओं के द्वारा राष्ट्रीय पर्व पर नाथुराम गोडसे अमर रहे जैसे राष्ट्र विरोधी नारे लगाये गये है। जिसका वीडियों भी वायरल हो रहा है, इस घटना की हम निंदा करते है। श्री राव ने बताया कि मंगलवार को थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्र विरोधी नारे लगाने वाले व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है और 10 दिवस के अंदर हमारी मांग पूरी नही होती है तो आंदोलन किया जायेगा।

मामले की जांच कर की जायेगी वैधानिक कार्यवाही - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि भीम आर्मी सामाजिक संगठन ने थाने में लिखित शिकायत की है कि कुछ युवाओं के द्वारा राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को नाथूराम गोडसे अमर रहे जैसे राष्ट्र विरोधी नारे लगाये गये है जिसका वीडियों भी वायरल हो रहा है। ऐसे व्यक्ति पर कार्यवाही करने की मांग की हैं, मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

इन्होने की मांग

राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्र विरोधी नारे लगाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग करने वालों में भीम आर्मी सामाजिक संगठन जिला सचिव, तहसील प्रभारी संजीव राव, दीपेन्द्र हुमनेकर, मोहसिन खान, कलिम खान, अशरफ खान, धर्मेन्द्र चौहान, इंद्रराज मेश्राम, शोयेब अली, गीता गजभिये, सरफराज कुरैशी, सैफ खान सहित अन्य शामिल है।

गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ पर शान से लहराया तिरंगा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर सहित क्षेत्र में गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ धुमधाम के साथ प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनाई गई। इस दौरान जगह जगह लोक सांस्कृतिक लोकरंगों में रंग कर लोगों के द्वारा उल्लास मनाया गया। वहीं चौक चौराहा एवं प्रतिष्ठानों सहित समस्त शासकीय ,अशासकीय कार्यालय में महापुरुषों की पूजा अर्चना कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को फहराकर उत्सव मनाया गया। वहीं विभिन्न स्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जहां पर बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर गणतंत्र के रंगों को महसूस किया।

जगह जगह फहराया तिरंगा मुख्य समारोह में परेड ,झांकी ,नृत्य ,पीटी रही आकर्षण का केंद्र

सिविल क्लब में मुख्य समारोह का हुआ आयोजन

गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम सिविल क्लब ग्राऊण्ड पर अपने तय समय के साथ प्रारंभ हुआ। गणतंत्र की 77 वीं वर्षगांठ पर जनपद पंचायत अध्यक्ष माया उइके ने जहां तिरंगा फहराया। वहीं उन्होने परेड़ की सलामी लेकर आकाश में गुब्बारे छोडड़र शांति का संदेश देकर अध्यक्ष श्रीमती उइके ने मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का राज्य के नाम संदेश का वाचन किया। तत्पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सहित उत्तराधिकारियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। उनके साथ मंच पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले,अधिवक्ता स्वप्रील डोंगरे, नपाउपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हीरालाल ताम्रकार सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार वंदना कुशराम, जेलर अंजू गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने उपस्थिति दर्ज करवाई। जिन्होंने अध्यक्ष श्रीमती उइके साथ लोक संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आनंद क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ लिया गया।

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुति

मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का संदेश वाचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर प्रारंभ हुआ। जिसमें विभिन्न स्कूली छात्र छात्राओं ने भाग लेते हुये पीटी, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम लगभग तीन घंटे चला इस कार्यक्रम का नगर सहित क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आनंद उठाया। जहां कार्यक्रम के अंत में प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान निर्धारित किया गया। जिसमें पीटी में प्रथम स्थान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी, द्वितीय स्थान संदीपनी विद्यालय वारासिवनी, तृतीय स्थान शांति शिशु निकेतन स्कूल वारासिवनी ने प्राप्त किया। इसी प्रकार सामूहिक नृत्य में जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान बचपन प्ले स्कूल वारासिवनी ,द्वितीय स्थान देव डिवाइन किड्स स्कूल वारासिवनी, तृतीय स्थान सेंट विद्यासागर वारासिवनी रही। वहीं सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी ,द्वितीय स्थान सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी ,तृतीय स्थान कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी ने प्राप्त किया। झांकी में प्रथम स्थान नगर पालिका परिषद वारासिवनी, द्वितीय स्थान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी, तृतीय स्थान कृषि एवं किसान कल्याण वारासिवनी ने प्राप्त किया। इसी प्रकार परेड़ कमांडर पायलेट बेस्ट टर्न आउट एनसीसीए ग्रुप कैप्टन सहित बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी को स्मृति चिन्ह प्रमाण पत्र भेंट कर उपस्थित अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया।

नगर पालिका में नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने किया ध्वजारोहण

नगर पालिका परिषद में गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ पर तिरंगा झंडा फहराने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के हस्ते पालिका में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। इसके बाद सभी ने सामूहिक राष्ट्रगान गाकर तिरंगे झंडे को सलामी दी। फिर सभी गांधी बाल उद्यान पहुंचे जहां पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा झंडा नपा अध्यक्ष श्रीमती दांदरे के हस्ते फहराया गया। इस दौरान समस्त पार्षद अधिकारी कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गोलीबारी चौक में दी गई सशस्त्र सलामी

इसके अलावा गोलीबारी चौक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के उत्तराधिकारियों में महेश रूसिया के हस्ते ध्वजारोहण किया। यहां पर प्रतिवर्षानुसार वारासिवनी पुलिस की एक चार की गार्ड ने अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुये सशस्त्र सलामी दी। गौरतलब है कि यहां पर 2001 से यह सिलसिला चल रहा है। इस दौरान सभी ने सामूहिक राष्ट्रगान गाकर तिरंगे झंडे को सलामी देकर मिठाई बाटकर खुशी मनाई।

एसडीओपी कार्यालय में फहरा तिरंगा

गोलीबारी चौक स्थित एसडीओपी कार्यालय में गणतंत्र की वर्षगांठ पर एसडीओपी कार्यालय रीडर घनश्याम डहेरिया ने तिरंगा झंडा फहराया। जहां पर वारासिवनी थाना के बल ने भाग लेकर ध्वज को सशस्त्र सलामी देने के साथ ही राष्ट्रगान हुआ।

भाजपा कार्यालय में शान से लहराया तिरंगा

नगर में स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ हर्ष उल्लास के साथ आयोजित किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी,भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रचलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल की गरिमामय उपस्थिति में मुख्य अतिथि पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष चिरोंजी पारधी के हस्ते ध्वजारोहण कर सामूहिक राष्ट्रगान का वाचन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए गणतंत्र दिवस के संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी सदस्य सहित जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दीनदयाल चौक पर अनिल खंडेलवाल ने फहराया तिरंगा

नगर के दिनदयाल चौक पर परंपरा अनुसार भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता,बी आर आम्बेडकर के छायाचित्र पर उपस्थितजनों के द्वारा माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी अनिल खंडेलवाल के हस्ते ध्वजारोहण कर सामूहिक राष्ट्रगान किया गया। इस दौरान भाजपाइयों के द्वारा सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी गई।

नेहरू चौक में मनाया गया गणतंत्र दिवस

नगर के पंडित जवाहरलाल नेहरू चौक पर मजदूर यूनियन के द्वारा गणतंत्र दिवस की वर्षगांठ मनाई गई। जहां पर श्रवण बाहेश्वर के हस्ते तिरंगा झंडा फहराकर खुशी मनाई गई। इस दौरान उनके द्वारा डॉक्टर बी आर आंबेडकर ,महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर शहीदों को याद किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय झंडा तिरंगा फहराकर कर सामूहिक राष्ट्रगान कर शहीद स्मारक पर नमन कर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कांग्रेस कार्यालय में लहराया तिरंगा

दीनदयाल चौक स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय एवं कांग्रेस कार्यालय में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा ध्वज फहराकर वर्षगांठ मनाई गई। जहां पर महात्मा गांधी, डॉक्टर बी आर आंबेडकर, इंदिरा गांधी सहित अन्य महापुरुषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वालित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात विधायक विवेक पटेल एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों की उपस्थिति में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुनील राणा, जितेंद्र सिंह राजपूत ,तेजराम नगपुरे के द्वारा तिरंगा ध्वज फहरा कर सामूहिक राष्ट्रगान करने के उपरांत खुशियां मनाई गई। जहाँ विधायक विवेक पटेल के द्वारा सभी को शुभकामनायें देकर सविधान निर्माण कांग्रेस के महापुरुषों के त्याग बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी पदाधिकारी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अस्पताल में बीएमओ सत्यम शर्मा ने फहराया तिरंगा

शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में बीएमओ डॉक्टर सत्यम शर्मा के द्वारा अस्पताल स्टाफ की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा फहराकर सामूहिक राष्ट्रगान करने के उपरांत मिठाई बाट कर गणतंत्र पर्व का हर्ष मनाया गया। तत्पश्चात प्रभात फेरी निकालकर नगर के दीनदयाल चौक का भ्रमण कर वापस अस्पताल में प्रभात फेरी संपन्न की गई।

थाना प्रभारी पवन यादव ने फहराया तिरंगा

पुलिस थाना वारासिवनी में गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्ष गांठ पर थाने में तिरंगा झंडा फहराया गया। जहाँ थाना पुलिस बल की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर थाना प्रभारी पवन यादव के हस्ते झंडा फहराया गया। जहाँ गार्ड ने झंडे को सलामी देकर सभी ने सामूहिक राष्ट्रगान का गायन कर मिठाई बाटकर खुशी मनाई।

राष्ट्रीय बैंक के अधिकारी कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर

5 डे वर्किंग की मांग पर बैंको में लटके ताले

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के राष्ट्रीव्यापी हड़ताल के आव्हान पर नगर के समस्त राष्ट्रीयकृत बैंकों में एक दिवसीय हड़ताल के चलते ताले लटके रहे। जहां बैंक के उपभोक्ता परेशान होते रहे जिन्हें बैंक तक आने के बाद बैरंग वापस लौटना पड़ा। यह हड़ताल स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अवार्ड स्टाफ ,म्पलाईज यूनियन भोपाल सर्कल, भोपाल ऑल इण्डिया स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया स्टॉफ फेडरेशन एवं एनसीबीई से सम्बद्ध के तहत की गयी। जिसमें पाँच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू किया जाने की मांग करते हुए बताया की यूनाइटेड फफोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के द्वारा बैंकों में पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आंदोलन के विभिन्न चरणों के पूरा होने के बाद भी सरकार के द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं की जाने के परिणामस्वरूप यह 27 जनवरी को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान किया गया है। जिसके तहत समस्त शासकीय बैंक के अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर है हम यही चाहते हैं कि पूर्व में हुए समझौता के आधार पर बैंकिंग कार्य संपादित किया जाए किंतु इस पर कोई गंभीरता नहीं दिखाने से यह स्थिति निर्मित हो रही है।

एक दिवसीय हड़ताल से उपभोक्ता होते रहे परेशान

विदित होगी 27 जनवरी को चौथा दिन है जब बैंक में ताला लटका हुआ है क्योंकि बैंक की शनिवार रविवार की छुट्टी थी फिर सोमवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी ऐसे में तीन दिन बैंक बंद था। चौथे दिन बैंक कर्मचारियों की हड़ताल चलती रही इस दौरान बैंकिंग कार्य के लिए नगर सहित क्षेत्र के लोग बैंको में पहुंचकर बैरंग लौटते नजर आए। वहीं बैंक कर्मचारियों के द्वारा राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत बैंकिंग कार्य बंद होने की जानकारी बैंकों के सामने चस्पा कर दी गई थी। ऐसे में दिनभर व्यापारी आम इंसान एवं नौकरी पैशा के लोग परेशान होते रहे। जो सुबह से दोपहर तक बैंको के चक्कर लगाते नजर आये।

राष्ट्रीय आव्हान पर हड़ताल किया सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों में ताले लगे हुए है-टेकचंद पटले

जिला सचिव टेकचंद पटले ने बताया की पांच दिवसीय बैंकिंग प्रणाली लागू करने के लिए यह एक दिवसीय हड़ताल की गई है। हम संगठन के राष्ट्रीय आव्हान पर हड़ताल किये है सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों में ताले लगे हुए हैं। 5 दिन की बैंकिंग सेवा वाली जो हमारी मांग है उसे तुरंत लागू करना चाहिए ताकि बैंक के अधिकारी कर्मचारी और व्यापारी सभी को लाभ मिल सके। यही मांग को लेकर सभी सरकारी राष्ट्रीयकृत बैंक बंद है।

सभी विभाग में 5 दिन का सप्ताह है तो बैंक में क्यों नहीं - गोंविद टेंभरे

स्थानीय सचिव गोंविद टेंभरे ने बताया कि जब हमारे संगठन और सरकार के बीच जो समझौता हुआ था। उसमें दो वर्ष पहले सरकार ने इस मांग को मान लिया था जिसे एलआईसी और भारतीय रिजर्व बैंक सहित अन्य जगहों पर 5 दिन का काम शनिवार ,रविवार छुट्टी रखना सरकार ने मान लिया हैं। किंतु हमारी बैंक ने इसे लागू नहीं किया है सभी बैंक जो राष्ट्रीय है उनके अधिकारी कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। इस मांग को लेकर कई बार वार्ता भी हुई परंतु वह फेल रही जब सभी विभाग में 5 दिन का सप्ताह है तो बैंक में क्यों नहीं दिया जा रहा है। यह सभी शासकीय बैंक को में 8 यूनियन के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल रखी गई है।

सांदीपनि स्कुल के प्रतिभागियों ने एसडीएम के समक्ष नाराजगी जाहिर की

जजमेंट से प्रतिभागी आक्रोशित जज पैनल को बदलने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम सिविल क्लब में 26 जनवरी को आयोजित मुख्य समारोह प्रतिवर्ष की तरह ऐतिहासिक रहा। समारोह का प्रारंभ ध्वजारोहण से कर समस्त प्रस्तुति उपरांत समाप्त किया गया। इस दौरान सांदीपनी स्कूल की प्रतिभागी छात्राओं के द्वारा जज पैनल पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए एसडीएम के सामने नाराजगी व्यक्त की गई। वहीं जज पैनल को बदलकर नृत्य के जानकार व्यक्तियों को जज बनने मांग की गई।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ध्वजारोहण के साथ मुख्य समारोह प्रारंभ हुआ जिसमें परेड की सलामी मुख्य अतिथि के द्वारा ली गई। तत्पश्चात झांकी सामूहिक पीटी सामूहिक नृत्य कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिसमें बनाए गए जज पैनल के निर्णय अनुसार प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय ग्रुप की घोषणा की गई। जिसमें उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देने के उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया। जिसके बाद सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के डांस प्रतिभागियों के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल से मुलाकात कर चर्चा की गई। जिसमें उन्होंने बताया कि पिछली बार धर्म पर आधारित प्रस्तुति देने के विषय को आधार बनाकर जज के द्वारा कम नंबर दिए गए थे। इस बार हम लोकगीत पर अपनी प्रस्तुति लेकर आए जिसमें हमें दूसरा स्थान दिया गया जिससे हमें परेशानी नहीं है। किंतु प्रथम स्थान रिलिजन प्रस्तुति पर दिया गया है जिसके लिए हमें पिछली बार कम अंक मिले थे। परंतु इस बार भरपूर अंक दिए गए हैं यही विषय को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें एसडीएम के द्वारा यह जानकारी संज्ञान में ना होना बताते हुए प्रतिभागियों को दिए गए अंक प्रस्तुति के आधार पर बताए गए। वहीं प्रतिभागियों को एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ,जेलर अंजू गोस्वामी के द्वारा समझाइस दी गई कि ऐसा कुछ नहीं है हालांकि इस पूरे समय प्रतिभागियों का आक्रोश देखने को मिला।

डांस एवं संगीत में डिग्री वालों को जज बनाया जायें- सौम्या शुक्ला

छात्र सौम्या शुक्ला ने बताया कि मैं सांदीपनि स्कूल की छात्रा हूँ हमने डांस में भाग लिया था पिछली बार हमारे डांस ग्रुप को उस समय कहा गया था कि रिलिजन बेस पर डांस नहीं होना चाहिए। इसलिए हमने इस बार रिलिजन बेस डांस की जगह फोक डांस तैयार किया। इसमें पहला स्थान नवोदय विद्यालय का लगा है जबकि उनके द्वारा रिलिजन डांस प्रस्तुत किया गया यह गलत हैं। पिछली बार इसी कारण से हमारा नंबर नहीं लगा था अभी हमारा सेकंड लगा है ,जबकि हमें पहला मिलना था। जजमेंट ऐसा है कि पिछली बार हमें कम अंक केवल रिलिजन डांस करने पर मिले थे इस बार क्यों नहीं रिलिजन डांस करने पर वह अंक दिए गए। कैसा डांस प्रस्तुत करना है इसके लिए कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं होता है। यह जो जज बनते हैं उन्हें बदलना चाहिए डांस एवं संगीत में डिग्री वालों को जज बनाया जायें।

झामेश्वर डहारे स्वयं सेवक ने अथक परिश्रम से महाविद्यालय का नाम रोशन किया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लाल परेड ग्राउंड भोपाल में रासेयो प्रकोष्ठ रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर अंतर्गत शास शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के वरिष्ठ स्वयंसेवक झामेश्वर डहारे ने पूर्व में ग्वालियर में आयोजित आरडी परेड में सहभागिता की। तत्पश्चात इनका चयन मध्य प्रदेश लाल परेड ग्राउंड भोपाल के लिए हुआ। इन्होंने मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2026 का आयोजन लाल परेड मैदान भोपाल में सहभागिता सुनिश्चित कर कदम ताल के साथ तिरंगे को सलामी देते हुए मध्य प्रदेश एनएसएस प्लाटून ने भोपाल में तृतीय स्थान प्राप्त किए। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना मध्यप्रदेश के 49 स्वयं सेवको में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से 9 स्वयं सेवक शामिल थे। जिसमें झामेश्वर डहारे स्वयं सेवक ने अपने अथक परिश्रम और मेहनत से महाविद्यालय के साथ साथ अपने गांव भानपुर आरंभा और समाज का नाम रोशन करते हुए महाविद्यालय के स्वयं सेवको छात्र छात्राओं और युवा पीढ़ी को एक नया संकेत दिया है कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में प्रत्येक युवाओं को अथक परिश्रम के साथ अग्रसर होकर सांस्कृतिक विरासत और भावनाओं को बनाए रखते हुए राष्ट्र हित में कार्य करने चाहिए। इनके अथक परिश्रम और उत्साह पूर्वक कार्य के लिए डॉ शोभाराम मेहरा कार्यक्रम समन्वयक रासेयो रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, डॉ.देवांशु गौतम रासेयो मुक्त इकाई रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सरिता कोल्हेकर और कार्यक्रम अधिकारी कृष्णा पराते रासेयो इकाई के समस्त स्वयं सेवक तथा महाविद्यालय परिवार के द्वारा इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए सुभकामनाएं प्रेषित की। और प्राचार्य के द्वारा आशा व्यक्त की गई की आने वाले वर्षो में महाविद्यालय वारासिवनी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई से दिल्ली परेड के लिए अन्य स्वयं सेवकों को चयन हेतु प्रयासरत होना चाहिए।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

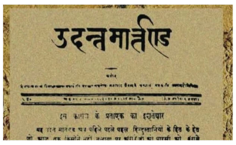

केरल में बोतलबंद पानी पर हुआ ताजा अध्ययन हो या चीन, अमेरिका और जर्मनी के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट, सब यही बताते हैं कि माइक्रोप्लास्टिक मनुष्य के जीवन और पर्यावरण, दोनों के लिए बड़ा खतरा बन गई है। वक्त रहते अगर गंभीरता नहीं बरती गई, तो भावी पीढ़ियों की दुर्दशा के जिम्मेदार हम स्वयं होंगे।

पानी में प्लास्टिक : लापरवाह व्यवस्था चिंताजनक

केरल में हाल ही में बोतलबंद पानी पर हुए एक अध्ययन, जिसे जर्मन-ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंगर नेचर के डिस्कवर एन्वॉयरन्मेंट में प्रकाशित किया गया है, के नतीजे चौंकाने वाले तो हैं ही, एक गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट की तरफ इशारा भी करते हैं। शोधकर्ताओं ने दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी में प्रति लीटर पाए गए माइक्रोप्लास्टिक कणों की औसत संख्या के आधार पर अनुमान लगाया है कि बोतलबंद पानी के जरिये हर साल एक उपभोक्ता के शरीर में 153.3 प्लास्टिक कण प्रवेश करते हैं। इसी तरह, कुछ समय पहले साइंस एडवांस में प्रकाशित एक अध्ययन ने भी बताया था कि प्लास्टिक के नैनो कण इन्सान के दिमाग में प्रवेश कर रहे हैं। अध्ययन यह भी बताते हैं कि एक व्यक्ति प्रतिदिन औसतन 240 माइक्रोप्लास्टिक कणों को सांस के जरिये ग्रहण करते हैं। इतना ही नहीं, चीन, अमेरिका और जर्मनी के शोधकर्ताओं का एक अन्य अध्ययन यह बताता है कि माइक्रोप्लास्टिक कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को भी बाधित कर रहे हैं, जिससे गेहूं, धान और मक्का जैसी प्रमुख फसलों की पैदावार में सालाना 14 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। प्रकाश संश्लेषण दरअसल, पौधों के भोजन बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें वे श्वसन के विपरीत, कार्बन डाई ऑक्साइड ग्रहण करते हैं, और वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं। लिहाजा यह प्रक्रिया हमारे ग्रह पर कार्बन डाई ऑक्साइड के स्तर को नियंत्रित रखने के लिए भी जरूरी है। जाहिर है कि पौधे, मिट्टी, भोजन और हवा तक माइक्रोप्लास्टिक के कण पहुंच चुके हैं, लेकिन अब पीने के पानी में भी इनके मिलने की स्थिति सख्त गुणवत्ता नियंत्रण और प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग पर ध्यान देने की जरूरत को रेखांकित करती है। गौरतलब है कि 1950 में दुनिया भर में महज 15 लाख टन प्लास्टिक का उत्पादन होता था, जबकि 2022 तक यह आंकड़ा 400 करोड़ टन पर पहुंच गया है, जिससे स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। 2022 में ही, संयुक्त राष्ट्र

पर्यावरण सभा (यूएनईए) में प्लास्टिक संधि पर प्रस्ताव लाए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है, इससे पता चलता है कि दुनिया भर के देश इस मुद्दे पर कितने लापरवाह हैं। चूंकि, कुल प्लास्टिक कचरे में 60 फीसदी हिस्सा सिंगल यूज प्लास्टिक का होता है, भारत ने 2022 में ही इस प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बावजूद जिस तरह से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बदस्तूर जारी है, वह वाकई चिंतित करने वाला है। ऐसी स्थितियां और केरल का अध्ययन यही आह्वान करता है कि सरकार, उद्योग और आम जनता-सभी मिलकर कदम बढ़ाएं, अन्यथा हमारी लापरवाही का खामियाजा भावी पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है।

मार्क तुली होने का मतलब:22 साल तक भारत में बीबीसी के संवाददाता रहे

मार्क तुली : जब एक आवाज़ ने माइक्रोफोन छोड़ा लेकिन भारत नहीं छोड़ा

- डॉ विपिन बिहारी शांडिल्य
(रिसर्च फेलो, एडजंक्ट प्रोफेसर, लैंग्वेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो, आईएल,यूएसए)

बचपन में मार्क टली को भारतीयों से घुलने-मिलने नहीं दिया जाता लेकिन बड़े होने के बाद अपने पिता के काम से ठीक उलट उन्होंने ऐसा पेशा चुना कि हमेशा के लिए इसी भारत के होकर रह गए और आज 90 साल की उम्र में आख़िरी सांस भी उन्हीं भारतीयों के बीच, भारत में ली जिनके लिए, जिनके पक्ष में पत्रकारिता की.

मार्क टली ने अपनी पत्रकारिता के ज़रिए इस पेशे को इतनी मजबूत और जनपक्षधर भाषा दी कि उसके आगे बहुत सारे सवाल और विभाजन बौने पड़ जाया करते. आज के कारोबारी मीडिया से गुज़रते हुए आपके मन ये सवाल स्वाभाविक ढंग से उठ सकता है कि सत्ता की भाषा में सहायक क्रियाएं लगाने के अलावा मीडिया की अपनी भी कोई भाषा होती है, हो सकती है ? टली की रिपोर्ट और उनकी लिखी किताबों से गुज़रते हुए आप इसका जवाब एक छोटे से शब्द में पा सकते हैं- हां.

टली का काम हमें इस बात का एहसास कराता है हम जिस देश और समाज से लगाव रखते हैं, उनके प्रति आलोचनात्मक होना, निगेटिव होना नहीं बल्कि ईमानदार होना होता है. बेहतर की संभावना में लिखी-गयी बातें असहमति के बावजूद उस समाज का विस्तार करती है, समाज में रहनेवाले लोगों के सोचने-समझने के दायरे का विस्तार करती है. टली के कहन में कभी भी अतिरिक्त ढंग की अलंकारिता नहीं रही. इसकी क्रेडिट आप पूरी तरह बीबीसी की स्टाईल शीट को दें, ज़ल्दबाज़ी हो जाएगी. बेहतर होगा कि टली के लिखे-कहे को पहले इत्मिनान से देखें, समझें.

बचपन से सुनी गयी एक आवाज़, कॉलेज के दिनों में सभा-सेमिनारों में देखा गया एक चेहरा, एक उपस्थिति जो हॉलमार्क सा काम करती कि ये हैं तो कार्यक्रम शानदार ही होगा..भाषाई सादग़ी और साफ़गोई के बीच उस कहन में ऐसा क्या रहा कि बिना शोर-शराबे के लाखों श्रोताओं य-पाठको के बीच भरोसा क़ायम कर सके.

आज जब उनके इस दुनिया से विदा लेने की ख़बर के बीच हम हैं तो यह बात दोहराने की ज़रूरत पड़ रही है कि पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है, इसके दायरे में लिखना-बोलना ऐसा काम है जो हमें अपने परिवेश, समाज और उनके भीतर रह रहे लोगों के प्रति दिलचस्पी, चिंता और लगाव पैदा करता है. यदि वो ऐसा नहीं करता या इस काम में लगे लोग ऐसा नहीं कर पाते तो पलटकर एक बार फिर से सोचना चाहिए कि आख़िर ऐसा क्या था कि दुनियाभर के अवसर और संभावनाओं के बीच भारत में रहकर पत्रकारिता करनेवाले मार्क टली, भारत के होकर ही रह गए.

यह ख़बरों के महानायक की कहानी है, जो आज खबरों के अनश्वर संसार से सदा के लिए जीवित रहते हुए चला गया।

भोपाल के दिनों में वे जेएलएफ में जाते भोपाल कई बार आए तो बिना किसी मित्रता और बिना किसी पहचान के इतनी आत्मीयता से कोई घंटा भर बतियाते रहे। मार्क तुली से उस मुलाकात ने साबित किया कि पत्रकार के भीतर का इनसान बड़ा होता है, सितारा छवि नहीं।

मार्क तुली की मृत्यु कोई ब्रेकिंग न्यूज़ नहीं है; वह एक विराम है—एक ऐसा विराम, जिसे उन्होंने अपनी ज़िंदगी में स्वयं बहुत पहले लगा दिया था। और जैसा कि उन्होंने 卐नो फुलस्टॉप्स इन इंडिया卐 में लिखा था, भारत में पूर्ण विराम होते ही नहीं। उनकी मृत्यु भी एक अपूर्ण वाक्य की तरह है, जो अब स्मृतियों में अपनी अनुगूंज बनाए रहेगा।

मैं बीबीसी का दीवाना रहा हूँ और सन् 1985 से, जब मैं पांचवीं कक्षा में पढ़ता था।

1994। लंदन में बीबीसी के दफ़्तरों में चमकती हुई चुप्पियाँ थीं। जॉन बर्ट का युग, जहाँ प्रबंधन की भाषा में भय एक तकनीक था और गोपनीयता एक नीति। तुली के लिए यह असहनीय था। वे उस पत्रकारिता से आए थे, जिसमें सवाल आदेश से ज़्यादा पवित्र होता है। उन्होंने कहा था, बीबीसी एक 卐गुप्त मोनोलिथ卐 बनती जा रही है, जहाँ रेटिंग्स की पूजा है और आत्मा निर्वासित। पत्रकारिता में आत्मा के निर्वासन का यह सिलसिला पत्रकारिता के महानतम शिखर से शुरू हुआ था और आज हम पूरी दुनिया में बिना आत्मा वाली देहें देख रहे हैं, जो प्रेत बन चुकी हैं।

उस इस्तीफ़े में कोई नाटकीयता नहीं थी, बस एक गहरी नैतिक थकान थी। यह वह क्षण था जब लेखक ने अपनी कलम नहीं, मेज़ छोड़ दी। माइक्रोफ़ोन से हटते हुए भी तुली आवाज़ बने रहे।

भारत उनके लिए कोई पोस्टिंग नहीं था; वह एक स्मृति थी, जो बचपन से चली आ रही थी। कलकत्ता का टॉलीगंज, दार्जिलिंग का बोर्डिंग स्कूल, फिर इंग्लैंड, जहाँ भारत से दूर रखकर भारत सिखाया गया। यह इतिहास की विडंबना थी कि जिस देश से उन्हें सामाजिक दूरी पर रखा गया, उसी देश ने उन्हें सबसे निकट से अपनाया।

वे कहते थे, इस देश के लिए यह बहुत शर्म की बात है कि जब मैं हिंदी में बात करता हूँ तो लोग अंगरेज़ी में जवाब देते हैं। यह शिकायत नहीं थी, यह पीड़ा थी, एक ऐसे व्यक्ति की, जिसने भारत को भाषा से नहीं, संवेदना से सीखा था। और मैंने जब-जब उनसे बातचीत की थी, उसमें उनकी भाषा सुकून देती थी।

तुली भारत को घटना की तरह नहीं, प्रक्रिया की तरह देखते थे। भोपाल गैस त्रासदी, ऑपरेशन ब्लू स्टार, इंदिरा गांधी की हत्या, सिख-विरोधी दंगे, बाबरी मस्जिद का विध्वंस, ये उनके लिए समाचार नहीं, सभ्यता की दरारें थीं। 1992 में अयोध्या में जब भीड़ 'डेथ टू मार्क तुली' के नारे लगा रही थी, तब वे एक कमरे में बंद थे, न केवल शारीरिक रूप से, उस भारत के भीतर भी, जो स्वयं को बंद कर रहा था।

उन्होंने बाद में कहा था—बाबरी मस्जिद का गिरना स्वतंत्र भारत के धर्मनिरपेक्ष स्वप्न की सबसे बड़ी पराजय थी। यह विश्लेषण नहीं था, यह एक शोक-वाक्य था। हम देख रहे हैं कि आज की पत्रकारिता में धर्म निरपेक्षता की वही पराजय एक नए विजयनाथ के रूप में प्रस्तुत की जाती है। आत्महीना पत्रकारिता इसके अलावा और करे भी क्या?

1994 के बाद उन्होंने बीबीसी छोड़ा, लेकिन भारत नहीं। वे दिल्ली में रहे, रेलगाड़ियों में भटके, गाँवों में रुके, रेडियो पर बोले, किताबों में साँस ली। 卐इन इंडिया इन स्लो मोशन卐 जैसे शीर्षक दरअसल उनके जीवन-दर्शन थे—भारत को जल्दी में समझा ही नहीं जा सकता.

उन्हें राजीव गांधी बेहद पसंद थे। उनका मानना था = अगर राजीव गांधी की हत्या न होती तो भारत कहीं आगे होता। 卐उन्हें पता था कि क्या करना है,卐 तुली कहते थे—और उस वाक्य में अफ़सोस भी था, उम्मीद भी।

वे क्रिकेट में भारतीय टीम के समर्थक थे, बिना किसी औपचारिकता के। महेंद्र सिंह धोनी को उन्होंने पहली नज़र में पहचान लिया था। 'मैंने तभी कह दिया था, यह लड़का बहुत आगे जाएगा।' यह कथन किसी क्रिकेट विश्लेषक का नहीं, किसी कथाकार का था, जो चरित्र पढ़ लेता है।

मार्क तुली को 'भारत को समझने वाला विदेशी' कहा गया। यह वाक्य उनके साथ अन्याय करता है। वे भारत को समझते नहीं थे—वे भारत में रहते थे। समझना दूरी माँगता है; रहना जोखिम।उसे जीते थे. वे भारतीय थे.

1994 में उन्होंने बीबीसी को वैसे का वैसे बिना शोरशराबे छोड़ दिया और आज 2026 में उन्होंने अपने शरीर को जस की तस धर दीनी चदरिया।

बीच के वर्षों में उन्होंने हमें यह सिखाया कि पत्रकारिता संस्था से नहीं, विवेक से चलती है। मार्क तुली चले गए। लेकिन भारत में—आज भी—कोई पूर्ण विराम नहीं लगा। मार्क टुल्ली दैहिक रूप से ज़रूर चले गए हैं; लेकिन उनकी आत्मा हमारी पत्रकारिता को सदैव समृद्ध करती रहेगी।

जेम्स ऐलन

आपकी दुनिया आपके अपने विचारों, इच्छाओं और आकांक्षाओं से बनी है। आप अपने विचारों द्वारा या तो अपना जीवन और अपनी दुनिया बना लेते हैं या फिर बिगाड़ लेते हैं।

अच्छाई-बुराई परिस्थितियों में नहीं, मन में होती हैं

आप जैसे हैं, वैसी ही आपकी दुनिया होगी। विश्व की हरेक वस्तु आपकी अपनी आंतरिक भावनाओं के अनुरूप ढल जाती है। बाहर क्या है, इसका तनिक भी महत्व नहीं है, क्योंकि यह सब आपकी मनोदशा का प्रतिबिंब है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप भीतर से क्या हैं, क्योंकि उसी के अनुरूप आपको बाहर की सभी वस्तुओं का प्रतिबिंब नजर आएगा। आप जो कुछ वस्तुतः जानते हैं, वह आपकी अपनी अनुभूति में समाया हुआ है, और जो कुछ भी आप कभी जान पाएंगे, वह अनुभूति के द्वार से ही गुजरकर आपका अंग बनेगा। आपकी दुनिया आपके अपने विचारों, इच्छाओं और आकांक्षाओं से बनी है।

सुंदरता, खुशी और परमानंद, या कुरूपता, दुख और पीड़ा से पूर्ण इस विश्व में जो कुछ भी है, वह आपके अंदर विद्यमान है। आप अपने विचारों द्वारा या तो अपना जीवन और अपनी दुनिया बना लेते हैं, या फिर बिगाड़ लेते हैं। आप विचारशक्ति से अपने भीतर का निर्माण जिस तरह करते हैं, उसी तरह आपकी बाहरी जिंदगी और परिस्थितियां अपना रूप-आकार गढ़ लेती हैं। मैं दो व्यक्तियों को जानता था, जो प्रारंभिक जीवन में ही वर्षों की कड़ी मेहनत की कमाई गंवा बैठे थे। उनमें से एक व्यक्ति बहुत दुखी हुआ और उसने तीव्र मानसिक पीड़ा, चिंता व निराशा के आगे घुटने टेक दिए। दूसरे व्यक्ति ने सवेरे अखबार में यह पढ़ा कि जिस बैंक में उसका रुपया जमा था, वह अपना सारा रुपया गंवा चुका है। तो उसने शांत और दृढ़ स्वर में कहा, %अच्छा, धन तो चला गया। अब दुखी होने से और चिंता करने से वह लौटेगा तो नहीं, पर परिश्रम करने से वह लौट आएगा।% उसने नए उत्साह से काम शुरू किया और जल्द ही समृद्ध हो गया। और पहला व्यक्ति? वह अपने धन की हानि का शोक मनाता रहा और अपने भाग्य को कोसता रहा। इस प्रकार वह अपनी विपरीत परिस्थितियों और दासता भरे विचारों का खिलौना बना रहा। धन की हानि एक के लिए शाप बन गई, क्योंकि उसने इस घटना को निराशा और उदासी के वस्त्र ओढ़ा दिए। यही घटना, दूसरे के लिए वरदान बन गई, क्योंकि उसने इस घटना को बल, आशा और नए उत्साह के विचारों से समन्वित कर दिया। यदि परिस्थितियों में आशीर्वाद या वरदान देने की शक्ति होती, तो वे सभी व्यक्तियों को समान रूप से वरदान या शाप देतीं। लेकिन एक ही परिस्थिति भिन्न-भिन्न व्यक्तियों के लिए भली या बुरी साबित होती है। इस तथ्य से यह सिद्ध होता है कि अच्छाई या बुराई परिस्थितियों में नहीं है, बल्कि उस व्यक्ति के मन में है, जिसे वह परिस्थिति प्राप्त होती है। जब आप इस बात को समझना शुरू कर देंगे, तो आप अपने विचारों को वश में करना, अपने मन को अनुशासित करना और बेकार की वस्तुओं को हटाते हुए अपने भीतर का मंदिर फिर से सजाना शुरू कर देंगे। साथ ही अपनी अंतरात्मा में केवल प्रसन्नता, शांति, बल और अमरता के विचार संचित करना शुरू कर देंगे।

सूत्र - स्वयं से सवाल करें

दूसरों से उम्मीद करने से पहले, स्वयं से सवाल करें, क्या आप दया के इच्छुक हैं? तो स्वयं दयालु बनिए। क्या आप सच्चाई की मांग करते हैं? तो सच्चे बनिए। इस बात को याद रखें, जो आप स्वयं देते हैं, वही आपको वापस मिलता है। आपकी दुनिया ही आपका प्रतिबिंब है।

तकनीक

घिबली की दीवानगी और भारत

समृद्ध विरासत के साथ भारत भी वैश्विक सॉफ्ट पावर के रूप में अपनी पहचान बना सकता है, ठीक वैसे ही, जैसे जापान ने घिबली के माध्यम से किया है।

अचानक घिबली का सोशल मीडिया पर उफान दिख रहा है, यह ट्रेंड कर रहा है। एनीमे (एनिमेशन) ने जापान को एक 'सांस्कृतिक महाशक्ति' के रूप में स्थापित किया, जिसकी दीवानगी पूरे विश्व में दिख रही है। स्टूडियो घिबली न केवल जापान की एनीमे इंडस्ट्री का एक प्रमुख स्तंभ है, बल्कि यह जापान की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने का एक प्रमुख माध्यम भी है। इसकी शुरुआत 1985 में हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने की थी। स्टूडियो ने अपनी गहरी भावनात्मक कहानियों, पर्यावरणीय संदेशों, सांस्कृतिक मूल्यों और असाधारण एनिमेशन के माध्यम से पूरी दुनिया में जापानी संस्कृति और विचारधारा का प्रसार किया।

विचारणीय है कि 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले भारत से ऐसे नए विचार, नवाचार और व्यवहार बाहर क्यों नहीं आते हैं? हमारा रचनात्मक जगत पश्चिमी विश्व के अंधे अनुकरण में किस कदर डूबा है, इसकी बानगी अभी हाल ही में एक विवादित कॉमेडी शो के दौरान एक अत्यंत अशोभनीय टिप्पणी के साथ उजागर हई, जहां यह संवाद भी पश्चिमी टीवी शो की नकल कर के बोला गया था। स्टूडियो घिबली की फिल्में, जैसे-माई नेबर तोतोरो (1988), स्पिरिटेड अवे (2001), प्रिंसेज मोनोके (1997) और ऑल्स मूविंग कासल (2004), जापानी संस्कृति, मिथकों और परंपराओं को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती हैं। स्पिरिटेड अवे ने 2003 में ऑस्कर जीता, जो किसी जापानी एनीमे के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इसने जापान को वैश्विक मंच पर सांस्कृतिक नेतृत्त्व की स्थिति में खड़ा किया। इन फिल्मों में दिखाए गए पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और पारिवारिक मूल्यों ने दुनिया भर में दर्शकों के दिलों को छुआ और जापानी दृष्टिकोण को व्यापक स्वीकृति दिलाई। जापान ने एनीमे के जरिये सॉफ्ट पावर को रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। सॉफ्ट पावर का तात्पर्य है कि किसी देश की सांस्कृतिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकतें, जो दूसरों को आकर्षित व प्रभावित कर सकें। 2023 में वैश्विक एनीमे बाजार का मूल्य लगभग 26.89 अरब डॉलर था, और यह 2030 तक 52.97 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। नेटफ्लिक्स जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर 100 से अधिक जापानी एनीमे सीरीज उपलब्ध हैं। स्टुडियो घिबली की सभी फिल्में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध कराए जाने के बाद, उनकी वैश्विक लोकप्रियता में 200 फीसदी से अधिक वृद्धि हुई। तोतोरा फॉरेस्ट और स्पिरिटेड अवे से प्रेरित लोकेशंस जापान में पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। एनीमे के माध्यम से लाखों लोगों ने जापानी भाषा और संस्कृति को सीखने में रुचि दिखाई है। जापानी सरकार ने एनीमे को कूल जापान इनिशिएटिव का हिस्सा बनाया है, जिसमें 2025 तक दस खरब येन का निवेश किया गया है। 1980 के दशक के अंत में रामायण से प्रभावित होकर जापानी निर्देशक युगो साको ने प्रसिद्ध भारतीय एनिमेटर राम मोहन के साथ इस महाकाव्य को एनीमे शैली में निर्देशित करने का निर्णय लिया। इस इंडो-जापानी संयुक्त निर्माण का नाम रामायणः द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम था। लगभग 1.3 करोड़ डॉलर के बजट से निर्मित यह फिल्म पांच वर्षों में पूरी हुई और 1992 में रिलीज हुई। इस फिल्म में भगवान राम की कहानी को अद्भुत दृश्यों, विस्तृत पात्र-डिजाइन, और संगीतकार वनराज भाटिया द्वारा तैयार किए गए एक प्रभावशाली बैकग्राउंड संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया। इसे हिंदी, अंग्रेजी और जापानी सहित 20 से अधिक भाषाओं में डब किया गया और यह केवल भारत और जापान में ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में भी दर्शकों तक पहुंची। इस फिल्म की स्थायी विरासत यह दर्शाती है कि कैसे पारंपरिक भारतीय महाकाव्य आधुनिक कहानी कहने के माध्यमों के साथ, सांस्कृतिक और भाषाई बाधाओं को पार कर सकते हैं।

-शिवेश प्रताप

चिंतनीय

इंसानी दखल के चलते जंगल की हद लांघते वन्य प्राणी

एक और समाचार मध्यप्रदेश के उमरिया से जिसमें एक जर्मन शेफर्ड कुत्ता अपने मालिक को बाघ के हमले से बचाने के लिए बाघ से भीड़ गया जिसमें मालिक तो बच गया लेकिन कुत्ते की मौत हो गई। गौरतलब है कि मनुष्य और वन्यजीवों का सहजीवन सदियों से रहा है लेकिन हाल के बरसों में वन्य पशुओं के मानव बसाहट की ओर घुसपैठ और मानव पशु संघर्ष की खबरें अब आम हो चुकी हैं। बिलाशक इस संघर्ष के लिए सरकार और समाज दोनों ही जवाबदेह हैं क्योंकि वन्य पशु तो अपने हद में रहना चाहते हैं लेकिन सरकार और इंसान उनके प्राकृतिक रहवास को उजाड़ने के लिए आमादा है।

मानव और पशुओं के बीच जारी जद्दोजहद का ही परिणाम है कि इस संघर्ष में दोनों की मौत हो रही है। हाथियों या अन्य हिंसक पशुओं के हमलों के चलते लोगों की जान तो जा ही रही है बल्कि उनके मवेशियों, फसलों और घरों को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है। छत्तीसगढ़ में ही बीते 11 वर्षों में हाथी से 595 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों पर गौर करें तो औसतन हर साल 57 लोगों की मौत हुई और इनमें से अधिकांश मौतें हाथियों के हमलों से हुई है। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में पशु-मानव संघर्ष में हाथी सहित अन्य वन्य पशुओं की भी मौतें हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में बीते छह सालों में लगभग 80 हाथियों की मौत बीमारी, बिजली करंट, अवैध शिकार या अन्य वजहों से हुई है। ओडिशा में बीते एक साल के दौरान 50 हाथियों की अस्वभाविक मौत हुई है। इसके अलावा गर्मियों में भूखे-प्यासे चीतल, भालू या अन्य पशुओं के आबादी की ओर पलायन के दौरान दुर्घटना या अवैध शिकार से मौत की खबरें भी आम है।

छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल जैसे राज्यों में हाथी और मनुष्य के बीच लगातार संघर्ष हो रहे हैं। गौरतलब है कि इन राज्यों में हाथियों के आवाजाही के लिए 88 गलियारा यानी कॉरीडोर है। वन्य जीव स्वाभाविक रूप से अपने प्राकृतिक रहवास पर ही

रहना पसंद करते हैं लेकिन जब वे एक जंगल से दूसरे जंगल का रुख करते हैं तो इस दौरान उन्हें आबादी इलाके को पार करना पड़ता है। मनुष्य और पशुओं के बीच संघर्ष की शुरुआत यहीं से होती है। जानकारी के मुताबिक वन्य प्राणियों के स्वतंत्र रहवास के लिए कुल 661 संरक्षित क्षेत्र है जो देश के कुल 4.8 फीसदी भौगोलिक क्षेत्र में फैले हुए हैं। साथ ही 515 वन्यजीव अभयारण्य, 41 संरक्षित रिजर्व और 4 सामुदायिक रिजर्व हैं। इन व्यवस्थाओं के बावजूद देश में वन्यजीवों के अवैध शिकार और वन पशुओं के आबादी इलाकों में पलायन पर गौर करें तो इसके लिए मुख्य रूप से सरकारों के वनों को ताक पर रखकर अंधाधुंध विकास की सनक प्रमुख वजह है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में जंगलों का हिस्सा सिकुड़ा है परिणामस्वरूप वन्य प्राणी भोजन और पानी की तलाश में गांवों और शहरों का रुख कर रहे हैं। अमूमन हर सरकार की पहली प्राथमिकता बिजली है जिसके लिए कोयला जरूरी है और अस्वभाविक मौत के आंकड़े चिंताजनक है।

-संजय शुक्ला

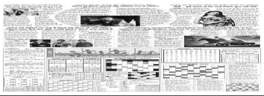

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित व देशी मालों की कमजोर मिलगत से मंगलवार को तुअर बाजार उछाल पर रहे। चना भी चढ़ा। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती रही। किराना जिंसों में शक्कर मजबूती पर रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को तुअर में मिलगत कमजोर रहने व मिलों की माँग से बाजार उछाल पर रहे। चना 100 रू. प्रति क्विटल बड़कर 6000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती रही। तिलहनों में सोयाबीन 5000-5200 रू. क्विंटल पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में लेवाली रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4050, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्स्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2700-2800, (200) 3000-3200, (250) 3400-3500

तेल- सींगदाना 1650-1670, मुम्बई 1680, राजकोट तेलिया 2620, सोया साल्वेंट 1280-1285, सोया रिफाइंड 1345-1350, कपास्या 1300-1310, धूलिया 1300-1310, कड़ी 1300-1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1300, मुम्बई सोया 1380,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5000-5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-6000, एवरेज 5300-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7500-7600, हल्की 7300-7400, तुअर महाराष्ट्र 7700-8000, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7100-7300, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-8000, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार जोरदार तेजी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 348000, चाँदी (99) 346500, टंच 346000, सिक्का 3500, सोना 10 ग्राम 165000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की बढ़त के साथ ही 91.63 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.80 पर खुला, जो पिछले बंद भाव 91.70 से 10 पैसे अधिक है। यह सुधार शुक्रवार के 92 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर के बाद आया है। पिछले सप्ताह रुपया लगातार दबाव में रहा। शुक्रवार को कारोबार के दौरान यह 92 प्रति डॉलर तक गिर गया, हालांकि अंत में मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार डॉलर की कमजोरी के कारण रुपये में मामूली बढ़त देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार से भी बाजार में उत्साह आया और वह उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक ऊपर आकर 25,175.40 पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी मेटल और बैंकिंग शेयरों के कारण आई। इस कारण निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी इंडिया डिफेंस निफ्टी पीएसई और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑटो , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल् के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी

रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 338 अंक बढ़कर 57,483.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 66.60 अंक उछलकर 16,419.35 पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, ई, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एचसीएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। बाजार में आज के सत्र में उतार-चढ़ाव हावी रहा पर यूरोपीय यूनिया से करार से बाजार को बल मिला पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के डर के कारण ऑटो और बेवरेज शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट साथ खुले। सेंसेक्स 81,436 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन कुछ ही देर में बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 424.17 अंक की गिरावट के साथ 81,113.53 के स्क्षसबीआकारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी 25,063 अंक पर सपाट खुलने के बाद फिसल गया और 112.60 अंक गिरकर 25,019 पर ट्रेड करता दिखा।

बैंकों की हड़ताल- डिजिटल और एटीएम सेवाएं जारी रहेंगी

नई दिल्ली। एजेंसी। बैंक यूनियनों की तरफ से मंगलवार को पूरे दिन हड़ताल का ऐलान किया गया है। इस वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ी देर के लिए प्रभावित हो सकता है। कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल रहेंगे, लेकिन बैंक और सरकार ने ग्राहकों की परेशानी कम करने के लिए तैयारियां की हैं। बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर समय पर कैश भरा जाएगा। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी। सरकारी लेन-देन और अन्य जरूरी बैंकिंग सेवाएं जारी रहेंगी। ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट के जरिए भी सेवाएं दी जाएंगी। सोमवार को वित्तीय सेवा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें एसबीआई चेयरमैन, सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के एमडी/सीईओ और आईबीए प्रमुख शामिल थे। बैंकों को निर्देश दिए गए कि हड़ताल के बावजूद ग्राहक सेवाएं बिना रुकावट चलती रहें।

चीन में चांदी सबसे महंगी, वैश्विक बाजार से 16 डॉलर प्रति औंस महंगी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव लगभग 109 डॉलर प्रति औंस

नई दिल्ली। एजेंसी। सोना और चांदी की कीमतें इस समय रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी हैं। खासतौर पर चांदी की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को चौंका दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव लगभग 109 डॉलर प्रति औंस है, जबकि चीन में यह 125 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच चुका है। इसका मतलब चीन में चांदी अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में करीब 45 हजार रुपए प्रति किलो महंगी बिक रही है। भारत में चांदी चीन के मुकाबले लगभग 17 फीसदी सस्ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में चांदी की बढ़ी कीमतों का मुख्य कारण वहां की बेहद मजबूत मांग है। दुनिया की कुल चांदी आपूर्ति में चीन की हिस्सेदारी 65 फीसदी से अधिक है। यहां चांदी केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि हाजिर (स्पॉट) और वायदा (फ्यूचर्स) बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए भी खरीदी जा रही है। चीनी निवेशक इसे सुरक्षित निवेश मानकर लगातार बड़ी मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। चांदी की कीमतों में आई इस तेजी के पीछे चीन की बदली हुई निर्यात नीति भी अहम भूमिका निभा रही है। जनवरी से केवल सरकारी लाइसेंस वाली कंपनियां ही चांदी का निर्यात कर सकती हैं। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई पर पड़ा है और वैश्विक स्तर पर कीमतों को बढ़ावा मिला है। कॉमेक्स पर चांदी की कीमतों में हाल ही में 8 फीसदी तक की तेजी देखी गई, हालांकि इस दौरान हल्की गिरावट भी दर्ज हुई है। चीन में चांदी की बढ़ी कीमतें और सख्त निर्यात नियम अंतरराष्ट्रीय बाजार पर सीधे असर डाल रहे हैं। निवेशक वैश्विक सप्लाई और चीन की मांग पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे चांदी की कीमतों में भविष्य में भी उतार-चढ़ाव की संभावना बनी हुई है।

मेष- आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे, जैसे आपको खुशी होगी। धन को लेकर यदि कोई समस्या थी, तब वह भी दूर हो सकती है। सामाजिक क्षेत्र में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी अच्छी सोच से आपके काफी मित्र बनेंगे। आपको बिजली के कोई उपकरणों से संबंधित काम मिलने में सफलता मिलेगी। दोस्तों व परिवार के सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए दानपुण्य के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आपकी किसी पुराने साथी से मुलाकात होगी। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर होंगी। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे और आपको यदि कोई शारीरिक समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप किसी वाद विवाद से दूरी बनाकर रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें, नहीं तो अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है और भाई- बहनों से आप काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कर्क- आज के दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ाने के लिए रहेगा। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपके भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। आप अपनी जल्दबाजी की आदत के कारण परेशान रहेंगे। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको अपने लंबे समय से रुके हुए कामों पर फोकस करने की आवश्यकता है, तभी वह पूरे होंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें, लेकिन धन से संबंधित मामलों में आपको सतर्कता बनाए रखनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनकर चलना होगा। आप अपने बढ़ते खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करें। नौकरी मे बदलाव की योजना बना रहे लोगों को किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आज आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने अलास्य को त्याग कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, तभी आपके काम आसानी से पूरे होंगे। आप अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ही खर्च करें, क्योंकि बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी नौकरी के किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। आपकी कला व कौशल में सुधार आएगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आय के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आप अपने घर की साज-सज्जा के लिए भी कुछ नई चीजों की खरीदारी कर सकते हैं। परिवार में यदि किसी बात को लेकर कलह चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आज आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके आसपास में यदि कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपस उसमें चुप रहें।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी से लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप किसी से कोई बात बहुत ही तोल मोलकर बोले और अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिसको लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से कार्यक्षेत्र में लड़ाई झगड़े की स्थिति उत्पन्न होगी।

मकर- आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने के पूरे कोशिश करेंगे। सामाजिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपकी छवि और निखरेगी। परोपकार के कार्यों में आप आगे बढ़ेंगे। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा और आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपको किसी काम को पूरा करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके सामने कुछ ऐसे खर्चे आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो परिवार के सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में आपको अच्छी कमाई होगी और आपकी पार्टनरशिप भी बेहतर चलेगी। आप अपने व्यवसाय को कहीं बाहर तक ले जाने की कोशिश में भी कामयाब रहेंगे। धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ आप समय व्यतीत करेंगे।

शब्दजाल - 8153

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	ड़
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	र्ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	रा	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	र्निं	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	ई	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

शब्दजाल में हिंदु कैलेंडर के 10 माह के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

फाल्गुन, पौष, चैत्र, मार्गशीर्ष, कार्तिक, सावन, ज्येष्ठ, भादवा, आषाढ़, वैशाख

शब्दजाल - 8152 का हल

सु	ष्मि	ता	से	न	द	रि	ला	या	र	क
दा	इ	ल	ग	व	जी	ग	रा	इ	ता	ली
गि	री	चे	ल्सी	रिम	थ	ची	द	रा	क	क
री	ने	र	दो	पु	ज	न	त्ता	न	त	क
क	सी	दो	ब्रु	क	ली	का	मो	ग	व	क
जी	ज	ल	प	य	ज	पू	ना	ना	र	को
ए	र्मि	कु	से	ला	प	स्टि	श	र	ग्रु	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	न	लो	श	ड
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	त्या	री	पा	प	क
शा	न	वि	थ	र	ले	र्त	ऐ	बें	से	त
क	मि	शे	ल	मै	क	ली	न	द	प	क

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.40 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	09.13 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.44 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.22 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.35 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.14 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.29 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	03.45 बजे से
बजे तक		मकर	05.50 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 28 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 16.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 09.27 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 23.54 बजे को समाप्त।
करण गर 16.37 बजे तदनन्तर वणिज 03.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 15’
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872603
जूलियन दिन 2461068.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 08
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7097

1		2	■	3		4	■	5	■
	■	6			■	7	8		9
■	10		■		■	■		■	
11		■	12	13			■	14	
■	15			■		■	16		■
17		■	■	18	19	■	20		
	■	21		■	■	22		■	■
	■		■	23	24		■	■	25
■	26		27			■	28		
29		■		■	30			■	

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7096

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डू	■	थु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी मदद

एक बार बेंजामिन फ्रेंकलिन ने एक धनी व्यक्ति की मेज पर कुछ सिक्के रखते हुए कहा, 'आपने बुरे वक्त में जो सहायता की थी, मैं उसके लिए बहुत आभारी हूं। पर अब मैं अपनी मेहनत से इतना सक्षम हो गया हूं कि आपका कर्ज वापस कर सकूं। मैं यह सिक्के आपको वापस करने आया हूं।' बेंजामिन फ्रेंकलिन की बात सुनकर वह सज्जन उन्हें घूरते हुए बोले, 'क्षमा करिए, पर मैंने आपको पहचाना नहीं। न ही मुझे यह याद है कि मैंने किसी को उधार दिया था।' बेंजामिन ने कहा, 'मैं उन दिनों एक प्रेस में अखबार छापने का काम करता था। एक दिन अचानक मेरी तबीयत खराब हो गई तब मैंने आपसे बीस डॉलर लिए थे।' यह सुनकर उस व्यक्ति ने अपने बीते दिनों को याद किया तो उन्हें स्मरण हो आया कि एक बालक प्रेस में काम करता था और एक दिन उसके बीमार होने पर उन्होंने उसकी मदद की थी। यह याद आने पर उस व्यक्ति ने कहा, 'हां, मुझे याद आ गया। लेकिन दोस्त, यह तो मनुष्य का सहज धर्म है कि वह आपत्तिग्रस्त व्यक्ति की सहायता करे। इन सिक्कों को आप अपने पास ही रखें और कभी कोई जरूरतमंद व्यक्ति आपकी नजरों में आए, तो उसे दे दीजिएगा।' इस बात से बेंजामिन बहुत प्रभावित हुए और उन्हें नमस्कार कर उन सिक्कों को वापस अपने साथ ले आए। इसके बाद उन्होंने एक जरूरतमंद युवक को वे सिक्के दिए। जब उस युवक ने सिक्के लौटने चाहे तो बेंजामिन ने कहा, 'दोस्त, जब तुम सक्षम हो जाओगे तो अपने जैसे किसी जरूरतमंद को ये सिक्के दे देना। मैं समझूंगा कि मेरे पैसे मुझे मिल गए।' वह युवक बोला, 'मैं ऐसा ही करूंगा।' इसके बाद बेंजामिन उस युवक के कंधे पर हाथ रखते हुए बोले, 'किसी जरूरतमंद की वक्त पर मदद करना ही इंसानियत है। अगर हम किसी की मदद करते हैं तो वह मदद सौ गुना अधिक होकर हमारे पास वापस आती है और हमें कामयाब बनाती है।'

सूडोकु नवताल- 7406

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7405 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 8621

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■		14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8620 का हल

स	ही	■	का	■	म	■	ह	क
ला	■	सा	या	■	य	श	■	हा
म	त	ली	■	सां	■	क	ल	र
■	ल	■	ब	प	ल	■	ह	■
घ	ब	रा	ना	■	च	प	ल	ता
■	गा	■	ब	हा	र	■	हा	■
भ	र	म	■	नि	■	प	ना	ह
ला	■	द	ल	■	क	द	■	बे
ई	ख	■	म्हा	■	ली	■	डा	ली

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नगर में धूमधाम से मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर में 77वाँ गणतंत्र दिवस आन बान शान के साथ मनाया गया, तहसील अन्तर्गत सभी शासकीय अशासकीय कार्यालयों में पूर्व संध्या से ही भवन गणतंत्र दिवस के अवसर पर जगमगाये गये वहीं नगर परिषद लांजी के द्वारा नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक को भी रंग बिरंगी रोशनी से नहलाया गया था। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस का आयोजन बेहद ही धुम धाम से किया गया।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने किया ध्वजारोहण

लांजी नगर के हृदय स्थल नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक में लांजी किरनापुर के विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष, समस्त पार्षद गण एवं नगर के गणमान्य नागरिक गण, एनसीसी कैडेट्स, तथा सभी स्कूलो के छात्र छात्राऐं एवं शिक्षक शिक्षिकाऐं उपस्थित रहे। मुख्य समारोह स्थल वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडीयम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल के द्वारा ध्वजारोहण किया गया साथ ही इसी स्थल में एनसीसी, स्काउट, गाईड परेड सहित देश भक्ति गीतो पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ भी स्कूली छात्र छात्राओ के द्वारा दी गई। मुख्य समारोह स्थल पर मुख्य अतिथि राजकुमार कर्राहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्चना खोंगल, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, जिपस ज्योति उमरे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रेवा जी करहाटकरे, समस्त सभापति पार्षद गण नगर परिषद एवं जनपद पंचायत लांजी, आमंत्रित अतिथि गण, समाज सेवी, जनपद सदस्य, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार हिम्मत सिंह भवेदी, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सीईओ रामगोपाल यादव, एसडीओ सुखराम नेवारे, सहित सभी विभाग के विभाग प्रमुख एवं अधिकारी कर्मचारी, सभी संबंधित स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक गण, स्कूलो के छात्र छात्राऐं गणमान्य अतिथि गणो की उपस्थिती में कार्यक्रम आयोजित हुये। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात पुलिस बल के द्वारा सलामी दि गई साथ ही राष्ट्रगान एवं तुरंत पश्चात मध्यप्रदेश गान गायन हुआ तदोपरांत उपस्थित समस्त अतिथियो के द्वारा शांति स्वरूप गुब्बारे हवा मे छोडे गये। अग्रिम कडी में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अर्चना खोंगल के द्वारा मुख्यमंत्री जी का संदेश वाचन किया व संदेश वाचन के पश्चात उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस कि शुभकामनाऐं दी। इसके बाद एनसीसी, स्काउट एवं गाईड के द्वारा सामुहिक परेड कर सलामी दि गई। उपस्थित अतिथियो द्वारा परेड का निरीक्षण कर परिचय प्राप्त किया।

देश भक्ति एवं धार्मिक गीतो पर छात्र छात्राओ की मनमोकह प्रस्तुतिया-

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर मुख्य समारोह स्थल पर प्रतिवर्ष देश भक्ति गीतो से ओतप्रोत मनमोहक प्रस्तुतियॉ स्थानीय विद्यालयो के द्वारा तैयार कर प्रस्तुतिकरण किया जाता है। ऑपरेशन सिन्दूर, जैविक खेती पर भी छात्र छात्राओं के द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। आयोजको के द्वारा उक्त प्रस्तुतिकरण एक से बढकर एक हो इस हेतू प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है ताकि प्रत्येक छात्र छात्राऐ अपने तन मन के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत करे और होता भी ऐसा ही स्थानीय शासकीय अशासकीय विद्यालय के छात्र छात्राऐं मनमोहक प्रस्तुतियॉ तैयार कर प्रस्तुत करते है जिसे खुब सराहा जाता है। इस वर्ष तीन वर्ग में प्रयोगिताऐं आयोजित थी जिमसे माध्यमिक वर्ग एवं हायरसेकेण्डरी वर्ग के द्वारा प्रस्तुती दी गई। आयोजित संपूर्ण समारोह का सफल मंच संचालन आनंद लटारे, शासकीय कन्या हायरसेकेण्डरी स्कूल लांजी,के द्वारा किया गया ।

शासकीय कन्या हायरसेकेण्डरी स्कूल प्रथम, द्वितीय साकेत पब्लिक स्कूल

हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विभाग में 6 विद्यालयो के द्वारा प्रतिभागिता की गई थी जिमसें प्रथम पीएम श्री शासकीय कन्या हायरसेकेण्डरी स्कूल लांजी द्वितीय साकेत पब्लिक स्कूल लांजी, तृतीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी । इसके अलावा अन्य विद्यालय जिनमें, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी, सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के छात्र छात्राओ के द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुतियॉ दी गई। माध्यमिक वर्ग में राजभारती प्रोमिनेन्सी कान्वेंट स्कूल प्रथम, विरांगना रानी अवंती बाई शिशु मंदिर द्वितीय, शासकीय कन्या माध्यमिक शाला तृतीय स्थान पर रही साथ ही सनशाईन किड्स प्ले स्कूल लांजी के छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया जिसे उपस्थित जनसमुदाय ने खुब सराहा। सभी प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एवं प्रतिभागिता करने वालों को उपस्थित मुख्य अतिथि एवं समस्त मंचासीन अतिथियों के हस्ते प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। परेड में प्रथम साकेत पब्लिक स्कूल, द्वितीय पीएम श्री कन्या स्कूल, तृतीय सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रहा जिन्हे भी अतिथियों के द्वारा मोमेन्टो में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विभिन्न आवश्यक विषयो पर संदेश देती झांकीयों का प्रस्तुतीकरण

गणतंत्र दिवस के इस समारोह में लांजी क्षेत्र के शासकीय विभागों के द्वारा सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जो कि विशेष संदेश प्रदान करती है उन्हे झांकियो के माध्यम से विभागों के द्वारा प्रस्तुत किया गया। पशु पालन, जैविक खेती, नगर परिषद लांजी, सहित आजीविका मिशन लांजी सहित अनेको विभागों के द्वारा झांकिया प्रस्तुत की गई थी जिनमें भी प्रतिभागिता नजर आई। कार्यक्रम के अंत में लांजी अनुभाग क्षेत्र में कार्यरत सभी शासकीय कर्मचारी जिन्होने अपने अपने विभाग में संपूर्ण वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है उन्हे भी अतिथियो के द्वारा मोमेन्टो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने दी 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं

आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार कर्राहे ने मुख्य समारोह स्थल पर पंहुचे जहां आपने सभी विद्यालयो के द्वारा देश भक्ति गीतो पर दी जा रही प्रस्तुतियो को देखा तथा सभी विद्यालयो के छात्र छात्राओ शिक्षक शिक्षिकाओ को बधाई प्रेषित की, साथ ही विभागों मे उत्कृष्ट सेवा देने वाले अधिकारी कर्मचारी को भी बधाई प्रेषित कि इस उत्कृष्ट आयोजन के लिये साथ मुख्यअतिथि की आसंदी से समस्त उपस्थित जनो एवं लांजी क्षेत्र को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित की।

एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने किया आभार प्रदर्शन-

कार्यक्रम के अंत में एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा समस्त उपस्थित अतिथि गण, स्कूल छात्र छात्राओं, शिक्षको एवं जनसमुदाय का आभार प्रदर्शन करते हुये सर्वप्रथम तो कार्यक्रमो की सराहना की कहा की इस प्रकार के उत्कृष्ट मनमोहक आयोजन होते है और आगे भी होते रहना चाहिये हमारे शहरो में बहुत प्रतिभाऐं छुपी है आप लोग इसे और आगे बढाये और लांजी क्षेत्र का नाम रोशन करे। सभी उपस्थितो को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं प्रदान कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

77वॉ गणतंत्र दिवस लांजी क्षेत्र के लिये एक गौरव शाली पल लेकर आया है जहा लांजी क्षेत्र के युवाओ ने अपनी मेहनत और योग्यता के आधार पर सीमा सुरक्षा बल, अर्द्धसैनिक बल सहित देश सुरक्षा में कार्य करने वाली एंजेसिंयो में चयनित होकर लांजी क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इन सभी 28 युवाओं गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सम्मानित किया गया है। विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा सभी युवाओं को बधाई प्रेषित की गई तथा कहा गया कि हमारे लांजी क्षेत्र के युवा देश सेवा में कार्यरत रहेंगे यह हम सभी के गौरवान्वित करने वाला पल है मै पूरी विधानसभा क्षेत्र की ओर से सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हू।

लांजी के सरस्वती विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति अध्यक्ष बारेलाल

बड़घैया रहे, जिनके साथ विजय रामटेक्कर (सचिव एवं खंड संघचालक), संतोष तिड़के (उपाध्यक्ष), डॉ. राजेश रणदीवे (सदस्य), सुखपाल भर्रे (समाजसेवी), योगेंद्र दहीकर (खंड कार्यवाह), श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर (सहसचिव), श्रीमती मनीषा दूगगड़ (दुर्गा सिंह वाहिनी संयोजिका), दिनेश रामटेक्कर, छत्तर सिंह पुसाम (पूर्व सैनिक), प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी एवं प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने उपस्थित थे।सर्वप्रथम अतिथियों ने मां भारती, मां सरस्वती एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि बारेलाल बड़घैया ने ध्वज पूजन के बाद ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान, मध्य प्रदेश गान, भाइयों-बहनों के देशभक्ति गीतों एवं नारों से विद्यालय प्रांगण गूंज उठा। अतिथियों का तिलक वंदन कर परिचय कराया गया, जबकि कुमारी अदिति वैद्य एवं सहेलियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में पार्थ चालक ने अंग्रेजी स्पीच दी, कक्षा-2 के भैया साई रामटेक्कर, कक्षा-5 की तोशी एडे ने गीत गाए। कक्षा-3 की सृष्टि एवं सहेलियां, कक्षा-4 की प्रियांशी एवं सहेलियां, कक्षा-5 की निष्ठा ठाकरे एवं सहेलियां तथा कक्षा-1 के दिव्याशु वाकडे एवं साथियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। इन पर बारेलाल बड़घैया एवं सुखपाल भर्रे ने बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। राज्य स्तरीय वॉलीबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कुमारी दिव्या घोंगड़े को शील्ड भेंट की गई।योगेंद्र दहीकर ने देशभक्ति कविता सुनाई एवं शुभकामनाएं दीं। विजय रामटेक्कर ने सभी को बधाई दी तथा 27 जनवरी को घोटी हिंदू सम्मेलन में उपस्थित होने का आह्वान किया। अध्यक्ष बड़घैया ने शाला परिवार को बधाई दी तथा 11,000 रुपये की राशि समारोह एवं पुरस्कारों हेतु प्रदान की। प्राचार्य गोस्वामी ने आभार व्यक्त करते हुए अंग्रेजी माध्यम कक्षाओं आरंभ करने की घोषणा की एवं अतिथियों से सहयोग की अपील की।कार्यक्रम का संचालन लेखराम ठाकरे (वरिष्ठ आचार्य), अतिथि परिचय त्रयंबक भगत एवं सांस्कृतिक भाग श्रीमती रीना सिसोदिया ने किया।

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी किरनापुर ने मनाया गणतंत्र दिवस

संध्या बेला में हुआ एक शाम वीर शहीदों के नाम

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर में पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी किरनापुर के द्वारा बडे ही हर्षोल्हास एवं देश भक्ति की भावना को जागृत करते हुये सेनि सैन्य अधिकारी, वर्तमान में देश सेवा में कार्यरत सैनिक अधिकारी गणो के द्वारा नगर के भिलाई मार्ग पर स्थित सैनिक चौक में 77वॉ गणतंत्र दिवस का आयोजन कर आन बान शान के साथ राष्टीय तिरंगे को फहराया गया। तथा राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं देश भक्ति के गीतों से चौक को गुंजायमान कर भारत माता के जयघोष के नारे लगाते हुये स्कूली बच्चो एवं उपस्थित जनसमुदाय को मिष्ठान देकर राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित की गई। सैनिक संगठन के द्वारा सभी स्कूली बच्चो को पेन कलम का वितरण कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी किरनापुर के द्वारा 26 जनवरी 77वें गणतंत्र दिवस की संध्या बेला में एक शाम वीर शहीदों के नाम देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम आयोजित कर देश के वीर सिपाहियों को नम आंखो से श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधानसभाउपाध्यक्ष मप्र शासन हिना लिखीराम कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, नगर के गणमान्य नागरिक गण, आमंत्रित अतिथि, बडी संख्या मेँ युवा साथी गण उपस्थित रहे। उक्त संपूर्ण आयोजन पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी के तहसील अध्यक्ष पवन कुमार सोनवाने उपाध्यक्ष हुलासराम सिरामें, सचिव रूप कुमार बिसेन, कोषाध्यक्ष प्रीतम चालक पर्यावरण प्रभारी निरंजन देवगडे, समाज कल्याण प्रभारी श्रीराम नगपुरे, महिला विकास प्रभारी बबीता पसीने, मिडिया प्रभारी आरिफ खान, संयोजक गणेश मोरघडे , सैनिक गोविन्द घोगड़े, सैनिक परिवारगणों में जितेंद्र रामटेककर, सैनिक ओमप्रकाश मचगैया के माता-पिता सदस्यगण में पी एल पसीने, हरीश चंद बारबूदे, शैलेन्द्र पूरी गोस्वामी, अभय चौरसिया,कोमल टेंभरे, शैलेन्द्र महोबिया, अजय पालेवर, ,सागर चालक, काशी दास मेश्राम, राहुल रामटेककर ,सहदेव सिंह तोमर आदि सैनिक, पूर्व सैनिक तथा सैनिक परिवार के द्वारा संपूर्ण आयोजन किया गया। देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम सैनिक संगठन एवं सुमित गोयल इवेन्ट्स के द्वारा संपन्न कराया गया। अतिथियों एवं सैनिक संगठन के सदस्यो के द्वारा मंच से वीर शहीदों को याद करते हुये कहा गया कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों की स्मृति में नगर में एक शाम वीर शहीदों के नाम श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान दो मीनट का मौन धारण कर शहीदों को श्रृद्धाजलि भी दी गई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान देश के लिए अमूल्य धरोहर है। उनकी शहादत हमें राष्ट्रभक्ति, त्याग और कर्तव्यबोध का संदेश देती है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को भावुक कर दिया, वहीं शहीदों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके साहस और पराक्रम को याद किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नई पीढ़ी को देश के लिए समर्पण की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। अतिथियों के द्वारा पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के संपूर्ण कार्यक्रम एवं आयोजनो की सराहना की गई तथा कहा कि आगे भी इस प्रकार के आयोजन लांजी नगर सहित क्षेत्र में होते रहे।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में धूमधाम से मनाया गया 77 वॉ गणतंत्र दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव (लांजी) बालाघाट में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 77वॉ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा ध्वज पूजन एवं मां सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं ध्वज फहराकर किया गया । तदोपरांत ग्राम में प्रभातफेरी निकाली गई। तदोपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन कर किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का मंचन कर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर शिवपुराण कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र छात्राओं को पूर्व विधायक रमेश भटेरे जी द्वारा ग्यारह हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। श्री भटेरे जी ने अपने संबोधन में संस्था के छात्र-छात्राओं के कला की प्रसंशा करते हुए कहा कि सांदीपनि विद्यालय बोलेगाव छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सतत् प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी निश्चित ही सौभाग्यशाली हैं जिन्हें ऐसे ऊर्जावान और कर्मठ शिक्षक -शिक्षिकाओ द्वारा शिक्षा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। संस्था द्वारा सत्र 2024-25 में कक्षा पहली से बारहवीं तक प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को शील्ड एवं मेडल प्रदान किया गया। उसी प्रकार बी आर बापुरे सेवानिवृत सहायक अभियंता बोलेगाँव द्वारा भी कक्षा पहली से बारहवीं तक के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को शील्ड प्रदान की गई।कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे वीर शहीदों की शहादत का ही परिणाम है कि हम सभी आजादी की खुली हवा में 77 वा गणतंत्र दिवस मना रहे हैं।संविधान की मूल उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा की गई।उन्होंने कहा कि हमें केवल राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर ही नहीं अपितु हरपल राष्ट्रध्वज एवं स्वतंत्रता सेनानीयों का सम्मान करना चाहिए एवं उनके जीवन आदर्श से प्रेरणा लेते रहना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रमेश भटेरे, ग्राम पंचायत बोलेगावं सरपंच श्रीमती प्रतिभा अनिल भारतद्वाज, उपसरपंच श्रीमती चित्ररेखा कालबेले, पूर्व जनपद सदस्य अशोक बापूरे, युवराज भटेरे, सेवा निवृत्त अभियंता बी आर बापूरे, पीटीए अध्यक्ष अनिल नागवंशी, ओमप्रकाश बापूरे, विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं ग्राम के गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिती रही। संस्था के उपप्राचार्य साहु सर द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक सरोज पटले द्वारा किया गया।

आज कारंजा, अंबेड़ा, भानेगांव में विराट हिंदू सम्मेलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सकल हिन्दू समाज के द्वारा लांजी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया रहा है। लांजी क्षेत्र में जहां आज 28 जनवरी को ग्राम अमेड़ा, भानेगांव, कारंजा में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है वहीं 2 फरवरी को नगर मुख्यालय सुभाष चौक में एक वृहद हिन्दू सम्म्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें आयोजन कर्ताओं के द्वारा सभी हिन्दू जन समुदाय से उक्त कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की गई है। बतादे कि आयोजित कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में सकल हिन्दू समाज द्वारा विराट हिन्दु सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी में आज बुधवार 28 जनवरी को लांजी विकास खण्ड के अमेड़ा ब, भानेगांव एवं कारंजा मंडल में विराट हिन्दु सम्मेलन सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के तहत 28 जनवरी को सुबह 11 बजे मिडिल स्कूल मैदान अमेड़ा ब , दोपहर 1 बजे हाई स्कूल मैदान भानेगांव एवं अपराह्न 3 बजे श्री हनुमान मंदिर परिसर कारंजा में हिन्दू एकता का महाकुंभ संपन्न होगा। हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करने मुख्य वक्ता के रूप में मां कौशल्या जन्म भूमि तीर्थ श्री जामड़ी पाटेश्वर धाम छत्तीसगढ़ के पीठाधीश्वर श्रीराम बालकदास महात्यागी (संत बाल योगेश्वर)जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। सकल हिन्दू समाज के द्वारा समस्त सनातनी हिन्दु भाईयों बहनों से निवेदन किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में इस हिन्दू एकता के महाकुंभ उपस्थिति दर्ज कर सनातन एकता एवं हिन्दू सम्मेलन को सफल बनाये। सकल हिन्दू समाज के द्वारा आयोजिन विराट हिन्दू सम्मेलन के तहत जहां आज 28 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है वही इस हिन्दू एकता का महाकुंभ आगामी 2 फरवरी को लांजी मुख्यालय स्थित सुभाष चौक में यह विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम मे बतौर मुख्य वक्ता साध्वी बालिका सरस्वती जी उपस्थित होगी। दोपहर 1 बजे से सुभाष चौक लांजी में यह विराट सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है सकल हिन्दू समाज के द्वारा समस्त हिन्दू जन समुदाय से उक्त सम्मेलन में उपस्थिती के लिये निवेदन किया गया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गणतंत्र दिवस पर हुआ ऐतिहासिक आयोजन, ग्राम पंचायत की व्यवस्था को सभी ने सराहा

पद्मेश न्यूज। उकवा। खनिज नगरी के नाम से विख्यात उकवा नगर में वैसे तो कई वर्षों से सामूहिक रूप से गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया जा रहा है,जो हर साल ग्राम पंचायत द्वारा एक साथ एक मैदान में आयोजित किया जाता जिसमें ग्राम पंचायत उकवा की सरपंच श्रीमती रामबती उइके द्वारा सर्वप्रथम महात्मा गांधी एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की छायाचित्र में माल्यार्पण कर पुजा अर्चना की गई एवं झंडा फहराया गया तत्पश्चात राष्ट्रगान गाया गया और भारत माता की जय के नारो के साथ स्कूली बच्चों की रैली आगे बड़ी, तथा बस स्टैंड में जनपद सदस्य रीता फुलोंके ने झंडा फहराया व पुरानी चौकी के सामने ग्राम पंचायत उकवा उपसरपंच शिवशंकर तिवारी ने झंडा फहराया तत्पश्चात सुर्या ग्राउंड में भूतपूर्व सरपंच श्रीमती सुमित्रा मेश्राम ने झंडा फहराया जहां हजारों की संख्या में ग्रामीण जन स्कूली छात्र छात्राए एवं अनेक विभाग के लोग सम्मिलित होते है,एवं सामूहिक रूप से ध्वज फहरा कर कार्यक्रम करते है,परन्तु इस वर्ष उकवा ग्राम की नव निर्वाचित सरपंच एवं उपसरपंच के कुशल मार्गदर्शन में इस वर्ष का आयोजन अति भव्य एवं अति आकर्षक रहा ,जिसकी सभी ने जमकर तारीफ की,इस वर्ष नव निर्वाचित सरपंच द्वारा सभी स्कूली छात्र छात्राओं के लिय अलग अलग पंडाल लगा कर उनके बैठने का प्रबंध किया गया गया, साथ ही प्रत्येक ग्रामीणों के लिय

चेयर एवं महिलाओं के लिय अलग से प्रबंध किया गया ताकि कोई भी महिला दर्शक खड़े होकर प्रोग्राम न देखे,अतिथियों एवं समस्त गुरुजनों के लिय भी पृथक व्यस्था की गई थी, और हजारों की संख्या में उपस्थित जन समूह के लिय भर पेठ पुलाव का प्रबंध किया गया था,जिस हेतु बीस स्वयं सेवी बालाघाट से बुलाए गए थे ,जिन्होंने पूरे पंडाल में घूम घूम कर समस्त दर्शकों एवं अतिथियों को अपनी जगह में पानी बॉटल एवं पुलाव प्रदान किया ,जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की,

ये रहे उपस्थित

सामूहिक ध्वजारोहण स्थल पर ग्राम की पूर्व सरपंच सुमित्रा मेश्राम में ध्वजारोहण किया,इस अवसर पर पंचायत द्वारा सभी पूर्व सरपंच एवं जनपद सदस्यों को आमंत्रित किया गया था,जिनकी गरिमामई उपस्थिति में सुमित्रा मेश्राम द्वारा ध्वज फहराया गया,

सभी स्कूलों की प्रस्तुति ने मन मोहा

इस आयोजन में इस वर्ष उकवा के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों द्वारा अपने अपने विद्यालय से दो दो प्रोग्राम प्रस्तुत किए गए ,जिसमें छोटे छोटे बच्चों द्वारा अनेक देश भक्ति एवं भारत देश की संस्कृति एकता एवं अखंडता के दर्शन हुए,आयोजन में एकलव्य हायर सेकेंडरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उकवा,शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,बिसेन इंग्लिश मीडियम स्कूल उकवा,वीणा सागर स्कूल उकवा,विवेक ज्योति स्कूल,मॉर्निंग ग्लोरी स्कूल,प्राथमिक शाला बारंग,प्राथमिक शाला पानी टोला,आदि स्कूल के विद्यार्थी सम्मलिति हुए ,जिन्होंने एक से एक प्रस्तुति दी,जिसने लोगों को घंटों बैठने मेजबूर कर दिया,ओर लोग लगातार तालिया बजाते रहे।

ये हुए सम्मानित

आयोजन में ग्राम पंचायत उकवा द्वारा विगत वर्ष बोर्ड कक्षा 5वी , 8वी 10वी 12वी में अव्वल आने वाले सभी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया,एवं एकलव्य हायर सेकेंडरी के बच्चे जिन्होंने खेल विधा में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया उन्हें सम्मानित किया गया,साथ ही श्रम जीवी पत्रकार संघ के अशोक राउत ,संजना बर्वे,सलीम खान,आनंद गोदरे आदि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया,

इनकी रही उपस्थिती

इस आयोजन में ग्राम पंचायत उकवा मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य दल सिंह पंद्रे उपस्थित रहे,

कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम पंचायत उकवा की सरपंच रामबत्ती उईके,उपसरपंच शिव शंकर तिवारी,सचिव भजन वल्के,सहायक सचिव प्रीति सहारे, पंच संजीव अग्रवाल,संजय अग्रवाल,परमानंद पारदी,श्रृष्टि सिक्का,उत्कल नन्द,रीना जीजोतिया,प्रमिला मेश्राम,आरती भारद्वाज,सुमित , बांगरे,क्रिस्टीचरण कहर,ललिता रौतिया,जैक्शन सरभंग,हरीश मडावी,तेजस्विनी नाग,रमेश कुमार,सविता सुना,जनपद सदस्य रीता फुलके, पूर्व सरपंच सोनबती मरावी,पूर्व जनपद सदस्य सुरेखा बडोले,महाकाल सेना नगर अध्यक्ष आकाश तिवारी एवं उनकी पूरी टीम द्वारा निस्वार्थ सेवा प्रदान की गई,अनेक संस्थाओं के संस्था प्रमुख जिनमें मुख्य रूप से एकलव्य हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अनिल सोलंकी,प्राचार्य राजेंद्र भटेरे,प्राचार्य सविता बोरकर आदि उपस्थित थे,

मंच संचालन ने बांधा समा

संपूर्ण कार्यक्रम का अति ओजपूर्ण सारगर्भित एवं जोशीले अंदाज में उकवा में युवा समाज सेवी जेम्स बारीक ने किया ,जिसने अनोखे अंदाज ने पूरे मंच को बांध कर रखा, और पूरे कार्यक्रम ओर ओर अधिक यादगार बना दिया,सफल संचालन हेतु अंतिम में समस्त पंचायत के प्रतिनिधियों द्वारा मंच संचालक का सम्मान किया गया,

उपसरपंच एवं सचिव ने किया आभार

उम्मीद से कई गुना अधिक सफल आयोजन में मिले सभी के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग हेतु उपसरपंच शिवशंकर तिवारी एवं ग्राम पंचायत के सचिव भजन वल्के ने सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया,ओर भविष्य में भी सभी से जन हितैषी कार्यों ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा रखी।

पूर्व सैनिक संघ ने हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस, बाइक रैली निकाली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक संघ द्वारा राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी संजीव धुवारे ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों ने एकजुट होकर स्थानीय अंबेडकर चौक में कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अंबेडकर चौक में विधिवत 9 बजे ध्वजारोहण के साथ हुई। ध्वजारोहण के पश्चात सभी उपस्थित पूर्व सैनिकों ने राष्ट्रगान गाकर देश की एकता, अखंडता और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके बाद पूर्व सैनिक संघ के तत्वावधान में एक बाइक रैली का आयोजन किया गया। डीजे पर बजते देशभक्ति गीतों के साथ निकली यह रैली शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से होकर गुजरी। रैली में शामिल पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों ने तिरंगा लहराते हुए नागरिकों में देशप्रेम की भावना जागृत की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान, अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है तथा पूर्व सैनिकों का योगदान देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। आयोजन में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं आम नागरिक उपस्थित रहे, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

आदिवासी वनांचल क्षेत्रो में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के आदिवासी क्षेत्रो में भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। जर्जर स्कूलों का कायाकल्प होने के बाद कार्य में सहयोग करने वाले समाजसेवियों ने भी उन स्कूलों में जाकर ध्वजा रोहण किया और अध्ययनरत छात्रों को शिक्षण सामाग्री वितरित की। एकीकृत शाला परिसर पितकोना में पेसिफिक मिनरल कंपनी के डायरेक्टर वेदानंद राय की पुत्री डाक्टर रूपम प्रिया राय ने ध्वजारोहण कर अध्ययनरत 150 छात्रों और आंगनवाडी के बच्चो को स्कूली बैग, कॉपी, कंपास, पेंसिल सहित पढ़ाई से संबंधित अन्य सामग्री का वितरण कर उन्हे गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दी।गणतंत्र दिवस पर अवसर पर बतौर अतिथि के रूप में पहुंची डाक्टर रूपम प्रिया राय ने अध्यनरत छात्रों से पढ़ाई के संदर्भ में चर्चा की और उन्हे शिक्षा की ओर ध्यान आकर्षण करवाते हुए अपने हक अधिकारों की समझाने का प्रयास किया।पेसिफिक मिनरल कंपनी के द्वारा किए गए इस कार्य की ग्रामीणो ने सराहना की। इस अवसर पर हॉकफोर्स के डीएसपी शक्ति सिंह चौहान के अलावा प्रधान पाठक तुकाराम घोरमारे, डुलीचंद बढगैया, कैलाश हरिनखेडे सहित शाला स्टाप, पुलिस चौकी स्टाफ व ग्रामीण मौजूद रहे।

कच्ची शराब से भेंडारा गांव में हो चुकी है 6 लोगो की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए जिम्मेदारो द्वारा बड़ी संख्या में रोजाना ही कार्यवाही की जा रही है। बावजूद इसके भी पुलिस, अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है।शायद यही वजह है कि संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला खैरलांजी क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले ग्राम भेण्डारा से सामने आया है।जहां की करीब दो दर्जन से अधिक महिलाओ और पुरुषों ने बिरसा मुण्डा नशा मुक्ति समिति के बैनर तले मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ज्ञापन सौपकर गांव में तत्काल शराब बंदी किए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने गाव में शराब बिक्री होने से बच्चों और युवाओं में नशे की लत लगने और गांव का माहौल खराब होने की बात कहते हुए शिकायत करने पर भी आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही ना होने का आरोप लगाया है।

गांव में लगा रहता है शराबियों का जमघट

उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंची ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि उनके गांव में कच्ची शराब का अवैध कारोबार तेज गति से चल रहा है। गांव में कई जगह शराब बेची जा रही है।रोजाना शाम को शराबियों का जमघट गांव के चौक, चराहो पर लग जाता हैं जिसके चलते गाँव मे लड़ाई झगडे होते रहते है और ग्राम की शांति व्यवस्था भंग होती है।शराब पीने के बाद पुरुष वर्ग द्वारा महिलाओ को प्रताडित भी किया जाता है।

लाख कोशिशों के बावजूद भी नहीं हो रही शराबबंदी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुछ लोग खुलेआम अवैध तरीके से शराब, धडल्ले से बनाकर बेच रहे है जिससे गांव का माहौल ख़राब हो रहा है।आये दिन गावं में जुआ, लड़ाई झगड़ा, मारपीट गंदी-गंदी गाली गलौच का माहौल बना हुआ है। जिससे स्कूली बच्चे एवं लडकियाँ एवं माताएं बहनों पर विपरित प्रभाव पड़ने की वजह बहुत परेशान है । जिसकी सूचना पुलिस को लिखित में दी

जा चुकी है। उसके बाद भी शराब बंदी नही हुई। उसके बाद भी गांव में शराबबंदी नहीं हो पा रही है इसीलिए हम पुलिस सहयोग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय आए हैं।

बच्चे युवा भी खुलेआम कर रहे नशे का सेवन

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गाँव में करीब 60 प्रतिशत घरों में अवैध शराब निर्माण और बिक्री का कार्य किया जाता है जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है थाना में शिकायत कि गई है, लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही पुलिस के द्वारा नही कि गई है।जिससे परेशान होकर आज हम ज्ञापन लेकर कलेक्ट्रेट आए है।ताकि कच्ची शराब बिक्री करने वालो के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।उन्होंने बताया कि गांव के ज्यादातर लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं कई बार शिकायत करने पर भी अवैध शराब बेचने वालो पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

ग्रामीणों ने गांव में भी पूर्णत: शराबबंदी किए जाने की मांग की है।जिन्होंने गांव के लोगों पर सरेआम शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए, उनकी शिकायत पर अब तक कोई कार्यवाही ना होने की बात कही है। जिन्होंने अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किए जाने का आरोप लगाया है तो वही उन्होंने सम्पूर्ण गाँव में शराबबंदी और नशा मुक्ति की मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

पुलिस प्रशासन शराब बंदी में करे सहयोग- ग्रामीण

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम भेण्डारा निवासी महिला श्रीमती गोदावरी धुर्वे, और ढीमर टोला निवासी रिटायर्ड प्राचार्य डालीराम कुसाम सहित अन्य ने संयुक्त रूप से बताया कि उनके गांव में 60 प्रतिशत से अधिक लोग अवैध तौर पर शराब बनाकर उसकी बिक्री का काम कर रहे हैं,जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। पुरुष वर्ग शराब पीकर घर आते हैं लड़ाई झगड़ा करते हैं पैसों की मांग करते हैं, घर की औरतों को प्रताड़ित किया जा रहा है। वही चौक चौराहो में शराबी लोगों का अक्सर झुंड बना रहता है जो गाली गुप्तार करते रहते हैं, बच्चों और महिलाओं पर इसका विपरित प्रभाव पड़ रहा है। इसके पूर्व भी इसकी शिकायत भरवेली पुलिस से की गई थी। शराब की लत से अब तक 5 से 6 लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है। गांव में न केवल शराब बनाई जा रही है बल्कि उसकी सप्लाई अन्य गांव में भी की जा रही है हम चाहते हैं कि ऐसे लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इसलिए आज हम कलेक्ट कार्यालय आए हैं हम चाहते हैं कि शराब बंदी में पुलिस, और जिला प्रशासन हमारा सहयोग करें।

जनगणना में ओबीसी का कॉलम नही रहा, तो नही होने देंगे जातिगत जनगणना

ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. बजेन्द्र सिंह यादव ने दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केंद्र सरकार के निर्देशन पर आगामी समय में पूरे देश में जनगणना का कार्य शुरू किया जाना है।लेकिन देश में जनगणना की जैसे-जैसे तारीख नजदीक आते जा रही है वैसे-वैसे इस जनगणना में कई तरह के अ ?गे सामने आ रहे हैं। अब जातिगत जनगणना में ओबीसी का कलाम दिए जाने की प्रमुख मांग को लेकर ओबीसी महासभा द्वारा एक नया ऐलान कर दिया गया है।जिसमें उन्होंने जनगणना में ओबीसी का कलाम जोड़ने की प्रमुख मांग की है जहां उन्होंने जनगणना के फार्म में ओबीसी का कलाम ना जोड़े जाने पर जनगणना का यह कार्य न होने देने और सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी मंगलवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. बजेन्द्र सिंह यादव ने दी। जहां उन्होंने ओबीसी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए, ओबीसी की विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने की भी गुहार लगाई है। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान ओबीसी महासभा के प्रदेशध्यक्ष सौरभ लोधी, जिलाध्यक्ष दीनदयान बिसेन, जिलों के समस्त पदाधिकारी सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे मौजूद रहे।

कालम नहीं, तो नहीं होंगे देंगे जातिगत जनगणना

राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि लंबे समय से जनगणना व जातिगत जनगणना के साथ ओबीसी की अलग से जनगणना की मांग की जा रही है, और इसके लिए ओबीसी महासभा लंबे समय से लड़ाई लड़ रही है, जिसके परिणाम स्वरुप ही सरकार ने जनगणना का निर्णय लिया है, लेकिन पता चला है कि जन गणना में ओबीसी का कालम नहीं है, जो कि बिल्कुल भी न्यायोचित नहीं है, यदि जन गणना में ओबीसी का कालम नहीं रहेगा तो ओबीसी महासभा ये गणना ही नहीं होने देगी। इसके लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा

इन मांगों को लेकर किया मंथन

राष्ट्रीय अधिवेशन में ओबीसी महासभा मंडल-महाजन कमीशन की अनुशंसाओं को पूर्णत- लागू करने,संख्या के अनुपात में ओबीसी के लिए राज्य विधानसभा में सीटें और लोकसभा में 353 सीट आरक्षत करने, किसान की उपज का वर्तमान मूल्य बढ़ाकर 3 गुना करने, ओबीसी समाज की जनगणना घोषित कर विधायिका, न्यायापालिका, कार्यपालिका एवं निजी क्षेत्रों में संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने, केंद्र और राज्य के सरकारी विभागों में ओबीसी के रिक्त पदों को अतिशीघ्र भरने, ओबीसी छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति आय सीमा बढ़ाकर 3 लाख से 10 लाख प्रतिवर्ष करने,13 प्रतिशत होटल हटाकर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने सहित अन्य मांगों पर मंथन किया जाएगा।

शोभा की सुपारी बने हुए हैं पिछड़ा वर्ग आयोग के पदाधिकारी

स्थानीय सर्किट हाउस में वार्ता के दौरान ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. बजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि ओबीसी को उसका हक अधिकार दिलाने के लिए प्रदेश में मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सहित दो अन्य आयोग संचालित हो रहे है, और इनमें पदाधिकारियों भी नियुक्त किया गया है, ये पदाधिकारी सिर्फ शोभा की सुपारी बने है। इनके पास किसी भी प्रकार के अधिकार नहीं और न ही यहां अधिकारी-कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।ये सिर्फ बैनर-पोस्टर में ही सिमट कर रह गए है।ऐसे में ये सिर्फ नाम के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई के लिए इन्हें इनके अधिकार मिले तो ओबीसी की मांगों को पूर्ण किए जाने में काफी हद तक सफलता मिल सकती है।

यूजीसी का विरोध कर रही सिर्फ आरएसएस लाबी

राष्ट्रीय महासचिव ने बताया कि यूजीसी एससी, एसटी, ओबीसी के हक अधिकार के लिए उपयुक्त है, और केंद्र सरकार के इस कानून का ओबीसी महासभा खुलकर समर्थन करती है, और जब भी एससी,एसटी व ओबीसी विधायक इन कानून के समर्थन में आगे नहीं आएगा उन विधायकों का खुलकर विरोध भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूजीसी को लेकर सभी तरफ समर्थन देखने को मिल रहा है सिर्फ और सिर्फ आरएसएस की कुछ लाबी की इसका विरोध कर रही है, क्योंकि यूजीसी कानून से इनकी मनोपल्ली समाप्त हो जाएगा और सबको सामान अधिकार मिलेगी।इसलिए ओबीसी की विभिन्न मांगों के साथ ही यूजीसी को लेकर सरकार के समर्थन के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन भोपाल में किया जाएगा।

पंवार समाज जिला संगठन द्वारा हर्षोल्हास से मनाया गया 77 वाँ गणतंत्र दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 77 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज द्वारा जिला मुख्यालय बालाघाट में मोती तालाब स्थित राजा भोज प्रतिमा स्थल के समक्ष झंडावंदन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आतिथ्य समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष,पालक संरक्षक, ध्वज निर्धारण समिति सदस्य एफ एल बिसेन एवं अध्यक्षता वर्तमान जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजा भोज प्रतिमा पर माल्यार्पण, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत माता के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर किया गया।झंडावंदन मुख्य अतिथि एफ़ एल बिसेन द्वारा किया गया, भारत माता के जयघोष के साथ आयोजन स्थल गुंजायमान हो उठा।

तत्पश्चात मचसीन कार्यक्रम आरंभ हुआ जिसमे मुख्य अतिथि एफ़ एल बिसेन, पालक संरक्षक अतिलाल रहाँगड़ाले, पालक संरक्षक डॉ नरेन्द्र हरिनखेड़े, पालक संरक्षक आरसी अमूले, संरक्षक एवं ध्वज निर्धारण समिति सदस्य श्रीमती लता हरिनखेड़े, महिला प्रकोष्ठ सलाहकार एवं ध्वज निर्धारण समिति सदस्य श्रीमती अमिता जीआर तुरकर, पूर्व पार्षद विनय बोपचे, सेवानिवृत लिपिक रहाँगड़ाले जी,पूर्व युवा अध्यक्ष एवं पंवार समरस्ता समूह संस्थापक दिलीप रहांगडाले मंचासीन रहे।मंचीय कार्यक्रम की शुरुवात करते हुए जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया, तत्पश्चात अतिथियों एवं उपस्थित समाज जनों द्वारा वाल पेंटिंग का निरीक्षण करते हुए प्रतिभागियों में विजेताओं का चयन किया गया, जिसमे प्रथम पुरस्कार विजेता महात्मा हनवत, द्वितीय पुरस्कार विजेता ट्विंकल बिसेन, तृतीय पुरस्कार विजेता दीप्ति बिसेन,डाली बोपचे एवं समस्त प्रतिभागियों को जिसमे ऋतु पटले रानी पटले, तन्वी तपन चौधरी, विशाल गौतम, जन्माष्टि विशाल बिसेन, पूजा चेतन पटले,चन्द्र भूषण पटले,रागिनी चौहान,सुहानी रहाँगड़ाले,काजल ठाकरे,आरवी चौधरी,सुरभि हनवत,प्रबल हनवत को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।कार्यक्रम के दौरान विगत दिवस जिला मुख्यालय में संपन्न हुए राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता टीम के स्पॉन्सर, कप्तान एवं खिलाड़ियों को राजा भोज चिह्न से सुसज्जित कैप प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया, टूर्नामेंट की आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों को भी कैप पहनाकर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि एफ एल बिसेन द्वारा अपने संबोधन में गणतंत्र दिवस की शुभकामना के साथ ही समाज को एकजुट करने के वर्तमान प्रयासों की सराहना की, उन्हीने कहा की वर्तमान जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन एवं उनकी कार्यकारिणी द्वारा जिस तरीके से समाज में कार्य किया जा रहा है वह यह प्रमाणित करता है कि उनका जिला अध्यक्ष के रूप में चयन समाज के लिए सार्थक साबित हुआ है और भवुष्य में एक मज़बूत समाज संगठन का निर्माण होगा, उन्होंने राजा भोज प्रतिमा स्थल के नवीन सौन्दरीकरण के लिए नगरपालिका की सराहना की और जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के साथ ही नगरपालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति श्रीमती योगिता बोपचे एवं पार्षद राज हरिनखेड़े की प्रशंसा की गई। अध्यक्षीय संबोधन में जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि समाज ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है वो उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का प्रयास कर रहे हैं,उन्होंने उपस्थित वरिष्ठों एवं समाज जनों से आशीर्वाद सहयोग समर्थन एवं स्नेह की कामना की और कहा कि समाज का संगठन भविष्य में और शशक्त होगा और वे निरंतर समाज हित में कार्य करते रहेंगे। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने समाज जनों को सजक करते हुए समाज के नाम पर मनचाही समितिया बनाने वालों और चंदा वसूली करने वालों पर रोक लगाने और ऐसे लोगो से सतर्क रहने की अपील की साथ ही वरिष्ठों से अनुरोध किया कि ऐसे अतिमहत्वकांशी, अनुभवहीन लोग जो समाज को कमजोर करने का काम कर रहे है, समाज की आड़ में अंधाधुंध चंदा वसूली कर रहे है उनपर लगाम लगायी जाए ताकि समाज का अधिकृत संगठन समाज हित में सही दिशा में काम कर सके।कार्यक्रम के दौरान के.सी रहनंगड़ाले द्वारा ध्वज स्टेज पर स्थायी लोहे का फ्लैग पाइप समाज को समर्पित करने की घोषणा की गई इस हेतु अतिथियों द्वारा उनका सम्मान किया गया।कार्यक्रम में सर्वश्री डॉ राजेंद्र एल कटरे जिला महासचिव,श्रीमती गायत्री बिसेन पदेन उपाध्यक्ष, शैलेंद्र रहाँगड़ाले जिला कोषाध्यक्ष,अजय बिसेन जिला सह सचिव,पालक संरक्षक एवं ध्वज निर्धारण समिति सदस्य निखिल गौतम,श्रीमती लिशा सोमिल भगत जिला सचिव,भूपेंद्र भैरम जिला संयक्त सचिव, तपन राजा चौधरी जिला युवा अध्यक्ष, गुणेन्द्र पटले जिला संयोजक राजा भोज फाउंडेशन,अरविंद कटरे नगरअध्यक्ष,आनंद टेम्भरे जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ,अधिवक्ता दिलीप चौधरी, रजत कटरे जिला युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रीमती इंदु बिसेन,राजा भोज क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता टीम कप्तान कार्तिक बिसेन,अंकित एड़े,संकेत रहाँगडाले,डेनिश ठाकरे,धनेन्द्र तुरकर,संकेत पटले,भार्गव पारधी,शौर्या देशमुख,श्रीमती प्रियंका कटरे,सुशील रंहागडाले ,रितेश कटरे ,राकेश गौतम,दिगंबर रहागडाले,प्रेमसिंह बिसेन, श्रीमती सपना तूरकर, श्रीमती शारदा पटले,श्रीमती माया कटरे,श्रीमती इंदु बिसेन,प्रकाश सोनू रहाँगड़ाले, श्रीमती सुनीता बिसेन,श्रीमती सपना ठाकरे,श्रीमती इमला ठाकरे,श्रीमती अलका चौधरी,सान्या बिसेन,चयनु तुरकर के साथ ही अनेक समाज जन उपस्थित रहे।

धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। देश भक्ति एवं राष्ट्र प्रेम की भावना को संजोए नगरवासियों ने राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर सहित क्षेत्र भर में बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई। देश भक्ति एवं राष्ट्र प्रेम की भावना लिए हुए सुबह से ही स्कूली बच्चे तैयार होकर अपने शैक्षणिक संस्थानों मे पहुंचे जहां संस्था प्रमुखों द्वारा बड़े ही गरिमामयी माहौल मे राष्ट्र ध्वज का पूजन कर महापुरूषों को नमन करते हुए राष्ट्र ध्वज फहराया। तत्पश्चात् सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन गण मन का सामूहिक रूप गायन किया गया। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए महापुरूषों के जयघोष लगाए गए। तथा स्कूलों मे मिष्ठान वितरण कर स्कूली बच्चों द्वारा प्रभातफेरी निकाली गई। रैली मे शामिल बच्चों द्वारा भारत माता की जय सहित देश के अमर शहीदों एवं महापुरूषों के जयकारे लगाए। बच्चों की रैली नगर भ्रमण उपरांत बेसिक शाला ग्राउंड पहुंची जहां मुख्य समारोह का आयोजन किया गया।

बस स्टैण्ड किरनापुर शान से लहराया राष्ट्रध्वज तिरंगा

तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम भारत माता को नमन कर संविधान शिल्पकार डॉ बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्र ध्वज का पूजन कर समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके द्वारा राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराया गया। एवं सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन गण मन का सामूहिक रूप से गायन कर ध्वज को सलामी दी गई। इस दौरान स्कूली बच्चों सहित उपस्थित जनसमुदाय को मिष्ठान वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति उपाध्यक्ष राकेश बोरकर, उमा ताई मेश्राम,सचिव राहुल वैद्य, संरक्षक एम आर बागड़े, एस सी वैद्य,एस आर पटले, हंसराज वाहने, अमरदीप रामटेके, मिलिंद चौरे, राजेन्द्र वैद्य, एन एल निकुशे, दिलीप घरडे , एन आर खांडेकर, बी आर डोंगरे, सेवानिवृत शिक्षक भूपेन्द्र अजीत, रवि अजीत, विकेश मेश्राम सहित बड़ी संख्या मे नगरवासी एवं पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं, स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत किरनापुर में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस पर्व

तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर में गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच धर्मकला जी द्वारा महापुरूषों को नमन कर, ध्वज पूजन कर तिरंगा फहराया, राष्ट्र ध्वज को सलामी दी एवं सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन गण मन का गायन किया गया। तत्पश्चात् भारत माता की जय, राष्ट्र ध्वज तिरंगे झंडे की जय,देश के अमर शहीदों के जय के जयघोष लगाए गए। तथा सभी को गणतंत्र दिवस पर्व की शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे, पूर्व विधायक पुष्पलता कावरे, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मन्नालाल समुने, यूसुफ पटेल, मुकेश जोशी, मंगल प्रसाद रैकवार, उपसरपंच रोशनी मनीष उपाध्याय,जे पी रामटेके, विजय लिलहारे, अंकुश पचभैया, पंचायत सचिव नरेन्द्र डहरवाल सहित ग्राम पंचायत के समस्त पंचगण एवं गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

मुख्य समारोह मे स्कूली बच्चों ने दी शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां

मुख्यालय के बेसिक शाला ग्राउंड मे आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम मे सर्वप्रथम भारत माता एवं महापुरूषों के छायाचित्रों के समक्ष पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण कर पूजन किया गया एवं मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह द्वारा ध्वजारोहण कर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन गण मन का गायन कर महापुरूषों के जयघोष लगाए गए। इस दौरान मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले, सरपंच धर्मकला भाई जे पी रामटेके, पूर्व विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे द्वारा बैंड धुनों पर एनसीसी, स्काउट गाइड, स्कूली बच्चों की रैली का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात् एनसीसी कैडेटों, स्काउट गाइड, रेडक्रॉस एवं बच्चों द्वारा मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी गई। वही मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह द्वारा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। तत्पश्चात् नगर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा देश भक्ति एवं राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों कार्यक्रमों मे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के बच्चों की टीम को प्रथम स्थान, ब्राइट केरियर इंग्लिश स्कूल को द्वितीय स्थान तथा शासकीय कन्या शाला को तृतीय स्थान मिला। मंचासिन अतिथियो द्वारा बच्चों को पारितोषिक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के अवसर पर एसडीएम मायाराम कोल, तहसीलदार वर्षा झारिया, नायब तहसीलदार बबीता सूर्या, बीएमओ डॉ वर्ष चौबे,बीईओ गणेश सोनी,जनपद पंचायत किरनापुर के अधिकारीगण,शिक्षा विभाग के कर्मचारीगण, पुलिस विभाग के कर्मचारीगण, गणमान्य नागरिक एवं स्कूली बच्चों की मौजूदगी रही।

स्कॉटलैंड ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम, बेरिंगटन करेंगे कप्तानी

एडिनबर्ग । स्कॉटलैंड ने अगले माह होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से हटने के बाद स्कॉटलैंड को शामिल किया है। इस टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड की कप्तानी रिची बेरिंगटन करेंगे। 15 सदस्यीय टीम के साथ ही जैस्पर डेविडसन और जैक जार्विस को ट्रैवल रिजर्व के तौर पर रखा गया है। वहीं मैकेंजी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम में रखे गये हैं। स्कॉटलैंड की टीम को बांग्लादेश की जगह पर टूर्नामेंट के ग्रुप सी में रखा गया है। इस ग्रुप में स्कॉटलैंड के साथ वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, इटली और नेपाल की टीमें भी शामिल हैं। स्कॉटलैंड को अपने सभी लीग मैच भारत में खेलने हैं। टीम को तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में जबकि उसका अंतिम आखिरी लीग मैच मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान ने बहिष्कार किया तो बांग्लादेश को एक बार फिर टी20 विश्वकप में शामिल कर सकती है आईसीसी

दुबई । पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन मे अगल माह होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप का बहिष्कार करने की धमकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दी है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा है कि इस मामले में अंतिम फैसला पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात के बाद लिया जाएगा।

हालांकि, पाकिस्तान के पूरे टूर्नामेंट से हटने की संभावना नहीं के बराबर है पर अगर अपनी अकड़ दिखाते हुए पाक टीम टूर्नामेंट से हटती है तो आईसीसी उसे खिलाफ प्रतिबंध सहित कई कड़े कदम उठा सकती है। वहीं इससे बांग्लादेशी टीम को पाकिस्तान की जगह पर विश्वकप में फिर शामिल किया जा सकता है। बांग्लादेश ने सुरक्षा करणों से भारत दौरे से इंकार कर दिया था। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी उसकी जगह बांग्लादेश को ग्रुप ए में अवसर दे सकती है। ऐसे में उसके मैच पाक की जगह पर श्रीलंका में खेले जाएंगे और इससे किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आयेगी। वहीं पीसीबी प्रमुख नकवी ने प्रधानमंत्री शरीफ से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया में लिखा, प्रधानमंत्री के साथ एक सार्थक बैठक हुई। मैंने उन्हें आईसीसी से जुड़े मामले की जानकारी दी। तब उन्होंने कहा कि सभी विकल्प खुले रखते हुए इसका समाधान निकाला जाए। यह तय हुआ कि भागीदारी पर अंतिम फैसला शीघ्र लिया जाएगा। पीसीबी के पास अभी

टूर्नामेंट से हटने का कोई मजबूत आधार नहीं है। पीसीबी ने बांग्लादेश की इस मांग का समर्थन किया था कि उसके मैच भारत से बाहर कराए जाएं पर आईसीसी बोर्ड ने यह प्रस्ताव खारिज हो गया.

वहीं पाक बहिष्कार की जगह पर 15 फरवरी को भारत से होने वाले मैच से हट सकती हे। इसमें उसे केवल अंकों का ही नुकसान होगा। पाकिस्तान अंक गंवाने के लिए भी तैयार हो सकता है। यह मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है और इसके न होने से प्रसारकों के साथ-साथ प्रायोजकों को भी बड़ा नुकसान हो सकता है।

दूसरी ओर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम चाहते थे कि बांग्लादेश खेले और हमने उन्हें पूरी सुरक्षा का भरोसा भी दिया था पर जब उन्होंने खेलने से इनकार कर दिया, तो आखिरी समय में पूरा शेड्यूल बदलना बहुत मुश्किल था। इसी वजह से स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। पाकिस्तान इस मामले में बिना किसी वजह के हस्तक्षेप कर बांग्लादेश को भड़का रहा है।

ग्राम पंचायत चांगोटोला की अनूठी पहल

77वें गणतंत्र दिवस पर 'द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स' के मेधावी छात्र-छात्राओं व शिक्षकों का भव्य सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार 26 जनवरी को 77 वीं गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर ग्राम पंचायत चांगोटोला द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का गरिमामय सम्मान किया गया। इस अवसर पर द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स, चांगोटोला के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत चांगोटोला के सरपंच प्रमोद ठाकरे के मार्गदर्शन एवं पहल पर पंचायत क्षेत्र में स्थित समस्त विद्यालयों के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को कक्षा पाँचवीं, आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सार्वजनिक मंच से सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना विकसित करना तथा शिक्षा के प्रति उत्साह और जागरूकता को बढ़ावा देना है।इसी क्रम में द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं पंचायत का नाम रोशन किया।कक्षा पाँचवीं में प्रथम स्थान पलक ठाकुर, द्वितीय स्थान आदिति जैन एवं तृतीय स्थान अदिति ठाकरे ने प्राप्त किया।कक्षा आठवीं में प्रथम स्थान अलनूर खान, द्वितीय स्थान चैफी पटले तथा तृतीय स्थान निकुंज नामदेव रहे।कक्षा दसवीं (अंग्रेजी माध्यम) में प्रथम स्थान वेदी खीरसागर, द्वितीय स्थान पारुल पात्रे एवं तृतीय स्थान श्वेता शिव ने सफलता अर्जित की।वहीं कक्षा दसवीं (हिंदी माध्यम) में प्रथम स्थान हर्षित चंदेश्वर तथा तृतीय स्थान कुबेर हनवत को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा गया। विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संतराम सोनवाने (कोऑर्डिनेटर) एवं एजाज कुरैशी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों के सम्मान से यह संदेश दिया गया कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत और समर्पण का बड़ा योगदान होता है।समारोह के दौरान उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं ग्रामीणजनों ने ग्राम पंचायत की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, गर्व और प्रेरणा का वातावरण देखने को मिला।यह सम्मान समारोह न केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव बना, बल्कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की ग्राम पंचायत चांगोटोला की प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से दर्शाता है।

शिक्षा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र संभव- ठाकरे

इस अवसर पर सरपंच प्रमोद ठाकरे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींव है। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनता है तथा उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम पंचायत चांगोटोला भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे सकारात्मक प्रयास निरंतर जारी रखेगी।

श्री श्याम सेवा मंडल का प्रथम वार्षिकोत्सव आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के तत्वाधान में 28 जनवरी को शाम 6 बजे से श्री श्याम सेवा मंडल का प्रथम वार्षिकोत्सव के अवसर पर भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा का 28 जनवरी को एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। आगे बताया कि 28 जनवरी को शाम 6 बजे मंडल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा और इस अवसर पर श्री श्याम भजन का आयोजन किया गया है। जिसमें भजन गायक छिंदवाड़ा के आकाश नागवंशी, खाटूधाम से अंकित-दीपिका, इंदौर के शिवम रावल के द्वारा भजनों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले तीन मैचों में जीत के साथ ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त अपने नाम कर ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी कीवी टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतार सकती है। इसका कारण है कि सैमस पहले तीन मैचों में पारी की शुरुआत करते हुए असफल रहे हैं। उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम की ओर से अभी तक कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा अभिषेक शर्मा सहित अन्य बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है पवर स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम इनके फार्म में आने की उम्मीद करेगी। कुलदीप ने अबतक दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए पर अन्य गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम ने विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर जीत हासिल की। कुलदीप इससे पहले एकदिवसीय सीरीज में भी प्रभावित नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे।

वरुण को पिछले मैच में आराम दिया गया था पर पहले दो मैच में भी उनकी गेंदबाजी बेअसर रही। ऐसे में ये भी हो सकता है कि इस मैच में रवि बिश्नोई ही उतरें। बिश्नोई ने पिछले मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस मैच में वापसी कर रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरते हैं तो उनकी फिटनेस पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वह उंगली में चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। भारतीय टीम चाहेगी कि इस मैच से उसके स्पिनर भी लय हासिल कर लें जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम शीर्ष पर बनी हुई है। भारत की बल्लेबाजी पिछले दोनो ही मैचों में आक्रामक रही है। उसने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में काफी तेजी से रन बनाकर जीत दर्ज की है। इस मैच में भी यही कहानी रह सकती है। इस श्रृंखला में सीरीज में केवल सैमसन ही असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं पर तिलक वर्मा के बाहर होने से उन्हें इस मैच में भी बनाये रखने की उम्मीदें हैं।

वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम अब तक इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी है। उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। तेज गेंदबाज जेकब डफी के अलावा मैट हेनरी , काइल जैमीसन के अलावा स्पिनर मिचेल सैंटनर भी विफल रहे हैं। अब बचे हुए दो मैचों में कीवी टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

न्यूजीलैंड - मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप की नीलामी में करीब तीन करोड़ रुपये मिले

गोल्ड कोस्ट। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप 4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 2.92 करोड़ रुपये) मिले हैं। गोल्ड कोस्ट में इस नीलामी में कैप खरीदने वाली की पहचान सार्वजनिक नहीं की गयी है। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैप को एक म्यूजियम में पेश किया जाएगा जिससे क्रिकेट प्रशंसक इसे देख सकेंगे। ब्रैडमैन ने इस कैप को साल 1947-48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ही पहना था। इस कैप को ब्रैडमैन ने भारतीय क्रिकेटर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को तोहफे में दिया था।

सोहोनी के परिवार ने 7 दशकों से भी ज्यादा समय तक इस कैप को संभाल कर रखा था।कैप के अंदर डीजी ब्रैडमैन और एसडब्ल्यू सोहोनी नाम हाथ से लिखे हुए हैं, जो इसकी प्रामाणिकता और आकर्षण को और बढ़ाते हैं। यह कैप आज भी अच्छी स्थिति में है, जिसने इसकी कीमत को 2024 में 3,11,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में बेची गई दूसरी ब्रैडमैन कैप से कहीं ज्यादा रकम मिली है। उस कैप में पहनने के निशान के साथ फीका रंग और कीड़ों से हुआ नुकसान साफतौर पर दिख रहा था।

ब्रैडमैन ने अपने करियर में 52 टेस्ट खेले और 99.94 के असंभव के औसत के साथ दस हजार से अधिक रन बनाये। किया। उन्होंने 29 शतक भी लगाये। इसमें 12 दौहरे और तीन तिहरे शतक शामिल थे।।

ब्रैडमैन को साल 1948 में द ओवल में अपनी आखिरी टेस्ट पारी में 100 से ऊपर के बल्लेबाजी औसत के साथ रिटायर होने के लिए केवल 4 रन की जरुरत पर वह अपना खाता नहीं खोल पाये। साल 2001 में ब्रैडमैन का 92 साल की उम्र में निधन हो गया था।

सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

मेलबर्न । बेलारुस की महिला टेनिस स्टार एरिना सबालेंका जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका कीइवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ये मैच तेज गरमी में खेला गया। सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहले सेट में ही 3-0 की बढ़त बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी का प्रयास किया पर असफल रही। कीइवा ने नौवें गेम में ब्रेकअंक के तीन अवसर हासिल किये पर सबालेंका ने अपना दबदबा बनाये रखा।

भारत के खिलाफ विश्वकप मैच खेलने से इंकार कर सकता है पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी प्रतिबंध और अन्य खतरों को देखते हुए भले ही आईसीसी 20 विश्वकप में खेलने के लिए अपनी टीम की घोषणा भी कर दी है पर उसका भरोसा नहीं किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीबीबी बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इस टूर्नामेंट में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में खेलने से इंकार कर सकता है। उसे पता है कि ऐसे में आईसीसी उसके केवल 2 अंक काट सकता है। वहीं पाक बोर्ड को पता है कि अगर वह बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट में खेलने से मना करता है तो आईसीसी उसपर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। ऐसे में वह योजना के तहत ही भारत के खिलाफ होने वाले मैच से हट सकता है क्योंकि उसे पता है कि वैसे भी मैच में उसका जीतना संभव नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मुकाबला न खेलकर पाकिस्तान अपनी खीज निकाल सकता है। उसने इससे पहले उसने बांग्लादेश के समर्थन में विश्वकप का बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी। पीसीबी जानता है कि अगर टी-20 विश्व कप में भारत से मैच नहीं होता है तो इससे आईसीसी को काफी नुकसान होगा। पीसीबी को पता है कि अगर उसने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार किया तो आईसीसी उसका कुछ नहीं कर सकती है। उसे केवल दो अंकों का नुकसान होगा जबकि पूरा टी-20 विश्व कप छोड़ने पर आईसीसी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहिल कई कदम उठा सकती है।

पहले भी कई टीमों ने विश्वकप में विरोधी टीम के खिलाफ मैच खेलने से इनकार किया था। साल 1996 के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने अपने ग्रुप-स्तर के मैच श्रीलंका में खेलने से मना कर दिये थे, इससे इन दोनो को दो अंक खोने पड़े थे। वहीं साल 2003 के विश्व कप में इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे जाकर अपना मैच नहीं खेला था।

कटंगटोला लालबर्रा में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला (लालबर्रा) स्थित लॉन में सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला के तत्वाधान में 28 जनवरी से संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर ग्राम कटंगटोला स्थित लॉन में सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला (लालबर्रा) के द्वारा 28 जनवरी से 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें 28 जनवरी को कलश यात्रा, व्यास पूजन, भागवत कथा प्रारंभ किया जायेगा, 29 जनवरी को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत कथा, 30 जनवरी को

अजामिल प्रसंग, प्रहलाद चरित्र, 31 जनवरी को वामन अवतार, रामकथा, कृष्ण जन्मोत्सव, 1 फरवरी को बाल लीला, गोवर्धन धारण, 2 फरवरी को महारास, रूखमणी विवाह, 3 फरवरी को सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, 4 फरवरी को गीतापाठ, कथा विराम, हवन पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी वितरण कर 8 दिवसीय कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। आगे बताया कि इस 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम में माँ बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ (छ.ग.) के राष्ट्रीय सुप्रसिध्द कथावाचक पं.पू. श्री मुकुन्दकृष्ण जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक समाज ग्राम कटंगटोला के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सड़क निर्माण,संबल की राशि, सोशल मीडिया पोस्ट पर कार्यवाई, जल प्रदाय,आंगनबाड़ी भवन की मांगे लेकर पहुंचे लोग

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या : 60 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 27 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 60 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में बिरसा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत करोंदाबहेरा के ग्रामीण करोंदाबहेरा से मानेगांव सरहद तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना में सडक निर्माण की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि उनका क्षेत्र नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है और इस क्षेत्र के 10 से 15 गावों के लोगो एवं पढने वाले बच्चों को लगभग 09 किमी की दूरी तय कर मानेगांव जाना पडता है। उनके द्वारा पिछले 03, 04 वर्षों से इस सडक निर्माण के लिए आवेदन किया जा रहा है। अतः इस सडक को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए। इसी प्रकार की मांग लेकर ग्राम पंचायत चीचगांव के ग्रामीण भी आए थे। उनकी मांग थी कि ग्राम पंचायत सुरवाही, चिचगांव एवं रमगढी तक प्रधानमंत्री सडक निर्माण की सडक बनायी जाए।

विकासखंड किरनापुर के ग्राम सहारेबूढी के ग्रामीण ग्राम पंचायत बूढी तक 1.5 किमी लंबाई की सडक निर्माण की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव से बूढी आने वाली सडक अत्यंत जर्जर है जिसके कारण आवागमन में परेशानी होती है। बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत टिंगीपुर के सरपंच प्रेम मरकाम रोजगार सहायक अशोक कुमार पटले को उनकी पंचायत से हटाने की मांग लेकर आए थे। सरपंच का कहना था कि रोजगार सहायक का ग्रामीणजनों के साथ सही तालमेल नही है, उनकी पंचायत में आदिवासी बैगा जनजाति और पिछडा वर्ग के लोग रहते है। रोजगार सहायक द्वारा सरपंच एवं पंचों से पुछे बगैर कोई भी कार्य अपनी मनमर्जी से कराया जा रहा है और सरपंच पंच से जबरदस्ती बिलों में हस्ताक्षर करने कहा जाता है। ग्रामीण रोजगार सहायक की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट है अत: उसे शीघ्र टिंगीपुर पंचायत से हटाकर अन्य स्थान पर नियुक्त

किया जाए।

खैरलांजी तहसील के ग्राम भण्डारबोढी के भूमेश्वर राहंगडाले शिकायत लेकर आए थे कि उनका संबल योजना में पंजीयन है। उसकी पत्नी झामेश्वरी राहंगडाले की मृत्यु होने के बाद उसके द्वारा संबल योजना की 02 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता के लिए ऑनलाईन आवेदन किया गया है, लेकिन अब तक सहायता राशि नही मिली है। अतः उसे शीघ्र सहायता राशि दिलायी जाए।

वारासिवनी तहसील के अजाबशास्त्री शिकायत लेकर आए थे कि जितेंद्र ऊर्फ (राजा लिल्हारे) द्वारा अनर्गल वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर उनकी छवि धूमिल की जा रही है। राजा लिल्हारे द्वारा आये दिन प्रशासकीय अधिकारियों एवं कई गणमान्य नागरिकों के खिलाफ वीडियो बनाकर उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है। अजाबशास्त्री ने बताया कि हाल ही में खैरलांजी तहसील अंतर्गत भोरगढ निवासी वैवंताबाई के घर जाकर भी राजा लिल्हारे द्वारा महिला के साथ गलत व्यवहार किया गया। अत: राजा लिल्हारे पर बगैर किसी तथ्य के सोशल मीडिया पर इस तरह की वीडियो पोस्ट करने पर कडी कार्यवाही की जाए।

बैहर तहसील अंतर्गल ग्राम हीरापुर (गढी) की ग्राम पंचायत कदला के समस्त ग्रामीण गांव में नलजल योजना के तहत जल प्रदाय करने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि प्रधानमंत्री नलजल योजना के तहत उनके ग्राम में टंकी निर्मित की गई है, जिसे चालू करवाने के लिए पंचायत में कई बार कहा गया लेकिन पंचायत द्वारा ग्रामीणों से कार्यालय कलेक्टर जाने कहा जाता है। पानी टंकी के चालू नही होने से ग्रामीणों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पडता है। अतः कदला ग्राम की पानी टंकी से शीघ्र जल प्रदाय प्रारंभ किया जाए।

बैहर तहसील अंतर्गत बिरसा एवं परसवाड़ा क्षेत्र के बैगा समाज के लोग शासकीय शिक्षक साधुराम धुर्वे द्वारा समाज के सदस्यों को लगातार परेशान किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। उनका कहना था कि बालक छात्रावास बैहर में पदस्थ शिक्षक साधुराम धुर्वे द्वारा समाज के शासकीय एवं अन्य सामाजिक लोगों को व्यक्तिगत रूप से प्रताडति किया जा रहा है। बैगा समाज के लोगो ने बताया कि शिक्षक साधुराम द्वारा एक पंजीकृत संस्था के नाम से कुछ शासकीय कर्मचारियों की सहमति के बिना लेटर पैड का व्यक्तिगत उपयोग किया जा रहा है। साथ ही एक ही गांव के लोगों का एक ही पद पर होना समाज में आपसी मतभेद और विषमता पैदा कर रहा है, जिससे समाज में गलत संदेश जा रहा है। अत: शिक्षक साधुराम पर कडी कार्यवाही की जाए जिससे की समाज में शांति और सौहार्द बना रहे।

वार्ड नं. 24 सुरभि नगर बालाघाट के नगरवासी बालाघाट इंग्लिश स्कूल की बाउर्ण्डी वाल एवं रहवासी मकानों से लगी देशी/विदेशी शराब दूकान को अन्यत्र स्थापित करने की मांग लेकर आए थे। नगरवासियों का कहना था कि इस दूकान के रहने से उनसे लगे समस्त रहवासी परिवारों को बडी कठिनाईयों का सामना करना पडता है। नशे में लोग घरों के सामने से चलते चलते गंदी गंदी गालियॉ देते आते जाते है, जिससे रहवासी लोगो को मानसिक पीडा होती है। उन्होंने बताया कि स्कूल के अलावा शराब दुकान से कुछ मीटर की दूरी पर गर्ल्स होस्टल, विवेक ज्योति स्कूल तथा विवेकानंद आईटीआई कॉलेज भी संचालित है। इस जगह से बच्चों तथा महिलाओं को आने जाने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड रहा है। अतः सुरभि नगर में स्थित मदिरा दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए।

जनसुनवाई में ग्राम चीचगाँव व देवाटोला के समस्त ग्राम निवासी प्रधानमंत्री नल जल निर्माण कार्य का काम 05 वर्षो से अपूर्ण है कों शुरू करने की मांग कों लेकर आये थे। ग्रामवासियों का कहना था की ग्राम पंचायत चीचगाँव व देवाटोला में प्रधानमंत्री नल जल निर्माण का कार्य पिछले 05 वर्षो से पूरा नहीं हुआ है जिसे ठेकेदार द्वारा फर्जी तरीके से विभागीय समीक्षा में पूर्ण बता रहे है। पीएम नल जल का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है जिससे सभी ग्रामवासियों कों पानी की समस्या का सामना करना प रहा है। अतः चीचगांव व देवटोला में शीघ्र नलजल योजना से जल प्रदाय प्रारंभ किया जाए।

जनसुनवाई में बिरसा विकासखंड के ग्राम टिंगीपुर के ग्रामीण मन्दिरटोला में आंगनवाी भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम पंचायत मन्दिरटोला में पिछले 20 वर्षों से कोई आंगनवाी भवन नहीं है इस कारण बच्चों की पढाई कच्चे किराये के मकान में हो रही है। जिससे बच्चों की जान-माल का खतरा हमेशा बना रहता है।

कलेक्टर श्री मीना ने जनसुनवाई में आए सभी आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर शिकायतों से संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की सुक्ष्मता से जांच कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक ही शिकायत पर किसी भी आवेदक को बार-बार जनसुनवाई में न आना पडे। प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभाग के अधिकारी गंभीरता से लेंगे और शीघ्रता से उस पर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

बालाघाट में 5 हजार पौधों का होगा रोपण, बन रहा थीम पार्क और हरित बेल्ट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अमृत हरित महा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शासन के निर्देशानुसार शहर में व्यापक स्तर पर हरित बेल्ट निर्माण, थीम पार्कों का विकास एवं वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान के नोडल अधिकारी एवं उद्यान अधीक्षक प्रभात राहांगडाले ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी. कतरोलीया के निर्देशन में सुनियोजित कार्ययोजना तैयार कर कार्य किया जा रहा है।

श्री राहांगडाले ने जानकारी दी कि नगर क्षेत्र में नई मियावाकी पद्धति के तहत विभिन्न वार्डों में कुल 5,000 पौधों का रोपण किया गया है। इसके अंतर्गत ।ाक्साइट वार्ड क्रमांक 1 में 870 पौधे, समता तालाब वार्ड 14 में 190 पौधे, मोती तालाब की पार वार्ड 23 में 1,750 पौधे, नमो उपवन वार्ड 33 में 1,230 पौधे, वार्ड 33 नदी किनारे 530 पौधे तथा अन्य वार्डों में शेष पौधों का रोपण किया गया है।

अभियान के तहत नवाचार के रूप में शहर के ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर ग्रीन स्पेस का निर्माण किया गया है। इसी क्रम में पुरातत्व संग्रहालय से उत्कृष्ट विद्यालय के आखिरी छोर तक महानगरों की तर्ज पर योजना बनाकर नए छत्रपति शिवाजी पार्क का निर्माण किया गया है, जिसका लाभ नगरवासी स्वास्थ्य एवं मनोरंजन के लिए ले रहे हैं। इसके साथ ही सौंदर्यीकरण के क्रम में दादा-दादी पार्क, नाना-नानी पार्क जैसे थीम पार्कों का निर्माण नए स्थानों का चयन कर किया जा रहा है। ।ाक्साइट में पार्क तैयार किया जा चुका है, जबकि पी.जी. कॉलेज के सामने पार्क निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

नगर पालिका परिषद द्वारा आगामी दिनों में शहर के चौक-चौराहों, सेंट्रल वर्ज, रिक्त स्थलों पर भी थीम पार्क, हरित बेल्ट निर्माण एवं वृहद वृक्षारोपण किए जाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। अभियान का उद्देश्य शहर को हरित, सुंदर एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है।

चांगोटोला में 29 जनवरी को विराट राष्ट्र जागृति समरसत्ता सम्मेलन का आयोजन

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा, चेतना और सामाजिक समरसता प्रदान करने के उद्देश्य से सकल हिंदू समाज चांगोटोला के तत्वावधान में विराट राष्ट्र जागृति समरसत्ता सम्मेलन का आयोजन 29 जनवरी को चांगोटोला के खेल मैदान में किया जा रहा है। यह सम्मेलन सर्व हिंदू सनातन समाज, सनातन संस्कृति, सनातन धर्म और सामाजिक एकता के प्रतीक के रूप में आयोजित होगा।

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे एकत्रीकरण के साथ होगी। इसके पश्चात सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 1:00 से 1:30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।कार्यक्रम के अगले चरण में दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक गो-पूजन एवं कन्या पूजन संपन्न होगा। इसके बाद 2:00 से 2:15 बजे तक अतिथि परिचय एवं स्वागत किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक सभी उपस्थितजनों द्वारा सामूहिक वंदे मातरम् गान किया जाएगा।दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक देश और समाज के प्रति समर्पित अतिथियों द्वारा उद्बोधन दिए जाएंगे, जिनमें राष्ट्र जागरण, सामाजिक समरसता एवं सनातन मूल्यों पर प्रकाश डाला जाएगा। सायं 4:30 से 4:45 बजे तक भारत माता की आरती की जाएगी।कार्यक्रम के समापन अवसर पर शाम 5:00 बजे से 7:00 बजे तक सभी उपस्थितजनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है।सकल हिंदू समाज चांगोटोला ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से इस विराट सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आंजन के लट्ठों का अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर धराया

पद्मेश न्यूज। कटंगी। वन विभाग की एक टीम ने गत 25 जनवरी को परिक्षेत्र के तिरोड़ी वृत्त अंतर्गत ग्राम कटेदरा में आंजन प्रजाति के लट्ठों का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर वाहन क्रमांक एमपी 50 एए2505 को जब्त किया। मौके से ट्रैक्टर में 2.368 घनमीटर आकार के आंजन के 8 नग लट्ठे जब्त कर चालक को हिरासत में लिया गया। जब्तशुदा लट्ठों का बाजार मूल्य 25 हजार रू. बताया गया। इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 11914 दिनांक 25.01.26 दर्ज किया गया है। उक्त कार्यवाही प्रशिक्षु आईएफएस जितेन्द्र कुमार के निर्देशन में वनरक्षक कु.निशा चौधरी बीट प्रभारी पौनिया, नितेश चंदने, दिलीप परिहार, सुरक्षा श्रमिक महेश कर्मे द्वारा की गई।

बे-लगाम ट्रैक्टर की चपेट में आने से साइकिल सवाल बुजुर्ग की मौत

गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रख,किया चक्काजाम प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिपरिया के हुड़कीटोला में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए एक बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। जहां बुजुर्ग की मौत के बाद गुसाई भीड़ ने ग्राम पिपरिया के हु?कीटोला अंबेडकर चौक में चक्का जाम कर जमकर प्रदर्शन किया।मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले किए गए इस चक्काजाम के दौरान ग्रामीणों ने घटना को लेकर जमकर नारेबाजी की, तो वहीं शव को सड़क पर रख, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने , ट्रेक्टर को जप्त कर, आरोपी ट्रैक्टर चालक और मालिक को गिरफ्तार कर मामले में वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की। जहां करीब 2 बजे से शुरू हुआ यह चक्काजाम प्रदर्शन शाम 4:30 बजे तक निरंतर चलता रहा।

तत्काल कार्यवाही और मुआवजे की मांग पर अड़े रहे प्रदर्शनकारी

उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वारासिवनी पुलिस ने प्रदर्शनकारियो को समझाईश देकर मामले को शांत करने की कोशिश की लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने ,प्रदर्शनकारियों ने मांग कि जब तक ट्रैक्टर को जप्त कर ट्रैक्टर चालक और मालिक को गिरफ्तार नहीं किया जाता, और जबतक मुआवजा तय नही हो जाता, तब तक उनका यह प्रदर्शन जारी रहेगा।

करीब 2 घण्टे तक चला प्रदर्शन, रहागिर गए परेशान

बुजुर्ग की मौत वाले इस मामले में

आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे, युवा अध्यक्ष शुभम उईके के साथ परिजनों और ग्रामीणों ने गांव के आंबेडकर चौक में पहले लकड़ियों के लट्ठे से फिर शव को लाकर चक्काजाम कर दिया। जिससे तकरीबन दो घंटे तक हुड़कीटोला मार्ग पर आवागमन अवरूद्ध रहा। जिसके कारण, यहां से गुजरने वाले मालवाहक और यात्री वाहन के चक्के थम गए। हालांकि वारासिवनी थाना से पहुंची पुलिस के ठोस कार्यवाही और प्रक्रिया अनुसार मृतक की आर्थिक सहायता के आश्वासन के बाद सायंकाल 4 बजे चक्काजाम खत्म कर मृतक के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।जिसके उपरांत मामला शांत हुआ।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पिपरिया हुड़की टोला निवासी 60 वर्षीय प्रताप सिंह पिता सुक्कल सिरसाम मजदूर थे, जो फर्नीचर बनाने का कार्य करते थे।बताया गया कि वे रविवार की शाम पिपरिया ओझाटोला बाजार में सब्जी खरीदने गए थे जहां से सायकल से वापस आते समय उनके साथ यह हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक एक अज्ञात ट्रैक्टर चालक महा जानकी राईस मिल में माल खाली कर वापस भांडी जा रहा था ।इस बेलगाम ट्रैक्टर की चपेट में साइकिल सवार प्रताप सिंह आ गया।जिसे देख ट्रेक्टर चालक मौके से फरार हो गया। जहां ट्रैक्टर की ठोस से प्रताप गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया ,लेकिन सोमवार की सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर बुजुर्ग की मौत की जानकारी मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने अपना आक्रोश जताते हुए हु?की टोला के अंबेडकर चौक में चक्काजाम कर जमकर प्रदर्शन किया।

प्रत्यक्षदर्शी बोला,भांडी निवासी के ट्रेक्टर से हुआ है हादसा

चक्काजाम कर रहे प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मामले में पुलिस, ट्रेक्टर और चालक की जानकारी के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं कर रही है बल्कि मामले में अज्ञात वाहन बता रही है। जबकि प्रत्यक्षदर्शी स्वयं बता रहा है कि उसने ट्रेक्टर को देखा है। इसके साथ ही गरीब परिवारों के लिए मुआवजा की मांग भी की गई। जिसको लेकर तकरीबन 2 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक मार्ग को पूरी तरह से प्रदर्शनकारियों ने जाम रखा। अंतत: पुलिस के ठोस कार्यवाही और नियमानुसार, मिलने वाली सहायता राशि के लिए मदद का भरोसा दिलाए जाने के बाद आंदोलन को खत्म कर शव को अंतिम संस्कार के लिए भेजा गया।

तो करेंगे उग्र आंदोलन-

मप्र आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे, युवा अध्यक्ष शुभम उईके अपने संयुक्त रूप से बताया कि ट्रैक्टर की चपेट में आने से प्रताप सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई है। इस मामले में प्रत्यक्षदर्शी ईश्वर दयाल पिता धनलाल ठाकरे द्वारा बताया गया कि जिस ट्रैक्टर से ठोस हुई है वहां ट्रैक्टर भांडी निवासी व्यक्ति का है, वह ट्रैक्टर चालक को पहचानता है, घर भी देखा है। बावजूद इसके भी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है, पुलिस ने अब तक ट्रैक्टर मालक व चालक से पूछताछ नहीं की है।ट्रैक्टर जप्त भी नहीं किया गया है, मुआवजे का प्रकरण भी तैयार नहीं किया गया है। हमारी मांग है कि ट्रैक्टर को जप्त कर आरोपी चालक व मलिक को गिरफ्तार किया जाए ,सम्बंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया जाए और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए, उसी को लेकर आज हमने चक्काजाम आंदोलन किया था, जिसपर पुलिस द्वारा हमें आश्वासन दिया गया है, यदि ऐसा नहीं होता तो आगामी समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

गांधी चौक में जनपद अध्यक्ष ने किया झंडावंदन, जगह-जगह फहरा तिरंगा

पद्मेश न्यूज। कटंगी। लोकतंत्र, समानता और न्याय के मूल्यों का राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ 26 जनवरी समूचे क्षेत्र में बेहद धूमधाम, उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर इस वर्ष 'स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत' की थीम पर गणतंत्र दिवस का आयोजन हुआ। क्षेत्र के सभी शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक संस्थानों, शासकीय-अर्द्धशासकीय और गैर शासकीय कार्यालयों में सुबह 07 बजे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान जण-गण-मन का गायन हुआ। नगर के गांधी चौक में परंपरानुसार सुबह 09 बजे मुख्य समारोह का आयोजन हुआ। जहां जनपद अध्यक्ष कविता देशमुख ने झंडा वंदन कर एनसीसी परेड की सलामी ली। पुलिस जवानों ने राष्ट्रध्वज तिरंगे को सलामी दी। जनपद अध्यक्ष ने आकाश की ओर तिरंगा रंग के गुब्बारे छोड़े। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केसर बिसेन, एसडीएम के.सी.ठाकुर, तहसीलदार राकेश प्रजापति, नगर परिषद अध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर, उपाध्यक्ष धर्मकला देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष भानु सिंह पटले, लोकतंत्र सेनानी रामसिंह ठाकुर, वरिष्ट समाजसेवी विजय सिंह सरस्वार, जनपद सीईओ गायत्री कुमार सारथी, नगर परिषद सीएमओ राधेश्याम चौधरी, बीईओ सी.एस.कुसराम, बीआरसी रविन्द्र हरिनखेड़े, जनपद पंचायत के सभी सदस्यगण, नगर परिषद के पार्षदगण और तमाम विभागों के अधिकारी कर्मचारी, सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मुख्य समारोह में जनपद अध्यक्ष कविता देशमुख ने झंडा वदंन के बाद मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम का संदेश वाचन किया। इसके बाद कॉलेज और स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य समारोह के पहले चरण में लोकतंत्र सेनानी रामसिंह ठाकुर का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया और अंतिम चरण में विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में 25 जनवरी को नगर में पान सिंह तोमर की स्मृति में

आयोजित की गई मैराथन दौड़ के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस की 77 वीं वर्षगांठ पर नगर के सांदीपनी स्कूल में प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता ने झंडा फहराया। जिसके बाद यहां से एनसीसी, स्काउट गाइड और रेडक्रास के केड्ेडस ने नगर में मार्च पास्ट कर जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी दी और मुख्य समारोह स्थल में मार्च पास्ट ने विराम लिया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में झंडा वंदन के बाद स्कूली विद्यार्थियों ने देश भक्ति के नारों की गूंज के साथ प्रभात फेरी निकाली जिससे पूरा क्षेत्र में देश प्रेम से सराबोर दिखाई दिया। नगर के सभी सरकारी कार्यालयों में कार्यालय प्रमुख और ग्राम पंचायतों में सरपंचों ने झंडा फहराया। नगर के व्यवहार न्यायालय में न्यायाधीश श्रीमती नेहा ठाकुर, एसडीएम कार्यालय में एसडीएम के.सी. ठाकुर, लोक सेवा केन्द्र में तहसीलदार राकेश कुमार प्रजापति, अस्पताल में बीएमओ डॉ पंकज दुबे, महिला एवं बाल विकास विभाग में परियोजना अधिकारी पुष्पेन्द्र रानाड़े, जन शिक्षा केन्द्र में बीआरसी रविन्द्र हरिनखेड़े, सीएम राइज में प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता, कृषि कार्यालय में कृषि विस्तार अधिकारी एच.सी.डहेरिया, आबकारी कार्यालय वृत अधिकारी संदीप श्रीवास, कटंगी थाने में थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम, जनपद पंचायत सीईओ गायत्री कुमार सारथी, वन विभाग कार्यालय में प्रशिक्षु आईएफएस जितेंद्र कुमार और परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार, महाविद्यालय में विधायक गौरव पारधी और प्राचार्य अनिल शेण्डे ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया।

जिपं.सभापति केसर बिसेन ने फहराया तिरंगा

जिपं. की महिला एवं बाल विकास सभापति केसर बिसेन ने अपनी निजी शैक्षणिक संस्था शक्ति विद्या मंदिर में ध्वजारोहण किया। उन्होंने संस्था स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस पर्व की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि यह पर्व हमारे देश के सबसे मजबूत संविधान द्वारा आम नागरिकों को प्रदत्त अधिकारों के प्रति जागरूक करता है। इस दौरान उन्होंने संस्था में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले नन्हें मुन्हें बच्चों को प्रोत्साहित किया।

बालाघाट
बुधवार 28 जनवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जिले के 110 बैंकों में लटके रहे ताले, अधिकारियों कर्मचारियों ने की सामूहिक हड़ताल

5 दिवसीय वर्किंग डे की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियो ने भरी हुंकार

सिटी रिपोर्टर,
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार 27 जनवरी को 5 दिवसीय वर्किंग डे की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियो के संगठनों ने एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। जहां सप्ताह में 5 दिन काम और 2 दिन आराम की प्रमुख मांग को लेकर यूएफबीयू के बैनर तले, बैंक कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न संगठनों द्वारा नगर के एसबीआई बैंक में एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की गई।बैंक अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों द्वारा सामुहिक रुप से की गई इस एकदिवसीय सामुहिक हड़ताल के चलते जिले के 110 बैंको में ताले लटके रहे, वही 600 से अधिक अधिकारी कर्मचारी कार्य से विरत रहकर ह?ताल पर रहे।जिससे जहा एक ओर बैंकों का कार्य पूरी तरह से ढप रहा।तो वही लगातार 4 दिनों तक बैंक बंद रहने से उपभोक्ताओं को भी भारी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

5 वर्किंग डेज वीक लागू करने की प्रमुख मांग को लेकर हड़ताल

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले हड़ताल का यह आवाहन किया गया। दरअसल यूनियन 5 वर्किंग डेज वीक लागू करने की मांग कर रहे हैं। लंबे वक्त से चल रही मांगों के बीच 27 जनवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की गई। साथ ही संगठन द्वारा चेतावनी भी दी गई है यदि सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जिसमें संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन राष्ट्रव्यापी आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

04 दिनो से ठप है बैंको का कामकाज

बैंक कर्मचारी यूनियन की वैसे तो हड़ताल एक दिन 27 जनवरी की रही, लेकिन कामकाज 04 दिनों से ठप है। हड़ताल से पहले लगातार तीन दिनों की बैंकों की छुट्टियों के चलते मंगलवार को मिलाकर चार दिनो तक बैंकों में काम ठप रहा। दरअसल 24 जनवरी को चौथा शनिवार के चलते देशभर में बैंक बंद रहें,25 को रविवार था, इसलिए देशभर के बैंकों में साप्ताहिक छुट्टी रही, इसी तरह 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को देशभर के बैंक बंद रहें।वही 27 जनवरी मंगलवार को हड़ताल के चलते बैंको में कामकाज नहीं हो सका।इस तरह लगातार चौथे दिन भी बैंकों का काम ठप रहा।यानी 23 जनवरी के बाद बैंक सीधे 28 जनवरी को खुलेंगे।

प्रत्येक शनिवार रविवार को मिले अवकाश

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन (यूएफबीयू) के आव्हान पर 27 जनवरी को बैंक कर्मचारी और अधिकारियो ने एक दिवसीय हड़ताल की। यह निर्णय 5 दिवसीय बैंकिंग की लंबित मांग को लेकर लिया गया। बताया गया कि मार्च 2024 में आईबीए (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच हुए वेतन संशोधन समझौते में सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने की प्रतिबद्धता जताई गई थी।लेकिन यह नियम बैंक कर्मचारियों पर अब तक लागू नही किया गया है।बैंक कर्मचारियों की मांग है कि 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो, क्यो की उन्हें महीने में सिर्फ 2 शनिवार को छुट्टी मिलती है।उनकी मांग है कि इसे बढ़ाकर 2 दिन का साप्ताहिक अवकाश किया जाए।बताया गया कि आरबीआई, एलआईसी, जीआईसी आदि पहले से ही सप्ताह में 5 दिन काम कर रहे हैं।केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालय भी शनिवार को बंद रहते हैं। ऐसे में उनकी मांग है कि उनके लिए भी 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो।इसी मांग के लिए 27 जनवरी, 2026 को यूएफबीयू के आव्हान पर एक दिवसीय सामुहिक हड़ताल की गई है।

तो करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल- लीलाधर सुलाखे

सामूहिक हड़ताल को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र ग्रामीण बैंक एसोसिएशन महासचिव लीलाधर सुलाखे ने बताया कि 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन (यूएफबीयू) के बैनर तले आज समस्त बैंको के विभिन्न अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा सामूहिक हड़ताल की गई है, इसके पूर्व भी कई बार हमें 5डे वर्किंग का आश्वासन दिया जा चुका है लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर आज सांकेतिक तौर पर हड़ताल की गई है।जिससे बैंको का कामकाज पूर्ण रूप से ठप है। उन्होंने बताया हमें सप्ताह में मात्र एक दिन रविवार को अवकाश दिया जा रहा है, जबकि दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश मिलता है, जो पर्याप्त नही है। हम रोजाना ओवर टाइम 7 से 8 बजे रात्रि तक ड्यूटी करते रहते हैं,हम मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक जाते हैं इसी वजह से बैंक कर्मचारियों का व्यवहार चिड़चिड़ा रहता है और उन्हें छुट्टी की आवश्यकता है, इसीलिए यह हड़ताल की गई है यदि इसके बाद भी हमारी मांग पूरी नहीं होती तो संगठन के आह्वान पर देशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी।

नहर में मिला 12 घन्टे से लापता 5 वर्षीय मासूम नमन का शव, कायदी गांव में पसरा मातम

गणतंत्र दिवस के सभी कार्यक्रम रद्द, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायदी के जोड़ापाठ में सोमवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। बीते करीब 12 घंटे से लापता 5 वर्षीय बालक का शव गांव के समीप बहने वाली नहर में मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकलवाया।इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम कायदी की शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय कार्यालयों में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए। पूरे गांव में शोक और सन्नाटे का माहौल निर्मित हो गया।बालक नमन पिता राजकुमार उर्फ छोटा बाजघाटे, की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की गहन जांच की जा रही है।

माता-पिता का इकलौता बेटा था बालक नमन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नमन के पिता राजकुमार उर्फ छोटा बाजघाटे, विधानसभा कटंगी के विधायक गौरव पारधी के वाहन चालक हैं। परिवार में माता-पिता, पत्नी, दो बेटियां और एकमात्र पुत्र नमन था। नमन का पिछले वर्ष ही गुरुदेव स्कूल, कायदी में दाखिला कराया गया था।घटना की शुरुआत 25 जनवरी की शाम हुई, जब परिवार के सदस्य अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे। इसी दौरान बालक नमन घर से बाहर निकला और फिर वापस नहीं लौटा। काफी देर तक बालक के दिखाई न देने पर परिजनों ने गांव, मोहल्ले, खेतों और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर वारासिवनी पुलिस तत्काल गांव पहुंची और देर रात तक ग्रामीणों के सहयोग से बालक की तलाश की गई। संभावित स्थानों, खेतों और नहर के आसपास भी खोजबीन की गई, किंतु बालक का कोई पता नहीं चल सका।

सुबह नहर में मिला शव, उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

26 जनवरी की सुबह, परिजनों, ग्रामीणों एवं पुलिस द्वारा पुनः बालक नमन की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 9 बजे, गांव के समीप बहने वाली नहर में खोजबीन के दौरान ग्राम जोड़ापाठ से लगभग 1 किलोमीटर दूर, आलेझरी की ओर बालक का शव नहर में दिखाई दिया।शव दिखाई देने की सूचना फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके को सुरक्षित कर शव को नहर से बाहर निकलवाया और प्रारंभिक जांच शुरू की। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम कायदी ,जोड़ापाट की शासकीय योगी जी शिक्षण संस्थानों के अलावा शासकीय संस्थाओं में गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम तत्काल निरस्त कर दिए गए

वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे मौके पर

घटना की गंभीरता को देखते हुए वारासिवनी एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तथा घटनास्थल से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।

मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के पश्चात डॉक्टरों की टीम से बालक नमन के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही बालक की मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।वारासिवनी पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

गांव में शोक की लहर

इस हृदयविदारक घटना के बाद ग्राम कायदी एवं जोड़ापाठ में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों द्वारा शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही है।

मलाजखंड टाउनशिप में सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

अतिरिक्त महाप्रबंधक के घर से 2 लाख के जेवरात चोरी

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मामला, जांच जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ताम्र नगरी मलाजखंड में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताज़ा मामला मलाजखंड टाउनशिप का है, जहाँ एसएमएस लिमिटेड मलाजखंड में पदस्थ अतिरिक्त महाप्रबंधक (खनन) हीरेन बाविसी के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब 2 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिये। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एडिशनल जनरल मैनेजर हिरेन गए थे गुजरात और हुई चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार ताम्र नगरी मलाजखंड में हीरेन बाविसी पिछले चार वर्षों से एसएमएस लिमिटेड मलाजखंड में एडिशनल जनरल मैनेजर (माइनिंग) के पद पर पदस्थ हैं और अपने परिवार के साथ मलाजखंड टाउनशिप के क्वार्टर क्रमांक बी-2-145 में निवासरत हैं।11 जनवरी को दोपहर करीब 2 बजे वे अपने मकान में ताला लगाकर परिवार सहित अपने गृह नगर सूरत (गुजरात) चले गए थे।23 जनवरी को पड़ोस में रहने वाले लोगों ने हीरेन बाविसी को फोन पर सूचना दी कि उनके घर का दरवाजा खुला हुआ है। सूचना मिलने के बाद वे 25 जनवरी को मलाजखंड लौटे। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था, दरवाजा खुला पड़ा था और घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था।अलमारी का लॉकर खुला हुआ था, जिसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और नगदी गायब थे।

चोरी गए जेवरातों मेंसोने के 2 पेंडल सेट,सोने के कान के 2 जोड़ी बाले,सोने के 5 कंगन,1 मंगलसूत्र,1 जोड़ी झुमके,1 सोने की चेन,,2 ब्रेसलेट (एक रुद्राक्ष वाला),6 सोने की अंगूठियां,1 मांगटीका,1 माला सेट बाले सहित,बच्चों के लिए 4 हाय लॉकेट, 2 कान के लॉन्ग, 1 ब्रेसलेट और 3 जोड़ी बालियां,डायमंड की 2 नथ,चांदी की 4 जोड़ी पायल,बच्चों की 8 जोड़ी चांदी की पायल,चांदी की 7 चूड़ियां,बच्चों का 1 करधन

चांदी का 1 पेंडल सेट,चांदी की 1 हाथ घड़ी

शामिल हैं। चोरी गए समस्त जेवरातों की कुल कीमत लगभग 2 लाख रुपये बताई गई है।

एडिशनल जनरल मैनेजर हीरेन बाविसी 35 वर्ष की शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मौके का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाएं

गौरतलब है कि दो दिन पूर्व इसी थाना क्षेत्र के ग्राम बंजारी टोला में भी चोरों ने हाफ फोर्स में पदस्थ प्रधान आरक्षक सतीश मातरे के सूने मकान को निशाना बनाते हुए करीब 1 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नगदी की चोरी की थी। उस मामले की जांच भी मलाजखंड पुलिस द्वारा की जा रही है।

खड़ी कार से टकराई मोटरसाइकिल, हादसे में 4 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत वारासिवनी रोड पर ग्राम कटंगटोला के पास 27 जनवरी की दोपहर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 4 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बच्ची अपने मामा और मां के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम खड़खड़ी जा रही थी। मृत मासूम रेशु उर्फ रेशी पिता रिंकज देशमुख 4 वर्ष ग्राम झालीवाडा थाना वारासिवनी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस बच्ची का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लालपुर निवासी रविंद्र चौधरी, जो बेंगलुरु में अमेजॉन कंपनी में कार्यरत हैं। 25 जनवरी को अपने गृहग्राम लौटे थे। 27 जनवरी की सुबह वे अपनी बहन शीतल देशमुख के गांव झालीवाडा पहुंचे थे। ग्राम झालीवाड़ा से रविंद्र चौधरी अपनी बहन शीतल देशमुख और 4 वर्षीय भांजी रिशु उर्फ रेशु देशमुख के साथ पल्सर मोटरसाइकिल से ग्राम खड़खड़ी स्थित अपने मामा बैजनाथ भगत के घर जाने के लिए निकले थे। दोपहर करीब 12:30 बजे जब वे ग्राम कटंगटोला के पास पहुंचे, तभी एक क्रेटा कार एम पी 50जेड सी 3207 उनके सामने चल रही थी। तभी कार चालक ने बिना किसी सिग्नल या इंडिकेटर के अचानक कार सड़क पर खड़ा कर दिया। जिससे रविन्द्र चौधरी की पल्सर मोटरसाइकिल कार के पीछे जा टकराई।

हादसे में मोटरसाइकिल सवार रविंद्र चौधरी, उनकी बहन शीतल देशमुख और मासूम रिशु सड़क पर गिर गए। टक्कर के दौरान बच्ची। रेशु के सिर में गंभीर चोट लग गई, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गई। रविंद्र चौधरी ने घायल बच्ची रेशु को तत्काल मोटरसाइकिल से रामपायली शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। 108 एंबुलेंस के माध्यम से बच्ची रेशु को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस, मासूम बच्ची की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में मौत हो चुकी थी।

जिला अस्पताल पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की तथा पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। जिलाअस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना रामपायली भेज दी है। इस दर्दनाक

श्री संदीप बर्वे
संयोजक

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
ग्राम वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
श्री संदीप बर्वे - संयोजक
कक्षा नर्सरी से 8वीं तक हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम
प्राचार्या - श्रीमती यशोमति गुर्जर व समस्त शिक्षक शिक्षिकाये
सरस्वती शिशु मंदिर हट्टा डाईस कोड - 23450110717

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
-मिलने का पता-
अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
समय -सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक, 4 बजे से शाम 6 बजे समय

गणतंत्र दिवस अमर रहे
नगर परिषद बैहर जिला-बालाघाट (म0प्र0)
द्वारा राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
श्रीमति यशवंती गुड्डा मरकाम
अध्यक्ष
सुनील कुमार धार्वे
उपाध्यक्ष
दिलीप कुमार बाड़ेबुचे
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बैहर एवं समस्त पार्षदगण/ अधिकारी/कर्मचारीगण नगर परिषद बैहर

एवं क्षेत्र के नागरिको से अपील है कि-
- नगर परिषद के करों का भुगतान समय पर कर विकास कार्य में अपना सहयोग दें।
- सभी आम नागरिक समग्र पोर्टल पर अपना व अपने परिवार का आधार ईकेवाईसी अवश्य कराये।
- जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन समय सीमा पर करावें।
- वैवाहिक पंजीयन समय पर करावें।
- जल ही जीवन है अतः पेयजल का दुरूपयोग न होने दें। अपने घर का कचरा निकाय के कचरा वाहन में सूखा-गीला अलग-अलग देवें।
- किसी भी शासकीय योजना का लाभ लेने से पहले आवश्यक दस्तावेज समग्र आईडी तथा बैंक खाता को ईकेवाईसी एवं डीबीटी आवश्यक कराये।
- पॉलिथिन का उपयोग न करें।
- स्वच्छता बनाये रखें।
- सार्वजनिक सड़क, गली एवं चौराहे पर अतिक्रमण न करें। वृक्षारोपण अवश्य करें।

THE ALL NEW
नया Chetak C2501
न्यू लॉंचिंग
HAMARA KAL
HAMARA AAJ
HAMARA BAJAJ
चेतक हैं इंडिया का नं. 1 बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर अब बालाघाट में भी नंबर-1
बुकिंग स्टार्ट बुकिंग ऑफर 4299/- 31 फरवरी तक

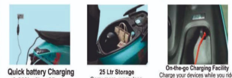

Quick battery Charging
0-80% : 2hrs 25 mins
Live more, worry less.
25 Ltr Storage
Carry more, worry less. From helmets to shopping bags.
On-the-go Charging Facility
Charge your devices while you ride, so your phone, earphone and gadgets are always ready when you are.
डिलेवरी 1 फरवरी से शुरू
एक्स.शो-रूम प्राईज ₹ ~~91399~~/- ₹87100/-
चलता नहीं दौड़ता है....
चेतक एक्सक्लूसिव सेंटर साई ऑटोमोबाईल्स
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट Mob:6263158471,9425822517

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट